मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए अधिकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

jagrukjanta.net

आषाढ़, पक्ष - कृष्ण, तिथि - षष्ठी, संवत 2078 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-7, अंक-18, 30 जून - 6 जुलाई, 2021 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

महत्वपूर्ण है पिछवाड़ा!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

कई दशकों पहले एक फिल्म आई थी 'चौकी नंबर 11'। इस फिल्म में एक गाना था जो खूब चला था। गाने के बोल थे 'कहीं हो न मोहल्ले में हल्ला, पिछवाड़े तांई आ जाना'। पिछवाड़े का हमारे समाज में बहुत महत्व है और पहले जो भी रिहायशी मकान या हवेलियां हुआ करती थी उनमें पिछवाड़ा निश्चित रूप से हुआ करता था। मुख्य मकान के पीछे की तरफ पिछवाड़े में जाने के लिए रास्ता भी होता था। ताकि जब जरूरत पड़े पिछवाड़े में चले जाएं। मकान के पिछवाड़े में गाय, भैंस, बैल आदि भी बांधे जाते थे जिन्हें बाड़ा कहा जाता था। मकान के पिछले दरवाजे से उसमें काम होता रहता था। पिछवाड़े के कई फायदे भी होते हैं जिनका इन दिनों काफी उपयोग किया जाता है। मान लो कोई व्यक्ति किसी से मिलने उसके मकान में आता है और मकान मालिक उससे मिलना नहीं चाहे तो वह चुपचाप पिछवाड़े से निकल जाता है। राजनीति में भी पिछवाड़े का बड़ा महत्व है। राजनीतिज्ञ किसी से नहीं मिलना चाहे तो वह पिछवाड़े से निकल जाता है। सामने वाले दरवाजे पर बैठा व्यक्ति उसकी इंतजार ही करता रहे। कई बार छापेमारी में अपराधी मकान के पिछवाड़े से निकल भागता है। शराब की दुकानें भी बंदिश के दौरान बाहर से बंद रहती है और पिछवाड़े से बिक्री होती रहती है। खैर! इन बातों को छोड़ो। इन दिनों लॉकडाउन की वजह से व्यापारियों, दुकानदारों के धंधे प्रभावित हो रहे हैं तो जिनके दुकानों में पीछे दरवाजे हैं तो उनके कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। सामने से शटर बंद है। अगर चैकिंग के लिए पुलिस आए भी, तो सामने से शटरबंद देखकर रवाना और पिछवाड़े से दुकान चालू। धड़ल्ले से व्यापार हो रहा है। ऐसे बहुत से कारनामे हैं जो पिछवाड़े से चालू रहते हैं भले ही सामने से बंद हों। पिछवाड़े भी कई तरह के होते हैं। कहते हैं न कि सामने से कुछ और पीछे से कुछ और। ये सब पिछवाड़े के प्रकार हैं। मगर पिछवाड़े होते बहुत काम के हैं।

shivdayalmishra@gmail.com

दबे पांव आया मानसून, प्रदेश में ठिठका, 2 जुलाई के बाद सिस्टम एक्टिव होने के आसार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। तय समय से 7 दिन पहले राजस्थान में एंट्री मारने वाले मानसून सुस्त पड़ गया है। इसका कारण पाकिस्तान की गर्म हवाओं को बताया जा रहा है। पश्चिमी क्षेत्र से आ रही गर्म हवाओं ने न केवल मानसून की गति थामी, बल्कि प्रदेश में गर्मी का असर भी बढ़ा दिया। इसी कारण आज भी पश्चिमी राजस्थान के अलावा उत्तरी और पूर्वी राजस्थान में तेज गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं। इस बार मानसून राज्य में प्रवेश करते ही कमजोर पड़ गया है। तय समय से सात दिन पहले यानी 18 जून को प्रदेश में एंट्री करने के बाद शुरुआती दिनों में करीब डेढ़ दर्जन जिलों में औसत बारिश हुई है, लेकिन दो दिन बाद जैसे ही पश्चिमी क्षेत्र पाकिस्तान से गर्म हवा का दौर शुरू हुआ मानसून कमजोर पड़ने लगा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी हवा की सक्रियता बढ़ने से दक्षिण व पूर्वी क्षेत्र से जो हवाएं मानसून को आगे बढ़ाती हैं, उनका प्रभाव कम हो गया। इसी कारण मानसून पिछले 8 दिनों से यथास्थिति में है। जयपुर मौसम विभाग की मानें तो 2 जुलाई तक इस तरह की कोई स्थितियां नहीं बन रही, जिसके कारण मानसून मध्य राजस्थान से उत्तरी इलाकों की ओर बढ़ सके। फिलहाल मानसून की उत्तरी रेखा बाड़मेर, धौलपुर और भीलवाड़ा में ही अटकी हुई है। अगले चार दिन तक प्रदेश में पश्चिमी हवाओं का असर बना रह सकता है।

18 जून को झालावाड़, उदयपुर के रास्ते राजस्थान में हुआ प्रवेश

19 जून को उत्तरी सीमा में आगे बढ़ा और बाड़मेर, भीलवाड़ा और धौलपुर तक पहुंचा

2 जुलाई तक प्रदेश में स्थितियां मानसून के अनुकूल नहीं है।

यह है अभी मानसून की स्थिति

मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान में झालावाड़, उदयपुर के रास्ते प्रवेश के बाद अगले दिन मानसून की उत्तरी सीमा आगे बढ़ी और यह बाड़मेर, भीलवाड़ा और धौलपुर तक पहुंची। इस दौरान मानसून ने उदयपुर, झालावाड़ा के अलावा बारां, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ और सिरोही जिले में पूरी तरह प्रवेश कर गया, जबकि पाली, जालौर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, बूंदी, धौलपुर और कोटा जिले के कुछ हिस्सों में मानसून की मौजूदगी दर्ज हुई है। 2 जुलाई तक प्रदेश में स्थितियां मानसून के अनुकूल नहीं हैं। इसके बाद अगर संभावना बनती है तो यह अजमेर, टोंक, जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, करौली, भरतपुर जिलों की सीमा में प्रवेश करेगा।

40 के पार पहुंचा कई जिलों में तापमान

पिछले कुछ दिनों से पश्चिम से आने वाली गर्म हवा के कारण टोंक, झुंझुनूं, बाड़मेर, चूरू, करौली, नागौर, जोधपुर सहित कई शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं कोटा, जयपुर, पाली में तो रात में न्यूनतम तापमान 30 डिग्री दर्ज हुआ।

मजदूरों को राहत देने की डेडलाइन तय : सुप्रीम कोर्ट ने कहा...

31 जुलाई तक वन नेशन-वन राशन कार्ड स्कीम लागू हो

31 जुलाई तक वर्कर्स का रजिस्ट्रेशन पोर्टल बने

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को राहत देने के लिए डेडलाइन तय कर दी है। अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे 31 जुलाई तक वन नेशन-वन राशन कार्ड स्कीम लागू करें। केंद्र को निर्देश दिए हैं कि वो NIC के साथ मिलकर असंगठित मजदूरों के रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल डेवलप किया जाए ताकि उन्हें स्कीमों का फायदा दिया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए भी 31 जुलाई की डेडलाइन दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने राज्यों से कहा कि वे तब तक कम्यूनिटी किचन चलाएं, जब तक देश में महामारी से पनपे हालात खत्म नहीं हो जाते हैं। पिछली सुनवाई में भी सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जाहिर करते हुए कहा था कि हम चाहते हैं कि कोई मजदूर और उसका परिवार भूखा न रहे।

मजदूरों को राहत पर की थी बड़ी टिप्पणी

प्रवासी मजदूरों के रोजगार और राशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पहले हुई सुनवाई में बड़ी टिप्पणी की थी। अदालत ने कहा था कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में आने वाले जिलों में सामूहिक रसोई खोलें ताकि मजदूर और उनके परिवार दो वक्त का खाना खा सकें। प्रवासी मजदूर बिना पैसे और रोजगार के कैसे गुजर-बसर करेंगे? फिलहाल कुछ तो सहारा दिया जाना चाहिए। आपको कठोर सच्चाईयों को समझना ही होगा। तुरंत राहत को तुरंत दिया जाना जरूरी है।

पिछली सुनवाई में दो मुद्दों पर कोर्ट नाराज

वन नेशन-वन राशन कार्ड: पिछली सुनवाई में अदालत के सामने बंगाल ने कहा था कि आधार के सीडिंग इश्यू को लेकर हम अभी ये स्कीम अपने राज्य में लागू नहीं कर सके हैं। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की थी और कहा था- इस पर कोई भी बहाना नहीं बनाना चाहिए। बंगाल को ये स्कीम लागू करनी चाहिए, क्योंकि ये उन मजदूरों की भलाई के लिए है, जिन्हें हर राज्य में राशन मिलेगा। सभी राज्यों को ये स्कीम आवश्यक तौर पर लागू करनी चाहिए।

रजिस्ट्रेशन सॉफ्टवेयर: मजदूरों के रजिस्ट्रेशन के लिए सॉफ्टवेयर बनाने में देरी पर भी कोर्ट नाराज थी। कोर्ट ने कहा था कि इससे देशभर का एक डेटाबेस तैयार हो सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया था कि सॉफ्टवेयर के न होने पर केंद्र नवंबर तक उन मजदूरों तक प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत फ्री राशन कैसे पहुंचाएगा, जिनका राशन कार्ड ही नहीं है? अभी भी सॉफ्टवेयर नहीं बन पाया है? अभी भी आपको 3-4 महीने क्यों चाहिए?

ट्विटर पर चौतरफा हमला

देश का गलत नक्शा दिखाने पर यूपी और एमपी में ट्विटर के MD के खिलाफ FIR

नई दिल्ली। देश के नए IT कानून न मानने पर अड़े ट्विटर की घेराबंदी तेज हो गई है। अपनी साइट पर देश का गलत नक्शा दिखाने के मामले में मध्य प्रदेश पुलिस के सायबर सेल ने ट्विटर इंडिया के MD मनीष माहेश्वरी के खिलाफ IT एक्ट के सेक्शन 505 के तहत केस दर्ज कर लिया है। इसी मामले में उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में भी माहेश्वरी के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। इधर, दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने चाइल्ड पोर्नोग्राफिक कंटेंट के मामले में ट्विटर के ख़िलाफ़ मामला दर्ज कर लिया है। यह मामला राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की शिकायत पर दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश में इस महीने माहेश्वरी पर यह दूसरी FIR दर्ज हुई है। इससे पहले दर्ज हुए एक केस में माहेश्वरी को पिछले हफ्ते कर्नाटक हाईकोर्ट से राहत मिल गई थी, लेकिन क्रपुलिस ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी है।

जागरूक खबरें

■ 19 जुलाई से संसद का मानसून सत्र संभव

नई दिल्ली। संसदीय मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीपीए) ने 19 जुलाई से 13 अगस्त तक संसद के मानसून सत्र की सिफारिश की है। ऐसे में पूरी संभावना है कि इस समयावधि में मानसून सत्र चलेगा। वहीं सरकार ने सभी सांसदों को सत्र शुरू होने से पहले वैक्सीन की दोनों डोज लेने के लिए कहा है।

■ विज्ञान नहीं पढ़ीं, पर अंतरिक्ष जाएंगी केली

नॉम पेन्ह। अमेरिकी स्पेस फ्लाइट कंपनी वर्जिन गेलेक्टिक ने प्रोजेक्ट के लिए फ्लोरिडा की केली गेराडी को अंतरिक्ष यात्री चुना है। वे कंपनी के लिए शोध भी करेंगी। 3 वर्षीय बेटी की मां केली कॉलेज स्तर पर विज्ञान या इंजीनियरिंग नहीं पढ़ी हैं। पर इस पर शोध करने के जुनून ने उन्हें यह अवसर उपलब्ध कराया है।

■ किले-महल 9:30 से शाम 5:30 तक खुलेंगे

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश के सभी स्मारक-संग्रहालय अब सुबह साढ़े 9 से शाम साढ़े 5 बजे तक खुलेंगे। कोरोना मामलों में निरंतर गिरावट के चलते ये फैसला लिया गया है।

जागरूक खबरें

मंत्रिपरिषद् की बैठक आज: शामिल होंगे सभी मंत्री

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। मोदी मंत्रिपरिषद की बैठक के लिए तारीख और समय तय हो गया है। यह बैठक आज शाम 5 बजे होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंत्रिपरिषद की बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्री और सभी राज्य मंत्री मौजूद रहेंगे। बता दें, ये बैठक काफी अहम मानी जा रही है। हाल के दिनों में मोदी मंत्रिमंडल के विस्तार की भी लगातार चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स में संभावित मोदी मंत्रिमंडल के विस्तार के साथ ही नए चेहरों को लेकर भी कयास लगाए जा रहे हैं। 27 संभावित नेताओं के केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने की चर्चा है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2021: यूएई और ओमान में खेला जाएगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) टी20 वर्ल्ड कप 2021 17 अक्टूबर से 14 नवंबर के बीच युनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में खेला जाएगा। आईसीसी ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। हालांकि इस टूर्नामेंट के मेजबानी के अधिकार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पास ही रहेंगे। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने सोमवार को इसकी पुष्टि कर दी थी कि टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन यूएई में होगा। आईसीसी ने आज इसकी आधिकारिक घोषणा भी कर दी। यूएई और ओमान के चार मैदानों पर इस टूर्नामेंट के सभी मैच खेले जाएंगे, जिसमें दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम, अबू धाबी का शेख जायद स्टेडियम, शारजाह स्टेडियम और ओमान क्रिकेट अकैडमी ग्राउंड शामिल हैं।

देश को मिलेगी पहली इंटरनेशनल वैक्सीन

मॉडर्ना को इमरजेंसी अप्रूवल

सिप्ला को 100 लोगों पर ब्रिज ट्रायल की शर्त तो पूरी करनी ही होगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन के भारत में इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। सिप्ला कंपनी को इस वैक्सीन के आयात की इजाजत दी गई है। पर सूत्रों का कहना है कि सिप्ला को देश में 100 लोगों पर ब्रिज ट्रायल की शर्त को पूरा करना ही होगा। मॉडर्ना पहली ऐसी इंटरनेशनल वैक्सीन है, जो पूरी तरह तैयार होकर विदेश से आएगी और इसकी डोज लोगों को दी जाएगी। देश को मिलने वाली ये चौथी वैक्सीन है। इससे पहले कोवीशील्ड, कोवैक्सिन और स्पुतनिक-V को भी मंजूरी मिल चुकी है। मॉडर्ना को भारत में पहली इंटरनेशनल वैक्सीन इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि यह सीधे इंपोर्ट होगी। देश में इसकी मैन्युफैक्चरिंग नहीं होगी। वहीं कोवीशील्ड को देश में सीरम इंस्टीट्यूट बना रहा है। जबकि कोवैक्सिन को भारत बायोटेक और ICMR मिलकर बना रहे हैं। वहीं रूस की स्पुतनिक-V की मैन्युफैक्चरिंग भारत में डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज करेगी। डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज स्पुतनिक के डेवलपर रशियन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट फंड की भारतीय पार्टनर है।

ANCHOR

34वीं स्टेट एम्पॉवर्ड कमेटी की बैठक

एसईसी ने की 2600 करोड़ निवेश की अनुशंषा

60 हजार से अधिक रोजगार के अवसर होंगे सृजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव निरंजन आर्य की अध्यक्षता मेंहुई स्टेट एम्पॉवर्ड कमेटी की 34वीं बैठक में कस्टमाइज्ड पैकेज के लिए करीब 2600 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की सिफारिश की गई। ज्वैलरी, ग्लास, टैक्सटाईल, आई-वियर और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित इन प्रस्तावों से राज्य में 60 हजार से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। खनिज विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल, उद्योग विभाग के शासन सचिव आशुतोष ए. टी पेडणेकर सहित अन्य विभागों से वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद रहे।

उद्योग आयुक्त अर्चना सिंह ने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं हैं और इसे देखते राज्य सरकार उद्योगों और व्यवसायों की उन्नति को सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में स्टेट एम्पॉवर्ड कमेटी ने इन प्रस्तावों की अनुशंषा की है। रिप्स 2019 निवेश प्रोत्साहन में देश की पंसदीदा स्कीम बनती जा रही है। एसईसी की अनुशंषा के बाद इन प्रस्तावों को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले निवेश बोर्ड में रखा जाएगा। बैठक में फ्रांस की सेंट गोबेन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सेंट गोबेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रस्ताव भी शामिल थे। ऑप्टिकल निर्माता लेंसकार्ट ने भी भिवाड़ी में 400 करोड़ रुपये का निवेश एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाना चाहती है। लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड टाइटन आईप्लस के बाद भारत में आईवियर के लिए दूसरा प्रमुख ई-कॉमर्स पोर्टल है। कंपनी ने कस्टमाइज्ड पैकेज के तहत चश्मा, आई फ्रेम, प्रिस्क्रिप्शन लेंस, पावर्ड सनग्लासेस, कॉन्टैक्ट लेंस और लेंस सॉल्यूशन की एक निर्माण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। भीलवाड़ा की आरएसडब्लूएम लिमिटेड ने भीलवाड़ा में 148.75 करोड़ और बांसवाड़ा में 125 करोड़ रूपये का निवेश कर फेब्रिक यूनिट स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। इसके अलावा बैठक में अन्य प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई।

सीतापुरा में बनेगा विश्व स्तरीय जेम एंड ज्वैलरी बूर्स

ज्वैलर्स एसोसिएशन और जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के सहयोग से जयपुर के सीतापुरा में बनने वाले विश्व स्तरीय जेम एंड ज्वैलरी बूर्स के निर्माण की सिफारिश की है। इसके निर्माण से ज्वैलर्स को एक छत के नीचे कई प्रकार की सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे इस उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और दुनिया में जेम एंड ज्वैलरी के लिए "जयपुर ब्रांड" स्थापित हो सकेगा।

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@rediffmail.com

jagrukjanta.net
जागरूक सिटी
Jagruk City
जागरुक जनता • जयपुर, बुधवार, 30 जून - 6 जुलाई, 2021 • पेज 02

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	40°C	32°C
जोधपुर	40°C	29°C
अजमेर	39°C	29°C
उदयपुर	34°C	25°C

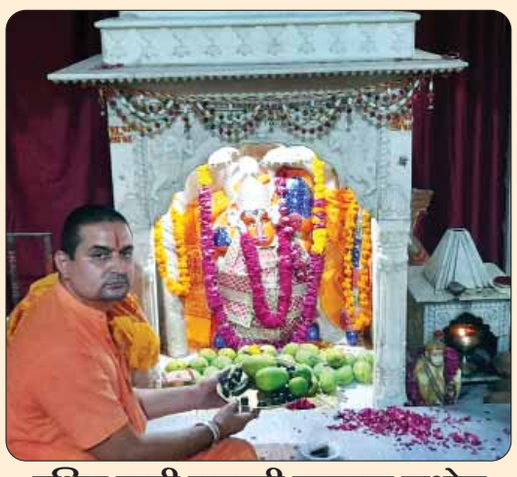

सूर्योदय ▶ प्रात: 05:48 बजे सूर्यास्त ▶ सांय : 06:50 बजे चन्द्रोदय ▶ 11:42 बजे चन्द्रास्त ▶ 11:00 बजे (दूसरे दिन)

जागरूक खबरें

दक्षिण मुखी बालाजी महाराज हाथोज धाम में आम मनोरथ झांकी सजाई

जयपुर @ जागयक जनता। शनि दोज के शुभ अवसर पर दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर हाथोज धाम में भगवान सीता राम दरबार एवं बालाजी महाराज को नई पोशाक धारण कराकर आम मनोरथ की मनोरम झांकी सजाई गई। स्वामी श्री बालमुकुंद आचार्य जी महाराज ने बताया कि बालाजी के मंदिर आने वाले भक्त अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु बालाजी महाराज से प्रार्थना करते हैं कि मेरा काम सिद्ध हो जाने पर आपको आम का भोग लगा कर मंदिर में आने वाले भक्तों को आम प्रसाद रूप में वितरित करूंगा। लक्ष्मणगढ़ निवासी बबलू सोनी एवं उनके परिवार जनों द्वारा बालाजी महाराज को आम फलों का भोग लगाया और आम मनोरथ की भव्य झांकी सजाई गई।

कोरोना से बचने के लिए वैक्सीन ही संजीवनी बूटी है- पूनम अंकुर छाबड़ा

जयपुर @ जागरूक जनता। कोरोना महामारी जिस तरह से फैल रही है उससे खुद को व अपने आस-पास सभी की जान बचाने के लिए वैक्सीन ही संजीवनी बूटी है। जयपुर के DHP जवाहर नगर में शराबबंदी आन्दोलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा ने वैक्सीन की प्रथम डोज़ लगवाई है। जवाहर नगर DHP की डॉ. सतजीत सोंढी जी, शिल्पा जी ए एन एम व आशा राजावत जी वैक्सीनेशन डिपो इंचार्ज व उम्मेद सिंह की मौजूदगी में पूनम अंकुर छाबड़ा को वैक्सीन की प्रथम डोज दी गई। सम्पूर्ण शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा ने कहा हम सब को वैक्सीन जल्द से जल्द लगवानी चाहिए ताकि इस महामारी को फैलने से रोका जा सके। पूनम अंकुर छाबड़ा के साथ अंकुर छाबड़ा, सुरेंद्र पिंगल ने भी वैक्सीन लगवाई।

भारत विकास परिषद ने किया मासापारायण रामायण पाठ

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत विकास परिषद मुरलीपुरा शाखा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत रामचरितमानस का मासा पारायण पाठ का आयोजन किया। रामायण पाठ पूज्य सिंधी पंचायत मुरलीपुरा स्कीम के सभागार में प्रतिदिन 9 बजे से प्रारंभ होता है जो पारायण विश्राम तक जारी रहता है। वाचन कर्ता नगेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि पाठ में श्रद्धालु ऑनलाइन जुड़कर भी शामिल सकते हैं।

कोरोना के मुक्ति के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप

जयपुर @ जागरूक जनता। सिद्धिविनायक प्राच्य विद्या ज्योतिष शोध संस्थान की ओर से महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया जा रहा है। आचार्य लीलाधर शर्मा द्वारा संस्थान से जुड़े प्रेमपाल शर्मा ने बताया कि कोरोनावायरस से मुक्ति एवं लोकहित में आचार्य लीलाधर शर्मा के नेतृत्व में सायं 7 बजे से एक घंटे तक प्रतिदिन पंडितों द्वारा महामृत्युंजय का जाप किया जाता है।

राजेन्द्र कुमार को बनाया शिवसेना राजस्थान का राष्ट्रीय सचिव

जयपुर @ जागरूक जनता। शिवसेना राजस्थान में राजेन्द्र कुमार कामरेड को राजस्थान का राष्ट्रीय सचिव एवं राजस्थान प्रभारी पद पर मनोनीत किया गया है। शिवसेना राजस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राजेन्द्र कुमार को यह दायित्व संगठन को मजबूत करने के लिए दिया गया है। वे अपनी जिम्मेदारी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निभाएंगे। हमें आशा है कि आप अगली सूचना तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे।

राजनीतिक दलों की लड़ाई में जनता का नुकसान

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत में दो बड़ी राजनीतिक पार्टियां है कांग्रेस एवं भारतीय जनता पार्टी। देखने में आता है आजकल बदले की भावनाओं का कार्य ज्यादा चल रहा है। आम जनता के लिए किसी भी राजनैतिक पार्टी के पास ठोस रणनीति नहीं है क्योंकि दोनों की सरकारों में हिंदुओ का आर्थिक रूप से शोषण तय है। शिवसेना राजस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने कहा है कि मुस्लिम समाज को संयुक्त राष्ट्र संघ की नीति के अनुसार 10% से अधिक जनसंख्या होते हुए भी अल्पसंख्यक का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन कभी किसी ने ये विचार नहीं किया कि पंजाब में हिंदू अल्पसंख्यक है। भारत के बहुत से राज्यों में धीरे धीरे हिंदु अल्पसंख्यक होता जा रहा है लेकिन इस पर सभी राजनैतिक पार्टियों के राजनेताओं ने मौन धारण कर रखा है।

जनसंख्या नियंत्रण सुदृढ़ राष्ट्र के विकास का मार्ग -डॉ भूपेंद्र शर्मा

जयपुर @ जागरूक जनता। किसी भी देश के सुदृढ़ होने में वहां की जनसंख्या का नियंत्रण होना आवश्यक होता है। क्योंकि अगर जितनी ज्यादा जनसंख्या होगी, उतना ही उस देश मे प्राकृतिक संसाधनों की कम उत्पन्न होगी और अगर लोगो को पर्याप्त मात्रा मे संसाधन उपलब्ध नही होगे तो उस देश को सुदृढ़ राष्ट्र होने मे बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह विचार सामाजिक चिंतक डॉ भूपेंद्र शर्मा चांदवास ने व्यक्त किये। डॉ शर्मा ने बताया कि भारत देश की जनसंख्या मे निरंतर वृद्धि हो रही है। जोकि एक गम्भीर चिंता का विषय है। गरीबी,बेरोजगारी ,पर्यावरण समस्या इत्यादि समस्याओं का मूल कारण भी जनसंख्या वृद्धि को माना जा सकता है। जनसंख्या वृद्धि से देश की सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। अगर जनसंख्या वृद्धि ऐसे ही होती रही तो देश के लोगो की भोजन, रोजगार, आवास, चिकित्सा इत्यादि मूलभूत सुविधाओ को पूरा करना भी देश के लिए चुनौती पूर्ण होता है।

जेडीए ने पीडब्ल्यूसी की बैठक में दी स्वीकृति : जवाहर सर्किल बनेंगे दो सब–वे, कियोस्क और पार्किंग

लक्ष्मी मंदिर तिराहे और जवाहर सर्किल पर खर्च होंगे 48 करोड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जेडीए ने लक्ष्मी मंदिर तिराहे और जवाहर सर्किल पर प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स पर करीब 48 करोड रूपए खर्च करेगा। इनमें जवाहर सर्किल पदयात्रियों व साइकिल सवारों के लिए दो सब–वे बनाए जाएंगे, इनमें कियोस्क बनेंगे, इसके अलावा आधुनिक पार्किंग विकसित की जाएगी। राजस्थान की पारम्परिक स्थापत्य कला के मेहराब बनाए जाएंगे। वहीं लक्ष्मी मंदिर तिराहे पर अष्टधातु की मूर्तियां लगाई जाएगी। जेडीए में पीडब्ल्यूसी की बैठक हुई, इसमें शहर में ट्रैफिक समस्याओं का निदान करने, ट्रैफिक इनफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, सौंदर्यीकरण के प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स लक्ष्मी मंदिर तिराहे और जवाहर सर्किल के लिए 48 करोड़ रूपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई। जेडीए आयुक्त गौरव गोयल ने बताया कि जेडीए की ओर से शहर में यातायात सुधारीकरण, सौंदर्यीकरण व पर्यटन सुविधाओं की डिजाईनिंग कार्य करवाया जा रहा है। यातायात सुधार कार्यो के तहत जवाहर सर्किल के कार्यो की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृत दी गई। इस कार्य के तहत जवाहर सर्किल एवं जेएलएन मार्ग जंक्शन पर स्थित ट्रैफिक लाइट को हटाकर वैकल्पिक ट्रैफिक संचालन की व्यवस्था की जाएगी।

जवाहर सर्किल पर ये होगा

जवाहर सर्किल में पदयात्रियों व साइकिल सवारों के लिए सुरक्षित प्रवेश के लिए सड़क के नीचे से दो सब-वे बनाए जाएंगे। इनमें जलपान कियोस्क आदि भी होंगे, साथ ही जवाहर सर्किल पर पार्किंग की आधुनिक व्यवस्था भी होगी। एयरपोर्ट से आते समय जवाहर सर्किल जंक्शन पर सफेद पत्थरों से राजस्थान की पारम्परिक स्थापत्य कला में मेहराब (मॉन्यूमेंट) बनाए जाएंगे, जो जयपुर आने वाले पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों को आर्कषित करेगा।

लक्ष्मी मंदिर तिराहे पर लगेगी अष्टधातु की मूर्तियां

शहर में यातायात सुधारों व सौंदर्यीकरण के कार्यों के तहत लक्ष्मी मंदिर तिराहे पर अष्टधातु से निर्मित मूतियां लगाई जाएगी। इन मूर्तियों के निर्माण के लिए 2.52 करोड रूपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है।

इन कार्यो के लिए 28 करोड़ स्वीकृत

- बी-2 बाईपास पर विकसित की जा रही मेट्रो एन्क्लेव योजना में विद्युतीकरण कार्य के लिए करीब 10.90 करोड रूपए, जयपुर शहर में ट्रैफिक सिग्नल एवं एटीसीएस सिस्टम के रखरखाव के लिए करीब 3.50 करोड रूपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई।
- आमेर के कुण्डा में वस्त्र मंत्रालय के तहत स्थानीय कलाकारों के प्रोत्साहन एवं विकास कार्य के लिए 5.37 करोड रुपए की योजना स्वीकृत की गई। इसमें 4.11 करोड रूपए केंद्र सरकार वहन करेगी और 1.26 करोड रूपए जेडीए खर्च करेगा।
- ऑक्सीजन संयंत्र की खरीद, स्थापना, रख-रखाव, संचालन और परीक्षण (सिविल, मैक्निकल एवं विद्युत कार्य) के लिए करीब 8.16 करोड रूपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई।
- जेडीए की नॉलेज सिटी नॉर्थ चौंप योजना का संशोधित मानचित्र का अनुमोदन किया गया।

सफाई कंपनी BVG से कमीशनखोरी में सौम्या के पति राजाराम को ACB ने किया गिरफ्तार, RSS के क्षेत्रीय प्रचारक रहे निंबाराम को भी बनाया आरोपी

निलंबित मेयर के पति राजाराम गिरफ्तार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की निलंबित महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के पति राजाराम गुर्जर को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। राजाराम को मंगलवार सुबह मुख्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया था। इसके बाद मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की गई। यह पूरा मामला शहर में सफाई करने वाली BVG कंपनी को 276 करोड़ का भुगतान करने की एवज में 20 करोड़ रुपए का कमीशन देने की डील की सौदेबाजी का है। जिसका गत 10 जून को इस डील के खेल का वीडियो और ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। बीवीजी कंपनी के प्रतिनिधि संदीप चौधरी और रिश्वत की सौदेबाजी में भूमिका निभाने वाले निंबाराम व अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधित) अधिनियम 2018 और 120 बी आईपीसी में मुकदमा दर्ज किया गया है। निंबाराम आरएसएस के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रचारक रहे हैं। आपको बता दें कि वायरल वीडियो पर ACB ने स्वतः संज्ञान लिया था। एसीबी के डीजी बीएल सोनी के निर्देश पर एसीबी ने प्रारंभिक शिकायत दर्ज कर जांच एडिशनल एसपी बजरंग सिंह शेखावत को सौंपी गई थी। इसके बाद एसीबी ने मंगलवार सुबह करीब 10 बजे बाद राजाराम गुर्जर को पूछताछ के लिए एसीबी मुख्यालय बुलाया। इसके बाद दोपहर को उसे गिरफ्तार कर लिया।

आईएएस और आरएसएस प्रचारक से भी हो सकती है पूछताछ

बता दें कि वायरल हुए दो वीडियो में आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक निंबाराम भी बातचीत में नजर आए थे। इसके अलावा एक वायरल ऑडियो में राजाराम गुर्जर और बीवीजी कंपनी के प्रतिनिधि के बीच बातचीत में एक आईएएस का भी नाम सामने आया था। ऐसे में आने वाले दिनों में एसीबी आरएसएस के प्रचारक और आईएएस से भी पूछताछ कर बयान दर्ज कर सकती है।

निंबाराम की भूमिका सहयोगात्मक-एसीबी के डीजी

एसीबी के डीजी बीएल सोनी ने बताया कि बीवीजी कंपनी को धमकाने के अंदाज में रिश्वत मांगने के आरोप में राजाराम गुर्जर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, रिश्वत की भारी रकम का ऑफर करने के आरोप में बीवीजी कंपनी के प्रतिनिधि ओमप्रकाश सप्रे को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा वायरल वीडियो में रिश्वत का ऑफर करने वाले बीवीजी कंपनी के प्रतिनिधि संदीप चौधरी और रिश्वत की सौदेबाजी में सहयोगात्मक भूमिका निभाने वाले निंबाराम व अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण (संशोधित) अधिनियम 2018 और 120 बी आईपीसी में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सौम्या गुर्जर मामले में सुप्रीम कोर्ट जाएगी भाजपा-चतुर्वेदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सौम्या गुर्जर निलंबन मामले पर हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद भाजपा अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। भाजपा के वरिष्ठ नेता और इस पूरे प्रकरण की कमान संभाल रहे अरुण चतुर्वेदी ने स्पष्ट किया है कि यह विकल्प अपनाएंगे। हालांकि, इससे पहले कोर्ट के आदेश की अध्ययन करने का हवाला दिया है। उधर, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने मीडिया बातचीत में कहा है कि फैसले की समीक्षा कर परीक्षण करा रहे हैं। न्यायालय के निर्णय पर कोई टिप्पणी बनती नहीं हैं। जो भी कानूनी रास्ता होगा, उस पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की राय ली जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में याचिका के मामले में पार्टी की लीगल टीम की एडवाइज के आधार पर आगे बढ़ेंगे। सूत्रों के मुताबिक इस मामले को देख रहे पदाधिकारी, नेताओं के बीच बातचीत भी हुई है। गौरतलब है कि निलंबित महापौर सौम्या गुर्जर की निलंबन पर रोक लगाने संबंधी याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। ग्रेटर नगर निगम जयपुर में सौम्या गुर्जर और आयुक्त यज्ञदेव मित्र सिंह के बीच विवाद हो गया था। इसके बाद आयुक्त ने ज्योति नगर थाने में मामला दर्ज कराया।

फैसले का अध्ययन कर रहे हैं-पूनिया

महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय

अब 15 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

कक्षा 1 से 8 के लिए प्रवेश प्रक्रिया की तारीख में आंशिक संशोधन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के 33 जिलों में जिला मुख्यालय और ब्लॉक स्तर पर स्थापित महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में सत्र 2021-22 के लिए कक्षा 1 से 8 के लिए प्रवेश प्रक्रिया की तारीख में आंशिक संशोधन किया गया है। अब 28 जून की जगह 15 जुलाई तक एडमिशन के लिए आवेदन किए जा सकेंगे। संशोधित प्रवेश प्रक्रिया को लेकर शिक्षा निदेशालय ने आदेश जारी किए है। जिनके मुताबिक नए एडमिशन भी पिछले साल की तरह लॉटरी से ही किए जाएंगे। संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक पहली कक्षा की सभी सीटों पर नए एडमिशन दिए जाएंगे। एडमिशन प्रक्रिया के नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी शैक्षिक प्रकोष्ठ, महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी होंगे, जिनकी देखरेख में एडमिशन की प्रक्रिया की जाएगी।

- पहली से 8वीं में एडमिशन के लिए आवेदन पत्र लेने का तारीख: 15 जुलाई तक
- पहली से 8वीं में एडमिशन के लिए मिलने वाले आवेदनों की सूची नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने की तारीख= 19 जुलाई
- पहली कक्षा के लिए लॉटरी निकालने की तारीख, प्रवेशित और प्रतीक्षारत छात्रों की सूची जारी करना: 20 जुलाई
- पहली कक्षा में एडमिशन का काम पूरा करना और शाला दर्पण पर प्रवेश प्रि या आरंभ करना : 30 जुलाई
- दूसरी से पांचवी तक के लिए लॉटरी निकालने की तारीख और प्रवेश व प्रतीक्षररत छात्रों की सूची जारी करना- 21 जुलाई
- छठीं कक्षा के लिए लॉटरी निकालने की तारीख और प्रवेशित व प्रतीक्षार छात्रों की सूची जारी करना : 23 जुलाई
- सातवीं और आठवीं कक्षा के लिए लॉटरी निकालने की तिथि, एडमिशन लेने वाले और वेटिंग लिस्ट छात्रों की सूची जारी करना: 23 जुलाई
- दूसरी से आठवीं तक में एडमिशन का कार्य पूरा और शाला दर्पण पर प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ करना और पूरा करना: 30 जुलाई।

महापौर ने की वोकल फॉर लोकल के लिए घोषणा

व्यावसायिक गतिविधि, पालतू जानवर का लाइसेंस अनिवार्य

जयपुर @ जागरूक जनता। नगर निगम ग्रेटर जयपुर की कार्यवाहक महापौर शील धाबाई ने वोकल फॉर लोकल के लिए घोषणाएं करते हुए बताई की इसके तहत जयपुर प्रसिद्ध खाद्य पदार्थ प्रतिष्ठान, हैंडीक्राफ्ट, ब्लू पोटरी एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थान आदि के विज्ञापन के लिए होर्डिंग साइट्स चिह्नित की जाएगी। इससे निगम के राजस्व में वृद्धि होगी और पर्यटकों को जानकारी उपलब्ध होगी कि यहां की श्रेष्ठ वस्तुयें/खाद्य पदार्थ आदि कहां मिलते है। अभी तक नगर निगम ग्रेटर ने 351 नई होर्डिंग साइट्स चिह्नित कर ली है। इन्हें मिलाकर कुल साइटों की संख्या 767 हो जाएगी। इसके साथ ही निगम ने 48 पार्किंग स्थल भी नए चिह्नित किए गए है।

सांसद बोहरा के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। स्थानीय सांसद रामचरण बोहरा के जन्मदिन 1 जुलाई को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। समाजसेवी नरेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि विश्वकर्मा एसोसिएशन भवन रोड नंबर 1, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में प्रात: 9 से 2 बजे तक शिविर में रक्तदान किया जाएगा। रक्तदान शिविर पूज्य सिंधी पंचायत मुरलीपुरा एवं संत बाबा मेहरदास ट्रस्ट, गायत्री परिवार, श्री श्याम मित्र परिवार सेवा समिति मुरलीपुरा, जांगिड़ विकास समिति दादी का फाटक, भारत विकास परिषद शाखा मुरलीपुरा एवं अंबाबाड़ी, मां भगवती गायत्री ट्रस्ट जयपुर के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा है। शिविर में रक्तदाताओं का सम्मान भी किया जाएगा।

हाउसिंग बोर्ड निवाई में बेचेगा बड़े शोरूम भूखण्ड

प्रदेश में अलग-अलग जगह प्रोजेक्टों का औचक निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल निवाई आवासीय योजना के बड़े शोरूम भूखण्डों की नीलामी करेगा। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने निवाई आवासीय योजना का औचक निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को योजना के फ्रंट साईड में उपलब्ध व्यावसायिक भूमि पर प्लानिंग करने के निर्देश दिये।उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान रखने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही आयुक्त ने वाटिका आवासीय योजनाओं का भी औचक निरीक्षण किया। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि राजस्थान के सभी निर्माणाधीन महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का औचक निरीक्षण का निर्णय लिया गया। उच्चाधिकारियों के साथ टोंक जिले की निवाई में बन रही आवासीय योजना और जयपुर के वाटिका में बन रही आवासीय योजना का आकस्मिक निरीक्षण किया और अन्य स्थानों पर मुख्य अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता व उप आवासन आयुक्त स्तर के अधिकारियों को भेजकर जांच कराई। आयुक्त ने निवाई आवासीय योजना के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि यहां मानसून में बडी संख्या में पौधारोपण किया जाए।

ANCHOR बेहतर होगी चिकित्सा सुविधा

एसएमएस में 300 करोड़ रुपए की लागत से 22 मंजिला आईपीडी टावर बनेगा

125 करोड़ की राशि चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध होगी, अगस्त तक प्रारंभ होगा निर्माण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। एसएमएस अस्पताल में भर्ती मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा सुलभ कराने के लिए 300 करोड़ रुपए की लागत से 22 मंजिला आईपीडी टावर बनाया जाएगा। आईपीडी टावर का निर्माण कार्य अगस्त माह तक प्रारंभ कर दिया जाएगा। स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल एवं चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने एसएमएस चिकित्सालय स्थित कॉटेज वार्ड का दौरा किया एवं प्रस्तावित आईपीडी टावर के स्थान का अवलोकन किया। इस आईपीडी टावर में 22 मंजिला निर्माण कार्य के अतिरिक्त 3 मंजिल बेसमेंट का भी निर्माण किया जाएगा। डॉ. शर्मा ने बताया कि प्रस्तावित आईपीडी टावर की 300 करोड़ रुपए की लागत में से 75 करोड़ रुपए स्मार्ट सिटी प्रोजक्ट एवं 50-50 करोड़ रुपए हाउसिंग बोर्ड तथा जेडीए से उपलब्ध कराने के लिए स्वायत्त शासन मंत्री ने सहमति दे दी है। शेष 125 करोड़ रुपए की राशि चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित निर्माण स्थल पर बने पुराने कॉटेज को ध्वस्त करने का कार्य आगामी दिनों में ही जेडीए द्वारा प्रारंभ किया जा रहा है।

50 करोड़ से बनेगा हृदय रोग संस्थान

चिकित्सा मंत्री ने बताया कि एसएमएस अस्पताल परिसर में ही 50 करोड़ रुपए की लागत से हृदय रोग संस्थान का निर्माण करवाया जाएगा। इसके निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपए की राशि स्मार्ट सिटी प्रोजक्ट से उपलब्ध हो रही है। उन्होंने बताया कि हदृय रोग संस्थान को हृदय रोग से संबंधित आधुनिकतम उपकरणों से भी सुसज्जित किया जाएगा। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास कुंजीलाल मीणा, स्थानीय भवानी सिंह देथा, चिकित्सा शिक्षा सचिव वैभव गालरिया, जेडीए आयुक्त गौरव गोयल, एसएमएस अधीक्षक डॉ. राजेश शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीएम गहलोत ने ली खाद्य आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक

पात्र परिवारों को मिले खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ-गहलोत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट आने और अनलॉक की प्रक्रिया के बीच अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार विभागों की समीक्षा बैठकें लेकर कामकाज रिपोर्ट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने आवास पर खाद्य आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक लेकर लोगों को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री आवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई समीक्षा बैठक में खाद्य आपूर्ति मंत्री सुखराम विश्नोई, मुख्य सचिव निरंजन आर्य, विभाग के सचिव नवीन जैन, वित्त विभाग(व्यय) के विशिष्ट शासन सचिव नरेश ठकराल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध निदेशक विजय पाल सिंह सहित खाद्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री का फोकस राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना पर रहा। मुख्यमंत्री अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया बंद होने से पहले जितने भी आवेदन किए गए हैं, उन सभी आवेदनों की शीघ्र जांच कर पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिया जाए। साथ ही मुख्यमंत्री भी अधिकारियों को कहा कि उन लाभार्थियों के मामलों की भी समीक्षा हो, जो पिछले कई माह से राशन के गेहूं नहीं ले रहे हों, उनके स्थान पर अन्य जरुरतमंद लोगों को सस्ता गेहूं उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर पंजीकरण दोबारा खोलने के लिए केंद्र सरकार को पत्र भी लिखा जाएगा।

निशक्तजन के लिए डोर स्टेप डिलिवरी

बैठक में मुख्यमंत्री अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि राशन डीलरों की दुकान तक पहुंचने में असमर्थ निशक्तजनों के लिए डोर-स्टेप डिलिवरी के तहत अनाज उपलब्ध कराने की योजना तैयार करने को कहा है। साथ ही राजस्थान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड के जरिए अच्छी क्वालिटी का आयोडाइज्ड नमक, चाय, आटा व खाद्य सामग्री सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने की योजना फिर से शुरू करने के भी निर्देश दिए। खाद्य आपूर्ति मंत्री सुखराम विश्नोई ने कहा कि कोरोना महामारी के दौर में बड़ी संख्या में लोग खराब आर्थिक स्थितियों से जूझ रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल की दरों में वृद्धि व महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरेगी कांग्रेस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की दरों में लगातार हो रही वृद्धि के खिलाफ एक बार फिर से कांग्रेस सड़कों पर उतरने की तैयारी में है। इसके लिए बकायदा प्रदेश कांग्रेस लगातार 11 दिन तक प्रदेश के सभी जिला और ब्लॉक लेवल पर धरने प्रदर्शनों प्रदर्शनों का सहारा लेकर केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा के खिलाफ हल्ला बोल करेगी। प्रदेश कांग्रेस की ओर से 7 जुलाई से 17 जुलाई तक पेट्रोल-डीजल की दरों और खाद्य पदार्थों के दामों में लगातार वृद्धि के खिलाफ अलग-अलग धरने प्रदर्शन किए जाएंगे।

एआईसीसी की तरफ से आया था आदेश

दरअसल पेट्रो-पदार्थों की कीमतों में लगातार वृद्धि और बढ़ती महंगाई के खिलाफ मोदी सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल की ओर से सभी राज्यों को एक सर्कुलर जारी किया गया है, जिसमें 7 जुलाई से 17 जुलाई तक महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के निर्देश दिए गए हैं। यह फैसला हाल ही में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिवों की बैठक में लिया गया था।

महंगाई के विरोध में होंगे प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रम

पेट्रोल-डीजल और खाद्य पदार्थों की दरों में वृद्धि के खिलाफ 17 जुलाई तक होने वाले विरोध प्रदर्शनों को लेकर प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय प्रभारी ललित तूनवाल ने बताया कि 7 जुलाई से 17 जुलाई तक प्रतिदिन प्रदेश के सभी जिलों और ब्लॉक लेवल पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पहले दिन कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं की ओर से विरोध स्वरूप साइकिल यात्रा निकाली जाएगी और उसके बाद पेट्रोल पंपों के बाहर प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक दिन अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें मंत्री, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक पार्टी नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे।

महिला-युवा कांग्रेस को बड़ी जिम्मेदारी

वहीं दूसरी ओर महंगाई के खिलाफ होने वाले विरोध प्रदर्शनों में महिला कांग्रेस और युवा कांग्रेस को बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। मुख्यालय प्रभारी ललित तूनवाल ने बताया कि खाद्य पदार्थों और रसोई गैस के दामों में लगातार वृद्धि से रसोई का बजट बिगड़ गया है। घर चलाने की जिम्मेदारी महिलाओं की होती है। ऐसे में महंगाई बढ़ने से सबसे ज्यादा परेशानी का सामना महिलाओं को ही करना पड़ रहा है। इसलिए इन प्रदर्शनों में महिला कांग्रेस को आगे रखा जाएगा। इसके अलावा अभी तक बेरोजगारी की मार झेल रहे युवा वर्ग बढ़ती महंगाई के कारण परेशानियां झेल रहे हैं। युवाओं की आवाज बुलंद करने के लिए युवा कांग्रेस और एनएसयूआई को अलग-अलग जिम्मेदारी दी जाएगी।

प्रोटोकॉल का रखा जाएगा ध्यान

7 जुलाई से 17 जुलाई तक होने वाले विरोध प्रदर्शनों में कोविड प्रोटोकॉल का भी ध्यान रखा जाएगा। धरने प्रदर्शनों में ज्यादा भीड़ न उमड़े इसके लिए अभी से ही निवर्तमान जिलाध्यक्षों और जिला प्रभारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। गौरतलब है कि पेट्रोल-डीजल की दरों में लगातार वृद्धि के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस ने सभी जिलों में ब्लॉक लेवल पर भी तमाम पेट्रोल पंपों के बाहर धरना प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया था।

जिनोम सिक्वेन्सिंग की सुविधा विकसित करने में राजस्थान पहला राज्य

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में जिनोम सिक्वेन्सिंग की सुविधा प्रारम्भ कर दी गई है। राज्य स्तर पर टोटल जिनोम सिक्वेन्सिंग की सुविधा उपलब्ध होने की दृष्टि से राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने बताया कि कोविड-19 की रोकथाम को दृष्टिगत रखते हुये प्रदेश में जिनोम सिक्वेन्सिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिनोम सिक्वेन्सिंग की तकनीक से वॉयरस के नये वेरियेन्ट के बारे में जानकारी प्राप्त हो सकेगी। उन्होने बताया कि एसएमएस मेडिकल कॉलेज में करीब 1 करोड़ रूपये व्यय कर जिनोम सिक्वेन्सिंग की व्यवस्था प्रारम्भ की गई है। डॉ. शर्मा ने बताया कि जिनोम सिक्वेन्सिंग के लिये अब तक प्रदेश से सेम्पल केन्द्र सरकार की इण्डियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा राजस्थान के लिये निर्धारित दिल्ली स्थित आईजीआईबी लैब में भिजवाये जा रहे थे। प्रदेश से प्रतिदिन 10 के अनुसार माह में निर्धारित 300 सेम्पल भिजवाये जा रहे थे लेकिन इनकी रिपोर्ट समय पर प्राप्त नहीं हो पा रही थी। डॉ. शर्मा ने बताया कि एसएमएस मेडिकल कॉलेज में स्थापित मशीन पर सैम्पलिंग कार्य 15 जून से कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। इस मशीन की क्षमता प्रतिदिन 20 सैम्पल जांच करने की हैं एवं शीघ्र ही इसकी क्षमता को बढ़ाकर प्रतिदिन 80 सैम्पल की जॉच की जायेगी। सेम्पल की जांच रिपोर्ट 3 से 4 दिन में प्राप्त हो रही है। डॉ. शर्मा ने बताया कि अब तक कोविड-19 के करीब 100 सैंपल की जिनोम सिक्वेन्सिंग की गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार इनमें से लगभग 90 प्रतिशत डेल्टा वेरिएंट पाया गया है। शेष 10 प्रतिशत कोविड-19 का बी 1.1 वेरिएंट मिला है। उन्होने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश में जिनोम सिक्वेन्सिंग की सुविधा सुलभ होने से कोविड-19 के बदलते वेरिएंट पर प्रभावी निगरानी की जा सकेगी।

पुलिस मित्र के बाद अब सुरक्षा सखी योजना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पुलिस मित्र योजना के बाद जब पुलिस ने सुरक्षा सखी योजना की शुरुआत की है। योजना में थाना स्तर पर महिलाओं का चुनाव किया गया है ताकि थाना क्षेत्र में महिला संबंधी किसी भी तरीके के अपराध में अगर सुरक्षा सखियों की जरूरत हो तो उनको समन्वय के लिए बुलाया जा सके। इसकी शुरुआत विद्याधर नगर थाने से की गई। विद्याधर नगर थाने के थाना अधिकारी विरेंद्र कुमार ने बताया कि यह अपने तरीके की एक नई योजना है। जिससे महिला संबंधी अपराधों को काबू करने में बेहद मदद मिलेगी। जयपुर शहर के कई थानों में जल्द ही लागू करने की तैयारी की जा रही है। डीसीपी नॉर्थ परिस देशमुख भी इस मौके पर विद्यालय नगर थाने पहुंचे। डीसीपी देशमुख ने कहा कि महिला संबंधी अपराधों को सुलझाने में अगर महिलाओं की सहायता मिलती है तो अपराध को बहुत हद तक रोका जा सकता है।

17 से 70 साल की कोई भी युवती या महिला सुरक्षा सखी बन सकती है

डीसीपी ने बताया कि 17 से 70 साल की कोई भी युवती या महिला सुरक्षा सखी बन सकती है। हर महीने थाना स्तर पर एक मीटिंग होगी जिसे थानाधिकारी लेंगे। क्षेत्र में आने वाले स्कूल, कॉलेज, कोचिंग, ऑफिस, फैक्ट्रियां आदि सुरक्षा सखी का कार्याक्षेत्र होगा। कोई भी महिला या युवती या किशोरी अगर किसी परेशानी में होगी तो सुरक्षा सखी से मदद ले सकती है और से सखियां थाना स्तर पर मदद लेंगी। हर थाने में एक महिला पुलिसकर्मी को ही नोडल अफसर बनाया गया है। जयपुर में यह प्रयोग सफल रहता है तो इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जा सकता हैं। पुलिस मुख्यालय स्तर पर इसकी देखरेख की जा रही है।

औद्योगिक कार्यों के लिए जल की दर में 10 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि स्थगित

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोविड-19 से उत्पन्न विषम परिस्थितियों के दृष्टिगत औद्योगिक कार्यों के लिए जल के उपयोग की दर में 10 प्रतिशत की प्रस्तावित वृद्धि को इस वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित करने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है। उल्लेखनीय है कि जल संसाधन विभाग द्वारा राज्य के सीमित जल संसाधनों की स्थिति तथा औद्योगिक जल के कुशलतम उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए जल की दरों में प्रति वर्ष 10 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि की जाती है। मुख्यमंत्री ने कोविड महामारी के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर रही औद्योगिक इकाइयों को राहत देने के लिए इस वित्तीय वर्ष में जल की दर में वृद्धि को स्थगित करने का फैसला किया है।

आउटरीच शिविरों में सैंकड़ों लोग लाभान्वित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के दौर में पीपीपी मोड पर विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा संचालित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंबाबाड़ी के द्वारा चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ निपुण शर्मा के निर्देशन में माह जून के अंतर्गत 3 आउटरीच शिविर आयोजित किए गए। शिविर में 376 व्यक्तियों ने लाभ लिया। विकल्प इंडिया सोसाइटी के अध्यक्ष संजय कटारा ने बताया कि आंगनबाड़ी रानी जी की बावड़ी किशन बाग में 105 व्यक्ति, आंगनवाड़ी सुंदर नगर विद्याधर नगर प्रथम में 115 व्यक्ति और 156 लोगों ने शिविर आयोजन का लाभ लिया। शिविर में शुगर, ब्लड प्रेशर,चर्मरोग व अन्य जांच निशुल्क की गई चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार आए हुए रोगियों को निशुल्क दवा का वितरण किया गया प्रत्येक कैंप से पूर्व आम जनता को कैंप की सूचना देने के लिए माय किंग से प्रचार किया गया कैंप के दौरान डॉक्टर विनोद चौमाल डॉ सुरेंद्र यादव नर्सिंग ऑफिसर विशाल शर्मा अकाउंटेंट गौरव कुमार मिश्रा सतवीर सिंह राठौड़ फार्मासिस्ट एएनएम अंजू कुमारी मनीषा कुमारी सुनीता सविता रुखसाना आशा सहयोगिनी उर्मिला अग्रवाल चंदा देवी आदि उपस्थित रहे। शिविर के दौरान आए हुए रोगियों को कोरोना महामारी के बारे में बताया गया एवं उन्हें टीकाकरण के बारे में प्रेरित किया या।

जागरूक खबरें

गहलोत का पीएम को पत्र

कहा- दूसरी खुराक के लिए जुलाई तक 70 लाख टीकों की जरूरत

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राजस्थान को अधिक वैक्सीन उपलब्ध करवाने का आग्रह किया है। गहलोत ने पत्र में राजस्थान में वैक्सीनेशन को लेकर उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने लिखा कि जैसा कि आप जानते हैं, राजस्थान में अनुकरणीय कोविड प्रबंधन के साथ, पहली और दूसरी लहरों के दौरान, हमारी सरकार ने सुनिश्चित किया है कि राज्य टीकाकरण अभियान के संबंध में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक बनें। राजस्थान में अब तक अब तक 2.36 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगाया जा चुका है जिसमें हमने नकारात्मक जीरो फीसदी अपव्यय हासिल किया है। उन्होंने कहा कि जुलाई तक 70 लाख से अधिक लोगों को उनकी दूसरी खुराक दी जाएगी। हमने प्रति दिन 15 लाख से अधिक व्यक्तियों को टीकाकरण करने की क्षमता बनाई है। इसलिए मैं आपसे व्यक्तिगत रूप से इस मामले में हस्तक्षेप करने और राज्यों को टीका की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देने का आग्रह करता हूं।

भारत छोड़ो आन्दोलन की वर्षगांठ पर राज्य सरकार सभी स्वतंत्रता सेनानियों का करेगी घर जाकर सम्मान

जयपुर @ जागरूक जनता। अपने अथक संघर्ष एवं त्याग से देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों का राज्य सरकार द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आगामी 9 अगस्त को सम्मान किया जाएगा। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से प्रेषित पत्र में राज्य सरकार को केवल दो स्वतंत्रता सेनानियों के नाम का मनोनयन कर उन्हें उनके घर पर ही सम्मानित करने के निर्देश प्राप्त हुए थे, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए इस पावन अवसर पर प्रदेश में सभी स्वतंत्रता सेनानियों को उनके घर पर सम्मानित किए जाने के आदेश दिए हैं। गहलोत के दिशा-निर्देशों पर सामान्य प्रशासन विभाग ने कोविड-19 के मद्देनजर सम्बन्धित जिला कलेक्टर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर अथवा उपखण्ड अधिकारी द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को उनके निवास पर सम्मानित करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

कृषि मंत्री ने दुर्गापुरा में किया विक्रय केन्द्र का शुभारंभ

मिलेंगे ताजा जैविक फल-सब्जियां

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शहर में लोगों को अब ताजा जैविक फल, सब्जियां और खाद्यान आसानी से मिल सकेंगे। कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया ने यहां दुर्गापुरा कृषि प्रबंधन संस्थान परिसर में 'जैविक उत्पाद विक्रय प्रोत्साहन स्थल' का शुभारंभ किया।

कृषि मंत्री कटारिया ने कहा कि लोग दिनों-दिन शुद्ध खाने को लेकर जागरूक हो रहे हैं और उनका जैविक उत्पादों की ओर रूझान बढ़ रहा है। इससे बाजार में जैविक खाद्य पदार्थों की मांग में वृद्धि हो रही है। किसान भी आधुनिक तकनीक और पारम्परिकता के साथ जैविक खेती की ओर रूख कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जैविक उत्पादक किसानों की बाजार तक पहुंच बढ़ाने और उपभोक्ता को आसानी से प्रामाणिक जैविक उत्पाद मुहैया कराने के लिए इस केन्द्र की शुरूआत की गई है। काश्तकार शुरूआत में सप्ताह में दो दिन सोमवार एवं गुरूवार को यहां फ्रेश जैविक उत्पाद लेकर आएंगे और बिक्री करेंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य में पंत कृषि भवन एवं शहर के प्रमुख पार्कों के द्वार पर भी ऐसे विक्रय केन्द्र शुरू करने की योजना है जहां जैविक उत्पादों की खरीद-बिक्री हो सके।

कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए सावंत ने बताया कि जैविक उत्पादों की मांग को देखते हुए उत्पादक एवं उपभोक्ता को इस केन्द्र के माध्यम से प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। यहां नागरिकों को वाजिब कीमत पर आसानी से ताजा जैविक उत्पाद मिल सकेंगे। उन्होंने बताया कि जैविक उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए खरीद-बिक्री का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी मुहैया कराया जाएगा। कृषि विभाग के आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि 'विक्रय प्रोत्साहन स्थल' पर 12 स्टॉल लगाई गई है, जहां किसान सोमवार एवं गुरूवार को प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक अपने प्रामाणिक जैविक उत्पादों की बिक्री करेंगे। यहां ताजा जैविक सब्जी, फल, सूखे पैकेज्ड आइटम एवं खाद्यान उपलब्ध होंगे। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार मुक्तानंद अग्रवाल, राजफेड प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा, उद्यानिकी विभाग के आयुक्त अभिमन्यु कुमार, कृषि विभाग के संयुक्त शासन सचिव एसपी सिंह सहित विभागीय अधिकारी एवं जैविक उत्पादक काश्तकार उपस्थित थे।

ANCHOR

नहीं टलेगा JEE Main और NEET का एग्जाम

बिना शेड्यूल जारी हुआ JEE एडवांस का ब्रोशर, प्रदेश के 9 शहरों में परीक्षा होगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। IIT खड़गपुर ने JEE एडवांस का इंफॉर्मेशन ब्रोशर जारी कर दिया है। इसमें बताया गया है कि परीक्षा की तारीख, रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया, काउंसिलिंग शेड्यूल को बाद में रिलीज किया जाएगा। इससे एक बात साफ हो गई है कि इस साल JEE मेन की परीक्षा किसी भी हाल में रद्द नहीं होगी। राजस्थान में JEE एडवांस की परीक्षा 9 शहरों में होगी। इसमें अजमेर, अलवर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा, सीकर, श्रीगंगानगर और उदयपुर शामिल हैं।

फीमेल कैंडिडेट्स: आवेदन शुल्क 1400 रुपए

फीमेल, SC-ST और दिव्यांग कैंडिडेट्स के लिए आवेदन शुल्क 1400 रुपए रखा गया है। वहीं, अन्य सभी कैटेगरी के लिए आवेदन शुल्क 2800 रुपए रहेगा। इस साल JEE मेन से JEE एडवांस के लिए कम से कम 2.5 लाख छात्र क्वालीफाई करेंगे। स्कोर टाई होने पर यह संख्या बढ़ भी सकती है।

फॉरेन कैंडिडेट्स सीधे करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

ओपन कैटेगरी से कुल 1 लाख 1 हजार 250, जनरल EWS यानी आर्थिक रूप से कमजोर जनरल कैटेगरी से 25000, OBC कैटेगरी से कुल 67500, SC से 37500 और ST से 18750 स्टूडेंट्स एडवांस के लिए एलिजिबिलिटी हासिल कर पाएंगे। फॉरेन कैंडिडेट्स को एडवांस के लिए JEE मेन देने की आवश्यकता नहीं होगी। वे सीधे ही एडवांस के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

EWS के लिए एक अप्रैल के बाद का सर्टिफिकेट जरूरी

ब्रोशर में दी गई सूचना के मुताबिक, लिस्ट ऑफ डॉक्यूमेंट्स में 10वीं और 12वीं की मार्कशीट के साथ ही आरक्षित श्रेणी के लिए सर्टिफिकेट की आवश्यकता होगी। EWS और OBC एनसीएल कैटेगरी के लिए एक अप्रैल 2021 या इसके बाद का ही सर्टिफिकेट मान्य होगा।

और तारीखें हुईं रिवाइज

JEE एडवांस्ड की तारीखों के साथ ही आर्किटेक्चर एप्टीट्यूट टेस्ट की तारीखों को भी रिवाइज किया जाएगा। IIT खड़गपुर ने ब्रोशर शेड्यूल से पहले इसीलिए जारी किया है ताकि छात्र संबंधित दस्तावेज पहले ही तैयार करवा लें। इससे फॉर्म भरने के समय दिक्कत नहीं हो।

स्थगित किए गए सेशन की तारीखों की घोषणा बाकी

JEE मेन के स्कोर के आधार पर छात्र एडवांस के लिए क्वालीफाई करेंगे। इस साल JEE मेन के दो सेशन हो चुके हैं और दो सेशन को कोरोना वायरस की दूसरी लहर को देखते हुए स्थगित किया जा चुका है। अभी स्थगित JEE मेन के दोनों सेशन की नई तारीखें घोषित होनी बाकी हैं।

इन राज्यों में होगी परीक्षा

गुजरात: अहमदाबाद, आणंद, भावनगर, गांधीनगर, भुज, मेहसाणा, राजकोट, सूरत और वलसाड
बिहार : आरा, औरंगाबाद, भागलपुर, बिहार शरीफ, छपरा, दरभंगा, गया, मुजफ्फरपुर, पटना, पूर्णिया व समस्तीपुर
छत्तीसगढ़ : भिलाई, बिलासपुर और रायपुर
झारखंड : बोकारो, धनबाद, हजारीबाग, जमशेदपुर और रांची
मध्य प्रदेश: ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, सागर, सतना व उज्जैन
हरियाणा: अंबाला, हिसार, जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत व यमुनानगर
पंजाब: अमृतसर, भटिंडा, जालंधर, लुधियाना, मोहाली व पटियाला।

सम्पादकीय

वैक्सीन की अहमियत

जिस समय भारत के संदर्भ में हमें यह चिंताजनक खबर पढ़ने को मिल रही है कि यहां 60 साल से अधिक उम्र के लोगों में वैक्सीन लेने की रफ्तार धीमी पड़ गई है और लगभग 52 फीसदी बुजुर्गों ने टीके की अभी पहली खुराक तक नहीं ली है, तब अमेरिका से टीकाकरण अभियान की कामयाबी का एक सुखद समाचार आया है। वहां एक अध्ययन में पाया गया है कि अब जितनी भी मौतें हो रही हैं, उनमें करीब 99 फीसदी वे लोग हैं, जिन्होंने कोविड-19 की वैक्सीन नहीं लगवाई थी। मई में 18,000 से अधिक अमेरिकियों ने इस वायरस के कारण अपनी जान गंवाई, मगर उनमें से करीब 150 लोग ही ऐसे थे, जिन्होंने टीके की दोनों खुराकें ले रखी थीं। गौर करने वाली एक अहम बात यह भी है कि जनवरी के मध्य में वहां रोजाना औसतन 3,400 लोगों की जान जा रही थी। तब वहां टीकाकरण अभियान शुरू हुए एक महीना ही हुआ था। मगर आज वहां कोविड-19 के कारण मरने वालों की दैनिक संख्या 300 से नीचे आ गई है। मान्य आयु वर्ग के 63 प्रतिशत अमेरिकी एक खुराक और करीब 53 फीसदी दोनों टीके लगवा चुके हैं। अमेरिका से आए ये ब्योरे टीकाकरण की अहमियत स्थापित करते हैं। हालांकि, ये यह भी बताते हैं कि अमेरिकी समाज में भी टीकों को लेकर संशय या दुराग्रह पालने वालों की कमी नहीं है। बहरहाल, वैक्सीन की प्रभावशीलता से जुड़ी इन जानकारियों का लाभ दुनिया भर की सरकारों को उठाना चाहिए और अपने टीकाकरण अभियान को गति देनी चाहिए। खासकर भारत के लिए यह काफी अहम है, क्योंकि न सिर्फ इसको तीसरी लहर की आशंकाओं को निर्मूल करना है, बल्कि असंख्य लोगों के भय, पूर्वाग्रह को दूर कर उन्हें टीकाकरण केंद्रों तक लाना भी है। देश की विशाल आबादी को देखते हुए यह काफी चुनौतीपूर्ण काम है, लेकिन यह अनिवार्य है और अनिवार्यता का कोई विकल्प नहीं होता। भारत का टीकाकरण अभियान पहले ही विसंगतियों का शिकार रहा है। एक तरफ, इसके हिस्से में सर्वाधिक टीके लगाने वाले चंद देशों में शुमार होने की उपलब्धि है, तो वहीं टीके की कमी के कारण लोगों का टीकाकरण केंद्रों से मायूस लौटना भी है। एक ओर, सौ फीसदी टीकाकरण वाले गांव हैं, तो दूसरी ओर टीकों की बर्बादी भी है। टीकों की दर, सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप और केंद्र-राज्यों में समन्वय की कमी जैसी बातों को एक तरफ रख भी दें, तो अब भी इसमें निरंतरता की कमी है। किसी दिन कोई राज्य लाखों टीके लगाने के कीर्तिमान रच रहा है, तो अगले ही दिन वह संख्या हजारों में सिमट आ रही है। नहीं! यह इवेंट मैनेजमेंट का विषय नहीं है, लोगों की जिंदगी और देश के भविष्य का गंभीर मसला है। इसलिए केंद्र और राज्य सरकारें इस अभियान को गति देते समय टीकों की आपूर्ति, निरंतरता और क्षेत्रफल का समान रूप से ख्याल रखें। इस बात की अनदेखी नहीं की जा सकती कि जिस आयुवर्ग में अब तक करीब सौ फीसदी टीकाकरण हो जाना चाहिए था, उसके 52 प्रतिशत लोगों को एक खुराक भी नहीं लगी है। अमेरिकी अध्ययन के नतीजे बता रहे हैं कि न सिर्फ सरकारों, बल्कि समस्त सामाजिक समूहों और सजग नागरिकों को अब यह मकसद बनाना पड़ेगा कि टीकाकरण अभियान जल्द से जल्द सफल हो, तभी भारत में भी कोविड-19 का दैत्य काबू में आ पाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रद्रोह कानून के दायरे को सीमित करने को अभी एक पखवाड़ा भी नहीं हुआ कि लक्षद्वीप में प्रशासन ने टीवी बहस के दौरान की गई एक फिल्म निर्माता की टिप्पणी पर इस कानून के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। इस तरह सिस्टम ने यह संकेत देने की कुत्सित कोशिश की है कि देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणियां भी उसके लिए कोई मायने नहीं रखतीं।

सुप्रीम कोर्ट की परवाह किसे है?

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

सामाजिक कार्यकर्ता आयशा सुल्ताना ने एक टीवी डिबेट में लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल के फैसलों की जमकर आलोचना की थी और कोरोना को लेकर केंद्र सरकार पर 'बायो वेपन' चलाने का आरोप लगाया था। इसी बयान के आधार पर आयशा पर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

लंबे समय से प्रतिपक्ष के नेता आरोप लगाते रहे हैं कि हाल के दौर में देश में संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और उनके सम्मान में लगातार गिरावट आ रही है और न सिर्फ आम लोग, बल्कि सरकार के स्तर पर भी उनकी घोर उपेक्षा की जा रही है। पिछले दिनों जब लक्षद्वीप की युवा फिल्मकार आयशा सुल्ताना पर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज हुआ, तो यह बात एक बार फिर साबित हुई कि देश के सिस्टम को सुप्रीम कोर्ट जैसी संवैधानिक और प्रतिष्ठित संस्था की भी कोई परवाह नहीं है। अभी करीब दो हफ्ते पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पुलिस को राजद्रोह कानून का सोच-समझकर इस्तेमाल करना चाहिए और खास तौर पर सरकार की आलोचना करने के मामलों में तो उसे इस कानून का बहुत कम उपयोग करना चाहिए। उच्चतम न्यायालय के इस अहम फैसले की स्याही भी अभी नहीं सूखी थी कि लक्षद्वीप पुलिस ने सिर्फ एक बयान के आधार पर फिल्मकार आयशा सुल्ताना के खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा दर्ज कर लिया। हालांकि यह मुकदमा स्थानीय बीजेपी नेता सी अब्दुल कादर हाजी की शिकायत पर दर्ज किया गया।

एक मलयालम टेलीविजन चैनल पर बहस के दौरान आयशा सुल्ताना ने कथित तौर पर कहा, 'लक्षद्वीप में कोविड-19 का एक भी केस नहीं था। लेकिन अब रोजाना 100 केस आ रहे हैं। क्या केंद्र ने बायो वेपन चलाया है? मैं ये साफ तौर पर कह सकती हूं कि केंद्र सरकार ने बायो वेपन के तौर पर तैनाती की है।' लक्षद्वीप भाजपा के अध्यक्ष अब्दुल खादर ने कवरत्ती पुलिस में आयशा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि आयशा सुल्ताना ने जो कहा वह राष्ट्रविरोधी है। उनके बयान से केंद्र सरकार की देशभक्ति की छवि को नुकसान पहुंचा है। शिकायत के बाद आयशा सुल्तान पर देशद्रोह का केस दर्ज कर लिया गया। उनपर कवरत्ती पुलिस स्टेशन में धारा 124 ए और 153 बी (अभद्र भाषा) के तहत मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने कई बार उनसे पूछताछ की। राजद्रोह के आरोपों का सामना करने वाली फिल्मकार आयशा को केरल हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी, जहां हाईकोर्ट ने उन्हें इस मामले में अग्रिम

जमानत दे दी है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने जिन सवालों को जन्म दिया, वे आज भी जवाब मांग रहे हैं। सबसे अहम सवाल तो यही है कि क्या इस मामले में लक्षद्वीप पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन किया? हमारे लोकतंत्र में सरकार की ऐसी आलोचना जिसमें हिंसा का आह्वान न किया गया हो, देशद्रोह नहीं है। और यह ऐसा सिद्धांत है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार स्थापित किया है। लेकिन विभिन्न राज्यों की पुलिस बार-बार इसकी अनदेखी करती है। और लक्षद्वीप पुलिस ने भी यही किया। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने करीब एक पखवाड़े पहले ही कहा था, 'हमारी राय ये है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, 153ए और 505 के मापदंडों के दायरे की व्याख्या की आवश्यकता है, खासकर इलेक्ट्रानिक और प्रिंट मीडिया के समाचार और जानकारियां देने के संदर्भ में। भले ही वो देश के किसी भी हिस्से में चल रही सत्ता के आलोचना में ही क्यों ना हों।' आयशा सुल्ताना पर दर्ज किए गए मुकदमे के संदर्भ में इस सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी का आखिरी हिस्सा बेहद अहम है, जहां सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 'भले ही वो देश के किसी भी हिस्से में चल रही सत्ता के आलोचना में ही क्यों न हों।' पूर्व में भी जब इस तरह के मामले सामने आए हैं, देश की शीर्ष अदालत ने अपने दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही फैसला दिया है और ज्यादातर मामलों में पीड़ित पक्ष को राहत ही दी है। आयशा सुल्ताना के खिलाफ दर्ज देशद्रोह का यह मामला भी शायद अदालत में टिक नहीं पाएगा, लेकिन तब तक हमारा सिस्टम यानी पुलिस उसे पीड़ा झेलने के लिए मजबूर करती रहेगी। इससे दूसरे तमाम लोगों के बीच यही संदेश जाएगा कि अगर उन्होंने सिस्टम के खिलाफ एक शब्द भी कहा, तो राजद्रोह का मुकदमा झेलने के लिए तैयार रहिए। यह सीधे-सीधे कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है और हमारे लोकतंत्र को शोभा नहीं देता है। गुजरात के पूर्व मंत्री और लक्षद्वीप के मौजूदा प्रशासक प्रफुल खोड़ा पटेल ने हाल के महीनों में कई विवादित फैसले किए हैं और इन्हीं के कारण लक्षद्वीप इन दिनों चर्चा में है। पटेल ने लक्षद्वीप में बीफ बैन कर दिया है और शराब के सेवन पर लगी पाबंदी हटा दी है। इसके अलावा उन्होंने एक नया विकास प्राधिकरण बनाने का प्रस्ताव दिया है जो लक्षद्वीप के किसी भी इलाके को डेवलपमेंट जोन घोषित करके जमीन का अधिग्रहण कर सकता है। लक्षद्वीप के लोग इन बदलावों का कड़ा विरोध कर रहे हैं और प्रांत में कई सप्ताह से प्रदर्शन चल रहे हैं। इसी मुद्दे पर टीवी बहस के दौरान आयशा सुल्ताना ने उपरोक्त टिप्पणी की थी।

सुल्ताना ने जैविक हथियार शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार नहीं किया है लेकिन स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि उनका कहने का मतलब यह था कि प्रफुल खोड़ा पटेल को केंद्र सरकार ने लक्षद्वीप पर थोपा है। अपने फेसबुक पोस्ट में सुल्ताना ने कहा, 'मेरे मदीने ने मुझे सिखाया है कि यदि तुम युद्ध की स्थिति में हो तब भी अपनी मातृभूमि के साथ खड़े रहे। ये बात मैं यहां इसलिए कह रही हूं क्योंकि कुछ लोग मुझे देशद्रोही की तरह दिखा रहे हैं, इसकी वजह ये है कि मैंने एक टीवी बहस के दौरान बायो वेपन शब्द का इस्तेमाल किया। सब ये जानते हैं कि मैंने उन शब्दों का इस्तेमाल सिर्फ प्रफुल्ल पटेल के लिए किया था।' सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि किसी बयान को देशद्रोह नहीं माना जा सकता है, इसके बावजूद लक्षद्वीप पुलिस ने टीवी चैनल की डिबेट में दिए गए बयान को आधार बनाकर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज कर लिया। क्या इस तरह सिस्टम ने यह संकेत देने की कुत्सित कोशिश की है कि देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणियां भी उसके लिए कोई मायने नहीं रखतीं? अगर वाकई ऐसा है, तो यह हम सब लोगों के लिए बेहद चिंता की बात होनी चाहिए।

कोविड-19

संभावना जिससे हम दूर रह गए

संतोष मिश्रा
समीक्षक
@jagrukjanta.net

कोई भी त्रासदी और उसके कष्ट हमें भले ही बुरी तरह झकझोर देते हों, लेकिन संकट के दौर अक्सर कई ऐसे बदलाव खामोशी से कर देते हैं, जिनकी उस समय तक हमें भनक ही नहीं होती। कोरोना काल में कुछ ऐसे ही बदलाव दबे पांव हो गए और महामारी की तकलीफों व पाबंदियों के बीच उन पर विमर्श की फुरसत समाज को नहीं मिल सकी। थोड़ी देर के लिए इजरायल चलते हैं, जो लगभग पूरी तरह कोविड-19 से मुक्त घोषित हो चुका है। वहां महामारी को लेकर पाबंदियां भी हटा ली गई हैं। अमेरिका में भी बहुत सी पाबंदियां हटा ली गई हैं और कुछ लोगों को बिना मास्क घूमने की इजाजत भी मिल गई है। जर्मनी भी इसी दिशा में बढ़ रहा है। पिछले दिनों जब हम महामारी के दूसरे चरण की विभीषिका से मुठभेड़ कर रहे थे, तब ये तीनों देश अगले किसी चरण की आशंकाओं को पूरी तरह खत्म कर चुके थे। इसका श्रेय दो कंपनियों मॉडर्ना और फाइजर की वैक्सीन को जाता है। वैसे तो दुनिया के बाजार में कोरोना-संक्रमण से बचने की वैक्सीन बहुत सारी हैं, जो सफल भी हैं और अपने-अपने तरीके से लोगों की रक्षा भी कर रही हैं, लेकिन तकनीक के मामले में इन दो वैक्सीन की जो सफलता है, उसने भविष्य के लिए बहुत सारी नई उम्मीदें दे दी हैं। संकट का समय सिर्फ विपरीत हालात से जूझने का वक्त नहीं होता, वह नई तरकीबों को आजमाने का वक्त भी होता है। यहां तक कि उन तरकीबों को भी, जिनको लेकर हमारे मन में कुछ हिचक होती है। महामारी आने से पहले एमआरएनए तकनीक विज्ञान जगत की चर्चा तक सीमित थी। एमआरएनए एक तरह का अणु होता है, जिसका काम शरीर के सूक्ष्म जगत में ऐसे संदेश पहुंचाना है, जिनसे हमारे तंत्र का सारा काम चलता है। वैज्ञानिक इसके महत्व से काफी समय से परिचित थे और वे उसे प्रयोगशाला में बनाने की तकनीक भी विकसित कर चुके थे। लेकिन इस तकनीक की संभावनाएं या तो शोधपत्रों तक सिमटी हुई थीं या प्रयोगशालाओं के भीतर सीमित थीं। इस तकनीक से भविष्य में क्या-क्या हो सकता है, इसे लेकर कभी-कभार कुछ खबरें चर्चा में आतीं, तो हम दांतों तले उंगली दबा लेते थे। कई बार विज्ञान जगत की जड़ता थोड़ी लंबी भी होती है। वैसे भी, पूरी दुनिया के स्तर पर हम अब भी ऐसा समाज हैं, जहां भारत तो छोड़िए, पश्चिम के आधुनिक देशों तक में जैव तकनीक यानी बॉयो-टेक्नोलॉजी को लेकर काफी सारी आशंकाएं बनी हुई हैं। ऐसे माहौल में वैज्ञानिकों को भी प्रयोगों को अपनी प्रयोगशाला से आगे वास्तविक संसार तक ले जाने से पहले हजार बार सोचना पड़ता है। महामारी के दबाव ने इन आग्रहों को पूरी तरह बदल दिया। अब जरूरत यह थी कि जल्द से जल्द वैक्सीन तैयार की जाए और कोविड-19 को किसी तरह से परास्त किया जाए। जल्दी की यह संभावना एमआरएनए वैक्सीन में सबसे ज्यादा थी। कुछ ही सप्ताह में वैक्सीन तैयार हुई और अच्छी बात यह रही कि सुरक्षा मानकों के साथ ही तीनों चरणों के परीक्षण में भी ये सफल रहीं। दावों पर यकीन करें, तो पूरी दुनिया में उपलब्ध बाकी सभी के मुकाबले एमआरएनए वैक्सीन ज्यादा कारगर मानी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर कोरोना वायरस अपना रूप बहुत ज्यादा बदलता है, तो इन वैक्सीन में तुरंत ही बदलाव किया जा सकता है। जबकि ऐसी स्थितियों में परंपरागत वैक्सीन को लगभग नए सिरे से ही बनाना होगा।

जम्मू-कश्मीर

बातचीत शांति और विकास के लिए

प्रतिभा मिश्रा
समीक्षक
@jagrukjanta.net

संवाद एक सतत प्रक्रिया है, इसका होना और जारी रहना ही अपने आप में सफलता है। जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास की पहल को आगे बढ़ाने के लिए नई दिल्ली में हुई बातचीत स्वागत योग्य है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद खास तौर पर घाटी में जो तल्खी दिखी, उसका समाधान संवाद से ही संभव है। घाटी के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य दिग्गज मंत्रियों, नेताओं की बातचीत पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाह है। बहुत दिनों से यह मांग उठ रही थी कि केंद्र सरकार को कश्मीरी नेताओं से बातचीत करनी चाहिए। इस मांग के प्रति केंद्र ने उदारता दिखाई है और प्रधानमंत्री की इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के आठ राजनीतिक दलों के करीब 14 नेता शामिल हुए हैं। इनमें से ज्यादातर नेता वे हैं, जिन्हें अनुच्छेद 370 हटाए जाने के दौरान नजरबंद कर दिया गया था। 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए हटाए जाने के बाद निस्संदेह यह एक बड़ी सकारात्मक राष्ट्रीय घटना है।

कश्मीरी नेताओं के साथ पीएम मोदी की यह बैठक इसलिए भी अहम है, क्योंकि इससे घाटी का राजनीतिक भविष्य तय होगा। जरूरी नहीं है कि एक ही बैठक में अमन-चैन वाले जम्मू-कश्मीर का नया रोडमैप तय हो जाए, बैठकों का दौर जारी रहना चाहिए। इसमें कोई शक की बात ही नहीं कि कश्मीरी नेताओं को नई दिल्ली में बैठी केंद्र सरकार पर भरोसा है और तभी यह महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हो रही है। अब यह केंद्र सरकार के जिम्मे है कि वह घाटी के दिग्गज नेताओं को कैसे विकास और लोकतंत्र की प्रक्रिया में व्यस्त रखती है। यह बातचीत प्रमाण है, नजरबंदी और आतंकवाद के भयानक दौर से हम निकल आए हैं। जम्मू-कश्मीर की स्थिति को बदले करीब दो साल हो चुके हैं और इस बीच कोई ऐसी बड़ी नकारात्मक घटना नहीं हुई है, जिससे लगे कि देश का यह अटूट क्षेत्र गलत दिशा में जा रहा है। कश्मीर के नेता भी अपने देश को लेकर चिंतित हैं। अलगाववाद की राह पर चलने और लोकतंत्र की धारा से अलग रहने पर उन्हें भी नुकसान है, ऐसे में, सब चाहेंगे कि घाटी में राजनीतिक प्रक्रिया फिर शुरू हो। यह बहुत अच्छी बात है कि बैठक में पहले केंद्र सरकार ने एक प्रस्तुति के माध्यम से यह बताने की कोशिश की है कि जम्मू-कश्मीर में कैसे विकास कार्य चल रहे हैं। केंद्र सरकार अगर विकास की पहल से भी घाटी के नेताओं को जोड़ सके, तो अच्छा होगा। राजनीतिक स्तर पर फिर से राज्य का दर्जा पाने के लिए तो कश्मीर के नेताओं को केंद्र सरकार के प्रति गंभीरता का प्रदर्शन करना होगा। केंद्र सरकार ने पहले भी संकेत दिए हैं कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा लौटा दिया जाएगा। अगर राज्य का दर्जा लौटाने के आग्रह के साथ घाटी के नेता नई दिल्ली आए हैं, तो उनका स्वागत है, लेकिन अगर उनकी मंशा पड़ोसी मुल्क को भी वार्ता में शामिल करने पर ज्यादा होगी, तो इससे कोई फायदा नहीं होगा। ध्यान रखना होगा कि संवाद की राह काफी समय बाद प्रशस्त हुई है, अतः इसे अगंभीर, हल्की या किसी उग्र टिप्पणी से आहत नहीं होने देना चाहिए। आने वाले समय में ऐसी बैठकों का विस्तार हो, ज्यादा से ज्यादा संबंधित दलों-पक्षों को साथ लिया जाए और शांति-विकास की पहल हो, इसी में देशहित है।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

एकादशी, अमावस्या, पूर्णिमा तथा रवि और मंगल के दिन शरीर में तेल नहीं लगाना चाहिए, किंतु माथे पर सुगंधित तेल का दोष नहीं है। द्विज को यथा संभव प्रत्येक पूर्णिमा को यज्ञोपवीत बदल लेना चाहिए। सूर्य, चन्द्र ग्रहण के बाद, मृतक के दाह संस्कार में आने के बाद तथा मृत व जन्म अशोच (सूतक) के बाद जनेऊ बदल लेनी चाहिए। द्विज को सभी कर्म शिखा बांध कर करने चाहिए। यदि शिखा नहीं हो तो मंत्र जब के पहले शिखा स्थान का स्पर्श करें। माथे पर तिलक किए बिना संध्या, पितृकर्म, देव पूजा, यज्ञ, मंत्र जब आदि न करें। चकले पर से चन्दन नहीं लगाना चाहिए। भस्म को बायें हाथ में लेकर दाहिने हाथ से लहगाना चाहिए। जप करते समय दाहिना हाथ गोमुखी मेंडालें या हाथ को वस्त्र से ढंक लें। सिर पर हाथ तथा वस्त्र नहीं रखें। माला सुमेरू को छोड़कर 108, 54 तथा 27 मणियों की उत्तम है। माला फेरते समय सुमेरू का उल्लंघन नहीं करें। पुण्य कर्म के आरंभ में आचमन अवश्य करें। ओम् केशवाय नमः ओम् नारायणाय नमः ओम् माधवाय नमः बोलकर होठों को पोंछकर ओम् हृषिकेशाय नमः बोलकर हाथ धोवें। 5. स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन प्रातःकाल टहलना, हल्का व्यायाम, आसन, प्राणायाम आदि करना चाहिए। 6. शुद्ध सात्विक पुष्टिकर भोजन करना चाहिए, जो शरीर और मन, बुद्धि के लिए हितकर रहे। 7. दिन में अपने-अपने निर्धारित कार्य के अनुसार निष्ठा, लगन, परिश्रम और ईमानदारीपूर्वक कार्य करना चाहिए। 8. रात्रि शयन के पहले अपने-अपने ईष्ट व परमात्मा का ध्यान करके चिंतारहित होकर सोना चाहिए।

क्रमशः

सीखने की बात

कोई भी कार्य करने से पूर्व एक क्षण रूकें, उसके परिणाम के बारे में सोचें, फिर प्रारम्भ करें।

- अज्ञात

आजादी की वह दूसरी लड़ाई

सुशील कुमार मोदी
राज्यसभा सदस्य
@jagrukjanta.net

समाजवादी नेता राज नारायण को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1971 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से 1 लाख 10 हजार वोटों से हराया था। उन्हीं राज नारायण ने 1977 में दुनिया की सबसे ताकतवर नेताओं में से एक श्रीमती इंदिरा गांधी को 55 हजार वोटों से हरा दिया। बगल की अमेठी सीट से उनके पुत्र संजय गांधी (जो सत्ता की संविधानेत्तर शक्तिपीठ माने जाते थे) को जनता पार्टी के एक सामान्य कार्यकर्ता रवींद्र सिंह ने 75 हजार वोटों से हरा दिया। बड़ौदा डायनामाइट केस में फंसाकर जेल में डाले गए जॉर्ज फर्नांडिस बिहार की मुजफ्फरपुर सीट से तीन लाख मतों से चुनाव जीत गए। लोगों को इन समाचारों पर भरोसा नहीं हो रहा था। क्या इंदिरा गांधी, संजय गांधी भी चुनाव हार सकते हैं? हर जुबान पर एक ही प्रश्न था। पूरे उत्तर भारत में जनता ने एकमुश्त जनता पार्टी को वोट दिया था। कांग्रेस केवल एक सीट राजस्थान और एक सीट मध्य प्रदेश में जीत पाई थी। बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल में उसका सूपड़ा साफ हो गया था। दक्षिण भारत में, जहां आपातकाल की ज्यादतियां कम थीं, कांग्रेस को कुछ सीटें मिल गईं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के मार्गदर्शन में बनी जनता पार्टी को लोकसभा में पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ। 1967 में नौ से ज्यादा राज्यों में गैर-कांग्रेसी सरकारें बनी थीं, परंतु पहली बार केंद्र में मोरारजी देसाई के नेतृत्व में गैर-कांग्रेसी सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा गांधी के चुनाव को रद्द करने के फैसले का आदर करते हुए त्यागपत्र देने के बजाय श्रीमती गांधी ने सत्ता में बने रहने के लिए बिना कैबिनेट की स्वीकृति लिए 25 जून, 1975 की आधी रात को देश में आंतरिक आपातकाल लागू कर दिया था। एक व्यक्ति के संकट को पूरे देश के संकट में बदल दिया गया था। आपातकाल में एक लाख दस हजार से ज्यादा राजनीतिक कार्यकर्ताओं को मीसा, डिफेंस ऑफ इंडिया रूल्स के तहत गिरफ्तार कर जेलों में डाल दिया गया था। छूटने का कोई ठिकाना नहीं था। कोर्ट जाने पर रोक थी। दलों के कार्यालयों पर ताला जड़ा था। धरना, प्रदर्शन, बंद पर पाबंदी लगी थी। सारी राजनीतिक गतिविधियां ठप्प पड़ी थीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। देश में पहली बार सेंसरशिप लागू हुई। अखबारों में केवल सरकारी समाचार छपते थे। पूरे देश में मरघट जैसी शांति थी। पत्रकार, न्यायाधीश, नौकरशाह, सबने घुटने टेक दिए। इंदिरा गांधी के 20 सूत्री और संजय गांधी के 5 सूत्री कार्यक्रम का बोलबाला था। आपातकाल के समर्थक नारे लगाते थे, इंदिरा तेरी सुबह की जय, तेरी शाम की जय, तेरे नाम की जय, तेरे काम की जय। इंदिरा गांधी विदेशी मीडिया में अपनी लोकतंत्र विरोधी, तानाशाह वाली छवि से परेशान थीं। चुनाव कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाब भी बन रहा था। यद्यपि उन्होंने 42वें संशोधन द्वारा संसद का कार्यकाल पांच साल से बढ़ाकर छह साल कर दिया था, फिर भी उन्हें लगा कि विपक्ष के अधिकतर शीर्ष नेताओं के जेलों में बंद रहते यदि चुनाव करा लिया जाए, तो विपक्ष को तैयारी का मौका नहीं मिलेगा और आसानी से जीत मिल जाएगी। बीमारी के कारण जेपी अर्थात जयप्रकाश नारायण पहले ही रिहा कर दिए गए थे। जेपी ने इंदिरा गांधी से मुकाबले के लिए संपूर्ण विपक्ष को एकजुट होकर लड़ने की अपील की। भारतीय जनसंघ, कांग्रेस (संगठन), भारतीय लोकदल और सोशलिस्ट पार्टी ने विलय कर जनता पार्टी का गठन कर लिया। घटनाक्रम तेजी से बदलने लगा। 3 फरवरी, 1977 को बाबू जगजीवन राम, हेमवती नंदन बहुगुणा, नंदिनी सत्पथी और दर्जनों नेताओं ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर 'कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी' का गठन कर लिया। पंडित नेहरू की बहन विजय लक्ष्मी पंडित भी जेपी के समर्थन में आ गईं। हवा बदल रही थी। विपक्ष के नेताओं की सभाओं में अप्रत्याशित भीड़ उमड़ने लगी। जेल में बंद नेताओं के प्रति जनता में सहानुभूति थी। दिल्ली स्थित रामलीला मैदान में जेपी और बाबू जगजीवन राम की रैली में भीड़ को आने से रोकने के लिए बॉक्स ऑफिस पर हिट रही फिल्म बॉबी के दूरदर्शन पर प्रदर्शन का एलान कर दिया गया। बसों का आवागमन रोक दिया गया, परंतु जनता ने बॉबी को धता बता दिया। दो लाख से भी ज्यादा लोगों ने जेपी का भाषण सुना। धीरे-धीरे वह संसदीय चुनाव जेपी बनाम इंदिरा की लड़ाई में परिवर्तित होने लगा। जेपी ने इस चुनाव को लोकतंत्र बनाम तानाशाही की लड़ाई बताया। पहले तो इंदिरा गांधी को लगा कि वह आसानी से चुनाव जीत जाएंगी। परंतु धीरे-धीरे एहसास होने लगा कि आपातकाल की ज्यादतियां, जबर्दस्ती नसबंदी व अतिक्रमण हटाने के नाम पर गरीबों के मकान उजाड़ने के विरुद्ध जनता में खूब गुस्सा है। श्रीमती गांधी के भाषणों में नरमी झलकने लगी। वह ज्यादतियों के लिए माफी मांगने लगीं। कम्युनिस्ट पार्टी जेपी आंदोलन के समय से कांग्रेस के साथ खड़ी थी। संसद के भीतर और बाहर कॉमरेड बेशर्मी के साथ आपातकाल का समर्थन कर रहे थे। सीपीएम यद्यपि आपातकाल के विरोध में थी, परंतु इसने आपातकाल विरोधी आंदोलन में कभी भाग नहीं लिया। अकाली दल का पंजाब में तथा द्रमुक का तमिलनाडु में जनता पार्टी से समझौता हो गया था। 16 से 19 मार्च के बीच चार चरणों में चुनाव हुए थे। 1971 में 341 सीटें जीतने वाली कांग्रेस 153 सीटों पर सिमट गई। जनता पार्टी 270 सीट, कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी 28 सीट, सीपीएम को 22 सीटें प्राप्त हुई थीं। जनता ने इंदिरा गांधी से बदला ले लिया था। देर रात कैबिनेट की बैठक में आपातकाल हटाने का निर्णय किया गया। आपातकाल एक ऐसा क्रूर सत्य था, जिसे याद करके आज भी सिहरन पैदा हो जाती है। हजारों राजनीतिक बंदियों का परिवार बिखर गया। बड़ी संख्या में लोगों की जेलों में ही मृत्यु हो गई। 1977 के चुनाव परिणाम के बाद अब देश में कोई तानाशाह नहीं पनप सकता। कोई प्रेस पर पाबंदी लगाने की हिम्मत नहीं कर सकता। निरीह समझे जाने वाली जनता ने अपना फैसला सुना दिया। लोकतंत्र जनता के दिलो-दिमाग में बसा है। यदि वहां इसका अंत हो गया, तो न संविधान और न ही कोई न्यायाधीश उसे बचा पाएगा। जेपी ने इसे आजादी की दूसरी लड़ाई की संज्ञा दी थी। अंततः तानाशाही पर लोकतंत्र की जीत हुई और भारत की जनता को वोट की ताकत का पहला एहसास हुआ।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जागरूक Selfie विद डॉटर

नेहल शर्मा डॉटर डॉ. मिनाक्षी शर्मा, जोधपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 30 जून, 2021

सूर्योदय : 05:48 **सूर्यास्त :** 18:50 **चन्द्रोदय :** 23:42 **चन्द्रास्त :** 11:00 **शक सम्वत :** 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** ज्येष्ठ **पूर्णिमांत :** आषाढ़ा **सूर्य राशि :** मिथुन **चन्द्र राशि :** कुम्भ **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** षष्ठी, 13:23 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1943 प्लव **चन्द्रमास :** आषाढ़ - पूर्णिमान्त **गुजराती सम्वत :** 2077 परिधावी **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **द्रिक ऋतुः** वर्षा ऋतु

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्वभाद्रपदा, 25:56 तक
प्रथम करण : वणिजा, 13:23 तक
योग : आयुष्मान, 11:15 तक
द्वितिय करण : विष्टि, 25:37 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:06 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:26 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:44 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:09 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:23 पी एम से
अमृत काल	05:43 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:05 ए एम, जुलाई 01 से
रवि योग	05:26 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास : दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : गुरू
चन्द्र वास : पश्चिम में

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:48 - 07:25	उद्वेग : 18:49 - 20:12
अमृत	: 07:25 - 09:03	शुभ : 20:12 - 21:34
काल काल वेला	: 09:03 - 10:41	अमृत : 21:34 - 22:56
शुभ	: 10:41 - 12:19	चार : 22:56 - 00:19
रोग वार वेला	: 12:19 - 13:56	रोग : 00:19 - 01:41
उद्वेग	: 13:56 - 15:34	काल : 01:41 - 03:03
चार	: 15:34 - 17:12	लाभ : 03:03 - 04:26
लाभ	: 17:12 - 18:50	उद्वेग : 04:26 - 05:48

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज षष्ठी

आज कौन सा कार्य करें

यात्रा, पितृ कर्म, मंगल कार्य, संग्राम, शिल्प, वास्तु, भूषण के लिए शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आषाढ़, कृष्ण, षष्ठी, 2078 बुधवार, 30 जून - 6 जुलाई, 2021

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। नया कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय भावना में बहकर न करें।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
पार्टी व पिकनिक का कार्य म बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। व्यापार में मनोनुकूल लाभ होगा।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। नए मित्र बनेंगे।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन सहायता प्राप्त होगी।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्ट्री इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद को बढ़ावा न दें।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग कार्य में आसानी देगा।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

निकायों में एक से अधिक नगर मित्र लगाए जाएंगे- धारीवाल

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021 के दौरान नागरिकों को आवेदन प्रक्रिया में डॉक्यूमेंटेशन आदि में सहयोग के लिए प्रत्येक नगरीय निकाय में एक से अधिक नगर-मित्र नियुक्त किए जाएंगे। यह जानकारी यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021 की तैयारियों के मद्देनजर कोटा एवं उदयपुर संभाग की 44 नगरीय निकायों, 03 नगर विकास न्यासों की कार्यशाला के दौरान दी। धारीवाल ने कहा कि इस अभियान में सभी कार्य आनलाइन किए जाएंगे। उन्होंनें कहा कि इस बार 10 लाख से अधिक पट्टे दिए जाएंगे।

पोकरण में सोलर प्लांट के लिए 6 हजार बीघे में से 1500 बीघा का अलॉटमेंट कैंसिल, बाकी जमीन का सरकार को रिव्यू करने के निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मंगलवार को अडानी रिन्यूएबल एनर्जी के सोलर प्लांट के लिए आवंटित जमीन के मामले में फैसला सुनाया। इसमें पोकरण तहसील के नैदान गांव में 6115.6 बीघा में से 1500 बीघा जमीन के अलॉटमेंट को कैंसिल कर दिया। साथ ही, सरकार को 4500 बीघा के रिव्यू का निर्देश दिया गया है। जस्टिस संगीत लोढा व जस्टिस रामेश्वर लोढा की खंडपीठ ने ये आदेश अपीलकर्ता बरकत खान व 23 अन्य की ओर से दायर याचिका पर दिए।

यूटिलिटी लैंड का अलॉटमेंट रद्द

अपीलकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता मोती सिंह राजपुरोहित ने बताया कि 1500 बीघा पब्लिक यूटिलिटी की लैंड थी। इसका अलॉटमेंट कैंसिल किया गया है। सरकार को कहा गया है कि जो भी वहां रह रहे हैं, उनकी ढाणियों और जमीन तक रास्ते की व्यवस्था किए बिना कोई भी किसी प्रकार का आलॉटमेंट बहाल न करें। आगे निर्देश दिए गए कि पूरे क्षेत्र का डिटेल सर्वे किया जाए। वहां के लोगों की व्यवस्था को देखा जाएगा। उसके बाद वहां कोई जमीन रहती है तो डिटेल रिव्यू कर अलॉट किया जाए। अलॉट सरकारी जमीन में से ढाणियों के रास्तों के लिए डिटेल सर्वे हो।

जो भी वहां रह रहे हैं, उनकी जमीन तक रास्ते की व्यवस्था किए बिना कोई भी किसी प्रकार का आलॉटमेंट बहाल न करें।
राजस्थान हाईकोर्ट

जनवरी से आदेश था सुरक्षित

8 सितंबर 2020 को सरकारी वकील एएजी (एडिश्नल एडवोकेट जनरल) रेखा बोराणा ने कुछ समय बहस करने के बाद सरकार से अपने इंस्ट्रक्शन पूरे करने के लिए 2 सप्ताह का समय दिए जाने की मांग की थी। इस पर खंडपीठ ने विवादित जमीन पर एएजी बोराणा की ओर से अंडरटेकिंग दिए जाने के बाद यथास्थिति रखने के आदेश जारी किए थे। साथ ही सुनवाई की अगली तिथि 29 सितंबर 2020 तय की थी। अक्टूबर से जनवरी के बीच कई बार सुनवाई हुई। इस मामले में जनवरी से आदेश सुरक्षित था।

इसलिए दायर की अपील

राजपुरोहित ने कहा- जैसलमेर कलेक्टर ने 11 जनवरी 2018 को अडानी रिन्यूएबल एनर्जी को सोलर पावर एनर्जी प्लांट की स्थापना के लिए 6115.6 बीघा जमीन दी थी। यह जमीन पोकरण तहसील के नेदन गांव का है। अपीलकर्ताओं ने डीएम के आदेश को हाईकोर्ट की एकलपीठ में चुनौती दी। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने 27 नवंबर 2019 को अपील को खारिज कर दिया। इस आदेश के खिलाफ अपीलकर्ता हाईकोर्ट की खंडपीठ में गए। इसके बाद पक्ष में फैसला आया है। सुनवाई में अन्य प्रार्थीगण की ओर से कुलदीप माथुर, धीरेन्द्र सिंह सोडा, श्रेयांस मरडिया व विपुल धारणिया ने पैरवी की।

बस्सी आरओबी : प्रोजेक्ट को मिली गति

सितंबर में आरओबी से दौड़ेगा ट्रैफिक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बस्सी आरओबी की सौगात जनता को सितंबर में मिलेगी। सितंबर में आरओबी को ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा। बस्सी आरओबी के रेलवे भाग पर स्टील गर्डर की लॉंचिंग का काम शनिवार को पूरा कर लिया गया है। अब इस प्रोजेक्ट को गति मिलेगी। जेडीए आयुक्त गौरव गोयल ने बताया कि लॉकडाउन से पहले बस्सी आरओबी के वायाडक्ट और दोनो ओर के एप्रोच कार्य पूर्ण कर लिए गए है। रेलवे से आवश्यक अनुमति प्राप्त होने के बाद लॉकडाउन का असर कम होते ही बस्सी आरओबी के रेलवे भाग पर स्टील गर्डर की लॉंचिंग का कार्य शुरू किया गया और यह काम तीन दिन में पूरा कर लिया गया है। आरओबी के रेलवे क्षेत्र में शेष बचे कार्यो पीएससी गर्डर का कार्य शुरू किया जाएगा, जिसे पूर्ण कर सितम्बर माह तक आमजन के लिए ट्रैफिक के लिए खोले जाने का लक्ष्य रखा गया है। जेडीए आयुक्त ने बताया कि दांतली 6 लेन आरओबी, सीतापुरा 6 लेन आरओबी एवं जाहोता चार लेन आरओबी जनता को समर्पित किए जा चुके है। सोढाला एलिवेटेड रोड, झोटवाडा एलिवेटेड रोड एवं सिविल लाईन फाटक आरओबी के कार्य को भी गति दी जा रही है, जिन्हें भी निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पूर्ण कर शीघ्र जनता को समर्पित किए जाएंगे।

कांग्रेस का महंगाई को लेकर मोदी पर हल्ला बोल, सात जुलाई से धरने प्रदर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। देश में बढ़ती महंगाई, पेट्रोल और डीजल के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस पार्टी अब पूरे देश में आंदोलन चलाएगी। इसके जरिए मोदी सरकार पर हमला बोला जाएगा कि इसके कार्यकाल में आमजन का जीना मुहाल हो गया है। कांग्रेस की ओर से अगले महीने जुलाई के पहले सप्ताह से इसकी शुरुआत कर दी जाएगी और दस दिन तक आंदोलन किया जाएगा। इसके तहत धरने–प्रदर्शन के साथ ही सोशल मीडिया पर भी कैंपेन शुरू किया जाएगा।

7 जुलाई से आंदोलन की शुरूआत

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को इस बारे में एक परिपत्र भेजा गया है। इस परिपत्र में कहा गया हैं कि वे सात जुलाई से 17 जुलाई तक अपने अपने प्रदेशों के जिलों में आंदोलन की तैयारियां करें। इसके तहत जिला कांग्रेस कमेटियों को अपने अपने जिलों में धरने प्रदर्शन करने होंगे। इसमें लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़े नेता, विधायक, सांसद सहित अन्य जन प्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और अन्य नेता शामिल होंगे। इन कार्यक्रमों में कोविड गाइडलाइन की पालना की जानी चाहिए।

जिलों में दिए निर्देश

पार्टी की ओर से सभी जिला कांग्रेस कमेटियों, प्रदेश के जिला प्रभारियों को इस बारे में निर्देश दे दिए गए है वे आमजन के बीच जाकर मोदी सरकार की महंगाई विरोधी नीतियों को बताएं कि छह साल में देश में महंगाई, बेरोजगारी को लेकर बुरी स्थिति बन गई है। पेट्रोल और डीजल के दामों में बेतहाशा बढोत्तरी की जा रही है। इनके दाम प्रतिदिन बढाए जा रहे है जिससे सभी वस्तुओं के दामों आसमान छू रहे है और लोगों का जीना बेहाल हो गया है। कोरोना के चलते पहले से ही लोगों की आर्थिक स्थिति खराब है और इसके बाद भी मोदी सरकार लोगों को राहत देने के बजाय उनसे वसूली में लगी हुई है। कांग्रेस ने 11 जून को भी सभी जिलों में आंदोलन किया था। इसमें जयपुर में अजमेर रोड पर धरना दिया था।

परीक्षा के लिए लेट फीस के साथ 5 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विश्वविद्यालय और उससे सम्बद्ध कॉलेजों में यूजी और पीजी परीक्षाओं के ऐसे स्टूडेंट्स जो परीक्षा के लिए आवेदन नहीं कर सके थे वह 5 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि विद्यार्थी परीक्षा शुल्क के बराबर लेट फीस के साथ आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में दिशा निर्देश विश्वविद्यालय की वेबसाइट WWW.uniraj.ac.in पर उपलब्ध है।

देना होगी परीक्षा शुल्क के बराबर लेट फीस

प्रायोगिक प्रशिक्षण के लिए कर सकेंगे 7 जुलाई तक आवेदन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विश्वविद्यालय के स्नातक (कला, विज्ञान पासकोर्स और एडिशनल) और स्नातकोत्तर भूगोल परीक्षा 2021 के लिए जिन प्राइवेट परीक्षाओं ने प्रायोगिक परीक्षाओं का चयन किया है उन्हें विश्वविद्यालय प्रशासन प्रायोगिक प्रशिक्षण देगा। प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थी 7 जुलाई के दौरान आवेदन कर सकेंगे। इन प्राइवेट परीक्षार्थियों को प्रायोगिक परीक्षण के लिए निर्धारित महाविद्यालय का चयन और परीक्षा शुल्क ऑनलाइन वेबसाइट पर उपलब्ध रजिस्ट्रेशन फॉर प्रेक्टिकल ट्रेनिंग पर निर्धारित तिथि तक करना होगा। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि प्रायोगिक विषय लेने वाले इस श्रेणी के हर छात्र को चयनित प्रायोगिक विषय में प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है।

विद्यालय क्रमोन्नत की लेकर ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। भुसावर उपखंड के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 स्थित ऊलूपुरा गांव वासियों द्वारा विद्यालय क्रमोन्नत की मांग को लेकर विद्यालय पर धरना प्रदर्शन किया मौके पर पहुंचे उपखंड अधिकारी मुनि देव यादव को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। विनोद कुमार मदनलाल प्रकाश चंद धर्मेश कुमार बहादुर सिंह मनीष कुमार रामजीत रामजीलाल सहित 2 दर्जन से अधिक व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर युक्त उपखंड अधिकारी को सौपे गए ज्ञापन में गांव से तीन-चार किलोमीटर दूर विद्यालय होने छात्र छात्राओं को वहां तक पैदल जाने की समस्या से अवगत कराते हुए क्षेत्र के समस्त विद्यालयों से अधिक छात्र संख्या होने जैसी बातें बताई गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में गांव में उच्च प्राथमिक विद्यालय है जिससे माध्यमिक विद्यालय कराए जाने की मांग की जा रही है शिक्षा पर सभी का अधिकार है सभी लोग चाहते हैं की उनके बच्चे पढ़ें। ग्रामीणों का कहना है कि एक और राज्य सरकार बालिका शिक्षा को बढ़ावा दे रही है दूसरी ओर हमारे गांव में विद्यालय क्रमोन्नत नहीं का हमारे गांव की बालिकाओं के साथ शिक्षा के क्षेत्र में अन्याय कर रही है।

प्रमुख शासन सचिव ने दिए निर्देश

केवीएसएस और जीएसएस में खाद बिक्री पीओएस मशीन से करें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव सहकारिता भास्कर ए सावंत ने जीएसएस और केवीएसएस के माध्यम से होने वाले उर्वरक की बिक्री पीओएस मशीन के माध्यम से करने के निर्देश दिए हैं जिससे उनके स्टॉक की वास्तविक स्थिति राज्य और केंद्र सरकार को मिलती रहे। सावंत का कहना है कि कई बार खाद बेची जाती है लेकिन लेनदेन पीओएस मशीन पर नहीं दिखाया जाता। ऐसे में खाद के सही स्टॉक की जानकारी नहीं मिलती और उर्वरक विभाग राज्य को कम मात्रा में खाद आवंटित करता है। जिससे डीएपी खाद की कमी होती है जिसका नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि जीएसएस और केवीएसएस खाद की बिक्री पीओएस मशीन के माध्यम से ही करें। ऐसा करने से खाद की कमी नहीं होगी। सावंत ने बताया कि राज्य में 6700 से अधिक ग्राम सेवा सहकारी समितियां और 260 से अधिक क्रय विक्रय सहकारी समितियां कार्यरत हैं, इनमें से करीब 3600 ग्राम सेवा सहकारी समितियां और क्रय विक्रय सहकारी समितियां अपने सदस्य किसानों को डीएपी, यूरिया, एसएसपी, एनपीके और नाइट्रोफॉस खाद बिक्री की सुविधा उपलब्ध कराती हैं। राज्य में हर साल करीब 32 लाख टन उर्वरक की बिक्री होती है। इसमें से 10 लाख टन उर्वरक ग्राम सेवा सहकारी समिति और क्रय विक्रय सहकारी समिति के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराया जाता है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

परीक्षा परिणाम जारी करने के कैलेंडर में होगा बदलाव

12वीं बोर्ड 31 जुलाई और 10वीं का 7 अगस्त तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परिणाम जारी करने के केलेंडर में बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद बोर्ड को अब 7 दिन जल्दी यानी 31 जुलाई तक परिणाम जारी करना होगा। कोर्ट ने सभी बोर्डो को 31 जुलाई तक 12वीं का परिणाम जारी करने के निर्देश दिए हैं।

बोर्ड को सरकार ने 23 जून को कहा था कि 45 दिन में परिणाम जारी किया जाए। इसके आधार पर उसे 7 अगस्त तक परिणाम जारी करना था। कोर्ट के निर्देश के बाद बोर्ड को अब 31 जुलाई तक 12वीं का परिणाम जारी करना होगा। दसवीं का परिणाम अगस्त के पहले सप्ताह में 7 अगस्त तक जारी किया जा सकता है। शिक्षामंत्री गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है कि कोर्ट के निर्देशों का अध्ययन कर तय समय सीमा में परिणाम जारी करवा दिया जाएगा।

133 सरकारी स्कूल क्रमोन्नत

69 राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों को किया माध्यमिक में क्रमोन्नत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

64 माध्यमिक स्कूलों को उच्च माध्यमिक विद्यालयों में किया क्रमोन्नत

जयपुर। राज्य सरकार ने प्रदेश के 69 राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों को माध्यमिक और 64 माध्यमिक स्कूलों को उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत किया गया है। शिक्षामंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने इन स्कूलों की सूची जारी कर। जिन राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूलों को माध्यमिक में क्रमोन्नत किया गया है, उसमें उदयपुर, बूंदी, चित्तौडगढ़, झुंझुनू, करौली, गजैसलमेर, सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर के एक-एक, जयपुर, दौसा, बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा, पाली के दो-दो, अजमेर, अलवर, भीलवाड़ा, नागौर, हनुमानगढ़ के तीन-तीन, राजसमंद, बाड़मेर के चार, चूरू, सीकर के पांच-पांच, जोधपुर में तेरह स्कूल शामिल हैं। इसी प्रकार जिन 64 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को माध्यमिक विद्यालयों में ऋमोन्नत किया गया है उसमें श्रीगंगानगर, बूंदी, जयपुर, बाड़मेर, करौली,पाली, टोंक और जैसलमेर के एक-एक, अजमेर,चूरू के चार-चार, चित्तौडगढ़,अलवर के दो-दो, बाड़मेर, दौसा, हनुमानगढ़, भीलवाड़ा, झुंझुनू, नागौर के तीन-तीन, बीकानेर, सीकर के पांच-पांच, जोधपुर के 14 शामिल हैं।

जनआधार कार्ड से मिलेंगे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभ

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव ने दिए निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सभी लाभ जन-आधार कार्ड के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए प्रथम चरण में पायलट प्रोजेक्ट के तहत एक जुलाई से 10 लाख एनएफएसए राशन कार्डधारी परिवारों के सदस्यों का जन-आधार कार्ड से सीडिंग का कार्य किया जाएगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं आयोजना विभाग के शासन सचिव नवीन जैन शनिवार को शासन सचिवालय में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के रसद और आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने बताया कि राशन कार्डधारी परिवारों के लगभग 82 प्रतिशत सदस्यों की सीडिंग हो चुकी है। बाकी के 18 प्रतिशत सदस्यों के राशन कार्ड के डेटाबेस का, जन आधार के डेटाबेस से 'केवाईसी' के द्वारा सीडिंग का कार्य चरणबद्ध रूप से होगा।

सदस्यों का केवाईसी होगा

जैन ने बताया कि जिन एनएफएसए राशन कार्डधारी परिवारों के सदस्यों का जन-आधार कार्ड से सीडिंग नहीं है, उनके केवाईसी के तहत आधार कार्ड लिए जाएंगे। वहीं ऐसे परिवारों के सदस्यों की नामांकन एवं सीडिंग जन आधार में हो जाने से राज्य की मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ भी इन सदस्यों को मिलना प्रारम्भ शुरू होगा।

प्रथम चरण में 95 ब्लॉकों में किया जाएगा कार्य

जैन ने बताया कि प्रथम चरण में 59 ग्रामीण एवं 36 शहरी सहित 95 ब्लॉकों में राशन डीलरों द्वारा संबंधित परिवारों से निर्धारित प्रपत्र में सूचनाएं भरवाई जाएंगी। राशन डीलर से भरे हुए प्रपत्रों को संबंधित ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी के माध्यम से संबंधित ई-मित्रों को उपलब्ध करवाया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त खाद्य आयुक्त अनिल अग्रवाल, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के निदेशक डॉ. ओपी बेरवा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विवेकानंद मॉडल स्कूलों में पहले ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलेगी प्राथमिकता

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार ने स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों की एडमिशन पॉलिसी में थोड़ा बदलाव किया है। अब इन मॉडल स्कूलों में संबंधित ब्लॉक के स्टूडेंट्स के बाद ग्रामीण क्षेत्र के स्टूडेंट्स को एडमिशन देने में प्राथमिकता दी जाएगी उसके बाद अगर इन स्कूलों में सीट खाली रहेगी तो ही शहरी क्षेत्र के स्टूडेंट्स को एडमिशन मिल सकेगा। गौरतलब है कि पहले स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों में केवल संबंधित ब्लॉक क्षेत्र के स्टूडेंट्स को ही एडमिशन देने की नीति थी जिसे शिक्षण सत्र 2021-22 से बदलते हुए ब्लॉक क्षेत्र के बाद ग्रामीण क्षेत्र के स्टूडेंट्स को प्रवेश में प्राथमिकता देने और फिर भी अगर सीट खाली रहने पर इसके बाद सीट खाली रहे तो ही शहरी क्षेत्र के स्टूडेंट्स को एडमिशन देने निर्देश दिए गए हैं। इस बारे में शिक्षा सचिव के आदेशों के बाद राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने सभी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों को उनके जिले में स्थित मॉडल स्कूलों में शिक्षण सत्र 2021-22 में निर्देशानुसार एडमिशन देने को कहा है। इन स्कूलों में कक्षा छह, नौ और ग्यारहवीं में एडमिशन दिए जाते हैं।

वन्यजीव गणना स्थगित

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में शुरू होने वाली वन्यजीवों की गणना को एक बार फिर स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय पिछले दिनों प्रदेश के कई हिस्सों में हुई बारिश से बाद हुए जलभराव को देखते हुए लिया गया है। अब वन विभाग कैमरा ट्रेप, लाइन ट्रान्जिट, साइन सर्वे से वन्यजीवों का आंकलन करने का प्रयास करेगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षण और मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक मोहन लाल मीणा ने बताया कि प्रदेश में वन्यजीवों की गणना के लिए 24 जून का दिन निर्धारित किया गया था लेकिन हाल ही में सभी संभागीय मुख्य वन संरक्षकों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जानकारी सामने आई थी कि लगभग सभी जगह बरसात के कारण वॉटर बॉडीज में काफी पानी भर चुका है। यहां तक कि मरुस्थलीय इलाकों में भी पानी भर गया ऐसे में वॉटरहोल के जरिए वन्यजीवों की गणना करना संभव नहीं होगा। ऐसे में विभाग ने वन्यजीव गणना को स्थगित करने का निर्णय लिया है। मीणा ने कहा कि सभी मुख्य वन संरक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह प्रदेश में टाइगर रिजर्व की तरह अन्य तकनीक जैसे कैमरा ट्रेप, लाइन ट्रान्जिट, साइन सर्वे से वन्यजीवों के संबंध में आंकलन करें जिससे मानसून के बाद वन्यजीवों की गणना के संबंध में विचार किया जा सके। गौरतलब है कि राज्य में वन्यजीव गणना बुद्ध पूर्णिमा पर होनी थी लेकिन अरब सागर में उठे तौकते तूफान के कारण प्रदेश में बारिश हुई जिससे जलस्त्रोत भर गए थे, ऐसे में वन विभाग को वन्यजीव गणना को स्थगित करना पड़ा और इसे 24 जून को करवाए जाने का निर्णय लेना पड़ा लेकिन एक बार फिर वही स्थिति पैदा हो गई और फिर से वन्यजीव गणना को स्थगित करना पड़ा।

ANCHOR **तीसरी लहर की आशंका के बीच चुनाव की तैयारी**

जयपुर जिला परिषद के 51 में 13 सामान्य वार्ड, बस्सी पंचायत समिति में 7 व पावटा के 6 वार्डों पर पुरुष-महिला कर सकते हैं दावेदारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में कोरोना संक्रमण की रफ्तार भले ही कम हुई है, पर तीसरी लहर का खतरा अब भी बरकरार है। इसके बावजूद सरकार पंचायत चुनावों की कवायद में जुट गई है। जयपुर में जिला परिषद के सभी 51 वार्डो के अलावा पंचायत समिति बस्सी के 27 और पावटा के 23 वार्डो की आरक्षण लॉटरी निकाली गई। जिला निर्वाचन अधिकारी जयपुर की मौजूदगी में निकाली गई इस लॉटरी में जिला परिषद में 13, बस्सी पंचायत समिति 7 और पावटा पंचायत समिति में 6 वार्ड सामान्य रहे हैं। इन वार्डों में किसी भी वर्ग का व्यक्ति उम्मीदवारी पेश कर सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी अंतर सिंह नेहरा की मॉनिटरिंग में जयपुर जिला कलेक्ट्रेट में ये लॉटरी निकाली गई। लॉटरी में चौंमू विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामलाल शर्मा और जमवारामगढ़ क्षेत्र के विधायक गोपाल मीणा के अलावा किसी भी क्षेत्र के विधायक वहां नहीं पहुंचे। वहीं इन पंचायत समितियों व कुछ अन्य जगहों से स्थानीय राजनेता भी इस दौरान मौजूद रहे। लॉटरी के साथ ही अब इन वार्ड क्षेत्रों में उम्मीदवार अपनी-अपनी दावेदारी जताना शुरू कर देंगे। जिला निर्वाचन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, जिला परिषद जयपुर के 51 में से 13 वार्ड सामान्य हैं। वहीं, 13 वार्ड सामान्य (महिला), 5 वार्ड अनुसूचित जाति (SC), 4 SC (महिला), अनुसूचित जनजाति (ST) के 6 वार्डों में से 3 ST महिला और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के 10 में से 5 महिला OBC के लिए आरक्षित किए गए हैं। इसी तरह बस्सी पंचायत समिति की लॉटरी में 27 में से केवल 7 वार्ड सामान्य, 7 सामान्य (महिला), एक OBC, ST के लिए आरक्षित 6 वार्डों में से 3 ST महिला के लिए और 6 SC के लिए आरक्षित वार्डों में से 3 SC महिला के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इसके अलावा पावटा पंचायत समिति के 23 वार्डों में से 6 सामान्य, 7 सामान्य (महिला), 5 OBC में से 2 महिलाओं के लिए, ST के लिए आरक्षित 2 वार्डों में से 1 महिला के लिए और 3 SC के लिए आरक्षित वार्डों में से 1 SC महिला के लिए रिजर्व रखे गए हैं।

जागरूक खबरें

एकीकृत ब्राह्मण महासंघ की महिला प्रकोष्ठ की नीलम गौड़ बनी जिलाध्यक्ष

जयपुर @ जागरूक जनता। एकीकृत ब्राह्मण महासंघ की कार्यकारिणी में निर्णय लेते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक पांडेय ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामचरण शर्मा (निवासी जयपुर) की सहमति से वरिष्ठ समाजसेवी नीलम गौड़ को राज्य संगठन में जयपुर जिले की महिला जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। रामचन्द्र शर्मा ने उनको बधाई देते हुए कहा कि वह जिलेभर में समाज की महिलाओं की आवाज बनकर समाज में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व और उनके सम्मान के हक की लड़ाई लडने और न्याय दिलाने का काम करेंगी। नीलम गौड़ के जिलाध्यक्ष बनने के बाद उनको सैकड़ों लोगों ने फोन कर बधाई दी। नीलम गौड़ इससे पहले भी ब्राह्मण समाज में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुकी है।

1106 यूनिट के साथ मनाई आनंदपाल सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन जयपुर राजधानी जयपुर में आनंदपाल सिंह सांवराद की चतुर्थी पुण्यतिथि पर श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान एवं श्री भवाल माताजी सेवा संस्थान द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन निवारू रोड यज्ञ पैराडाइज में किया गया शिवर आयोजक अमर सिंह हाथोंज एवं पृथ्वी सिंह राठौड़ ने बताया कि शिवर की तैयारी समय रहते हुए भी कुल 1106 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में सेवा संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष रणजीत सिंह सोडाला आसींद विधायक जबर सिंह सांखला जोधपुर शहर विधायक मनीषा पवार विद्याधर नगर प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी पार्षद रेखा राठौड़ मोहन सिंह हाथोज ओम सिंह राठौड़ दुर्ग सिंह खींवसर करण राठौड़ महिपाल सिंह हरनावा धनराज सिंह पड़ासोली सतेंद्र सिंह दशरथ सिंह एवं आनंदपाल सिंह की पुत्री योगिता सांवराद ने शिकरथ की शिविर में मानव सेवा, रामपाल एवं गुरुकुल ब्लड बैंक ने सेवाएं दी शिविर आयोजक पृथ्वी सिंह राठौर ने युवाओं को नियमित रक्तदान करने एवं कोविड गाइडलाइन की पालना करने के लिए प्रेरित किया। वही अमर सिंह हाथोज ओम सिंह आकोडिया ने बताया कि संस्था द्वारा जल्द ही युवाओं के लिए वैक्सीन कैंप का आयोजन किया जाएगा शिविर में आए हुए सभी गणमान्य अतिथियों ने आयोजक मंडल मुक्त कंठ से प्रशंसा की एवं कोरोना के चलते रक्त की कमी को पूरा करने के लिए रक्तदाताओं प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया ।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री पहुंचे बस्सी वन्यजीव अभयारण्य

घर-घर औषधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री सुखराम विश्नोई बस्सी वन्यजीव अभयारण्य पहुंचे। मंत्री विश्नोई का स्वागत उप वन संरक्षक वन्यजीव डॉ. टी. मोहन राज एवं उप वन संरक्षक सुगना राम जाट द्वारा वन नाका मेघपुरा पर किया गया। वन्यजीव अभ्यारण बस्सी में मंत्री द्वारा बड़ के पौधे का पौधारोपण किया गया। पौधारोपण के बाद वन्यजीव अभ्यारण का भ्रमण व निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएफओ डॉ. टी. मोहन राज, डीएफओ सुगनाराम जाट एवं रेंज ऑफिसर बस्सी नरेन्द्र विश्नोई उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान मंत्री द्वारा वन एवं वन्यजीवों के प्रबंध हेतु दिशा निर्देश प्रदान किए गए। प्रातः मेघपुरा रेस्ट हाऊस से मंत्री विश्नोई प्रस्थान कर पौधशाला हथनीओदी (सेमलपुरा) पहुँचे। यहां पर रेंज ऑफिसर भगवतीलाल त्रिपाठी द्वारा मय स्टाफ स्वागत किया गया। मंत्री विश्नोई द्वारा पौधशाला का निरीक्षण किया गया तथा पीपल, गिलोय व तुलसी के पौधों का पौधारोपण किया गया। पौधशाला में घर-घर औषधि योजना अंतर्गत तैयार किए जा रहे पौधों गिलोय, तुलसी, अश्वगंधा एवं कालमेघ के संबंध में समीक्षा की तथा इस योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार एवं जन मानस को योजना से जोड़ने हेतु निर्देशित किया गया। घर-घर औषधि योजना में तैयार पौधों के वितरण को प्रभावी तरीके से सम्पादित करने के लिए कहा।

साहिल प्रदेश प्रवक्ता के पद पर नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। आप समाजसेवा में विगत कई वर्षों से सक्रिय हैं तथा समाजसेवा में कई कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती आ रही हैं, आपकी समाज सेवा में गहरी अभिरूचि है । आपकी सक्रियता को देखते हुए आपको राजस्थान युवा संगठन, प्रदेश प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया जाता है। आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप संगठन के सभी कार्यक्रमों में सक्रियता से भाग लेती रहे और संगठनको आगे बढ़ाने एवं संगठित करने के लिये तन मन धन से सहयोग करेंगी। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष रवि शर्मा सांगानेर के निर्देशानुसार प्रदेश महामंत्री अनुराधा शर्मा ने की।

पदनाम परिवर्तन गजट नोटिफिकेशन के लिए मुख्य सचिव से मुलाकात

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन ने प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम के नेतृत्व में नर्सेज के पद नाम परिवर्तन का गजट नोटिफिकेशन जारी करने की मांग को लेकर मुख्य सचिव निरंजन आर्य से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। नर्सेज संघर्ष समिति अध्यक्ष सोम सिंह मीणा ने बताया कि 12 मई 2021 को अन्तरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस पर नर्स ग्रेड द्वितीय को नर्सिंग ऑफिसर एवं नर्स ग्रेड प्रथम को सीनियर नर्सिंग ऑफिसर नर्सेज पदनाम परिवर्तन का फैसला कैबिनेट में लिया गया था। मुख्य सचिव से मुलाकात में जिला अध्यक्ष बालकृष्ण शर्मा एवं संयोजक मनोज दुब्बी मौजूद रहे।

डॉ. सूरज प्रकाश की 101 वी जयंती मनाई

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत विकास परिषद् मानसरोवर शाखा ने 27 जून को भारत विकास परिषद के संस्थापक स्वर्गीय डॉक्टर सूरज प्रकाश की जयंती के उपलक्ष में ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत हरिशंकर गोयल राजस्थान प्रशासनिक अधिकारी ने आजाद भारत से लेकर परिषद की स्थापना सहित डॉक्टर सूरज प्रकाश के जीवन से जुड़ी कई जानकारी से अवगत कराया। प्रांतीय मीडिया प्रमुख नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि महिला प्रमुख सीमा मल्होत्रा के साथ उनके 9 वर्षीय बेटे जयआदित्य के साथ उनके परिजनो ने देशभक्ति गीत की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद के सिद्धांत और स्वर्गीय डॉक्टर सूरज प्रकाश से संबंधित फोटो चित्रों से उनका जीवन चित्रण प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व शाखा अध्यक्ष रामगोपाल सिंघल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। प्रांतीय संपर्क प्रमुख श्रीचंद चोटिया के मार्गदर्शन में शाखा सचिव लोकेश बंसल ने कार्यक्रम संचालन और धन्यवाद ज्ञापित किया ।

जोधपुर एशिया के टॉप-10 में शामिल

ब्ल्यूसिटी की गलियों में घूमना तीसरा सबसे बेहतरीन अनुभव

ट्रिप एडवाइजर ने पाठकों के फीडबैक पर बनाई लिस्ट, भारत से जोधपुर के अलावा दिल्ली का पांचवां स्थान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

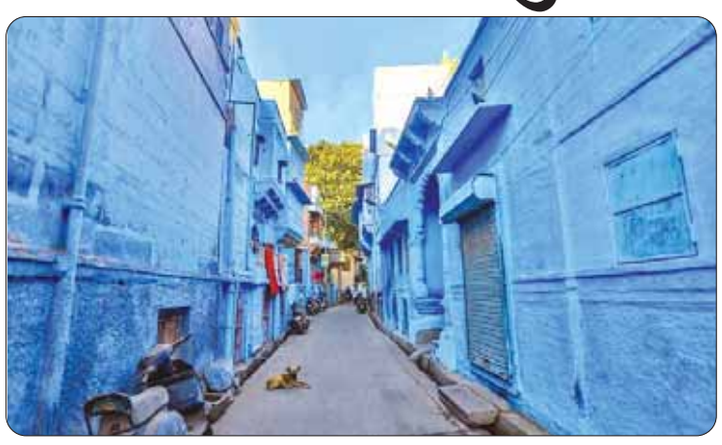

जोधपुर। विदेशों एवं सैलानियों में ब्ल्यू सिटी के नाम से प्रसिद्ध जोधपुर ने पर्यटन के क्षेत्र में फिर बड़ी पहचान बनाई है। टूर, ट्रेवल्स के लोकप्रिय ब्लॉग ट्रिप एडवाइजर ने पाठकों से मिले फीडबैक के आधार पर वर्ष 2021 में एशिया के टॉप-10 अनुभवों की सूची बनाई है। इसमें जोधपुर के ब्ल्यू सिटी को तीसरा स्थान मिला है। भारत से इसके अलावा केवल दिल्ली इस सूची में पांचवे स्थान पर है। इन स्थानों पर घूमने के अनुभव को पर्यटकों के लिए बेहतरीन बताया गया है। ऐसे में इस वर्ष लोग घूमने के लिए इन शहरों का चयन कर सकते हैं।

250 करोड़ आय, 3 हजार रोजगार

विदेशी सैलानियों में जोधपुर ब्ल्यू सिटी के नाम से ही जाना जाता है। ब्रह्मपुरी एवं भीतरी शहर में नीले रंग से रंगे मकान सैलानियों का आकर्षण का बड़ा केंद्र हैं। वे यहां पर वॉक कर जोधपुर की जिंदगी को महसूस करते हैं। साथ ही हॉलीवुड व बॉलीवुड मूवी, टीवी सीरियल्स, म्यूजिक एलबम की शूटिंग एवं प्री वेडिंग फोटोशूट के लिए भी ब्ल्यूसिटी हॉट प्लेस है। इसी का परिणाम है कि यहां 300 से अधिक होटल व गेस्ट हाउस हैं। एक अनुमान के मुताबिक विभिन्न तरीकों से जोधपुर को 250 करोड़ की आय व 3000 लोगों को रोजगार मिलता है।

ये एशिया के टॉप 10 डेस्टिनेशन

हुएई, वियतनाम	हो चो मिन्ह सिटी, वियतनाम
ब्ल्यूसिटी जोधपुर, भारत	फुकेट, थाइलैंड
पुरानी दिल्ली, भारत	बेगन, म्यांनमार
टोक्यो, जापान	बाली, इंडोनेशिया
खोह ताओ, थाइलैंड	बाली, इंडोनेशिया

शहर को 70 के दशक में मिली ये पहचान

मकानों को नीला पुतवाने का प्रचलन पीढ़ियों से चला आ रहा था, मगर तब शहर की पहचान ब्ल्यू सिटी के रूप में नहीं थी। यह तमगा जोधपुर को 70 के दशक के बाद ही मिला। इसके बाद ही यहां पर्यटन बढ़ता चला गया।

पौराणिक: नीले रंग को हिंदुओं में पवित्र व नीलकंठ यानी भगवान शिव से भी जोड़ा जाता है। शुरुआत में ब्राह्मण लोग अपने घरों को नीला रंगते थे।

वैज्ञानिक: चूने में नीला रंग व केरोसिन मिला पुताई होती है। मकान गर्मी में ठंडे रहते हैं। यह मच्छर, कीट-पतंगों को भी दूर रखता है।

आर्थिक: शहर के पर्यटन का प्रमुख आकर्षण ब्ल्यू सिटी भी है। विभिन्न क्षेत्रों को आमदनी व रोजगार मिलता है।

जोधपुर के लिए गौरव का विषय है। यहां पर्यटन में नए अवसर खुलेंगे। सीएम पर्यटन से जुड़े लोगों के लिए विशेष पैकेज घोषित करें।
- महेंद्र झाबक, अर्थशास्त्री, संस्थापक आईटीसी वेलकम हेरिटेज

लेकसिटी के लिए राहत की खबर

8 देशों के 8 सुंदर शहरों में भारत से उदयपुर शामिल

अगले साल यहां घुमाने लाए जाएंगे दुनियाभर के 75 खास पर्यटक

नेशनल जियोग्राफी एक्सपेडीशन और द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने किया चयन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। कोरोना काल के बीच लेकसिटी के लिए सुखद और गर्वभरी खबर है। नेशनल जियोग्राफी एक्सपेडीशन और द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दुनिया के 75 चुनिंदा पर्यटकों को घुमाने के लिए 8 देशों के 8 शहरों को चुना है। इनमें भारत से एकमात्र उदयपुर शामिल है। इसे इसकी सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण के कारण चुना गया है। यह यात्रा 21 दिन की होगी, जो अगले साल 3 सितंबर से अमेरिका के सिएटल से शुरू होगी और 23 सितंबर को वॉशिंगटन डीसी में खत्म होगी। इस यात्रा के 9वें और 10वें दिन पर्यटकों को उदयपुर में घुमाया जाएगा।

233 यात्रियों वाले बोइंग-757 विमान को 75 के रहने-बैठने लायक बना रहे

एक यात्री का किराया 77 लाख: 4 महाद्वीपों एशिया, अफ्रीका, यूरोप व उत्तरी अमेरिका में बसे इन 8 देशों की लंबी यात्रा के लिए बोइंग-757 प्लेन का उपयोग किया जाएगा। इसमें 233 लोगों के बैठने की क्षमता होती है, लेकिन बदलाव किए जा रहे हैं। 75 यात्रियों के रहने और बैठने योग्य बनाया जा रहा है। एक यात्री का किराया 77 लाख रु. है।

पीछोला, सिटी पैलेस व मिनिएचर पेंटिंग देखेंगे

उदयपुर में यात्रा के दौरान पर्यटकों को सिटी पैलेस घुमाया जाएगा, जहां वे उदयपुर के हेरिटेज व कल्चर को नजदीक से देखेंगे। मिनिएचर पेंटिंग भी दिखाई जाएगी। साधना संस्था का विजिट कराया जाएगा। जहां महिलाओं को हैंडीक्राफ्ट और पेचवर्क के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। पर्यटकों को पीछोला स्थित लेक पैलेस में ठहराया जाएगा।

दुनियाभर में बनेगी हमारी पहचान

पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना ने बताया कि दुनिया की प्रतिष्ठित संस्था नेशनल जियोग्राफी एक्सपेडीशन और द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी ट्रिप के लिए देश से सिर्फ उदयपुर को चुना है। इससे उदयपुर की ब्राण्ड वैल्यू बढ़ेगी। देश-दुनिया के बड़े होटल चेन यहां होटल-रिजॉर्ट शुरू करेंगे। साथ ही ट्रेवल ब्लॉगर भी ब्लॉग लिखेंगे। लेकसिटी एलिट क्लास टूरिस्ट के पसंदीदा शहरों में शुमार होगा।

इन आठ देशों में 21 दिन बिताएंगे पर्यटक

1. वाशिंगटन, अमेरिका 2. क्योटो, जापान 3. सिंगापुर 4. उदयपुर, भारत 5. सेशेल्स 6. मसाई मारा, केन्या 7. येरूसलम, इजरायल 8.बार्सिलोना, स्पेन।

जयपुर के पॉवर सेंटर में बड़ा बदलाव

जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक ने नियुक्त की नई टीम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक नवीन अरोड़ा ने अपनी नियुक्ति से साढ़े चार माह बाद नई टीम नियुक्त की है। इसमें प्रमोशन और पोस्टिंग के नाम पर 19 बड़े अभियंताओं को इधर से उधर किया गया है। इसमें मुख्य रूप से जयपुर सिटी और ग्रामीण के अधीक्षण अभियंता का तबादला रहा। अरोड़ा के बेहद करीबी माने जाने वाले अधीक्षण अभियंता ए.के. त्यागी को जयपुर सिटी सर्किल और बी.एल. गुप्ता को जयपुर ग्रामीण सर्किल के मुखिया की जिम्मेदारी दी गई है। उधर, सलीम अहमद को एक साल के लिए रीको में डेपुटेशन पर भेजा गया है।

चर्चा में :-अशोक कुमार गुप्ता को प्रमोशन के बाद अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मेटेरियल मेनेजमेंट) की जिम्मेदारी सौंपी गई। विद्युत सप्लाई से जुड़े उपकरण, पोल व अन्य सामान की खरीदी यही शाखा करती है। इनके परिजन विद्युत पोल, स्टील फेब्रिकेशन के काम से जुड़े हैं।

इनके तबादले...

1- अधीक्षण अभियंता:- एस.के. राजपूत को जयपुर सिटी सर्किल से प्लानिंग में और हरिओम शर्मा को जयपुर ग्रामीण सर्किल (ओ एण्ड एम) टोंक भेजा गया। इनके अलावा विनय कुमार शर्मा को इंस्पेक्शन कार्य से हटाकर सप्लाई मैनेजमेंट में, पी.के गुप्ता को प्रमोशन बाद भी कॉमर्शियल पद पर ही लगाया गया है। अनिल कुमार (आई एण्ड एस), भगवान सहाय गुप्ता (ओ एण्ड एम) करौली, पी.के अग्रवाल (एम एण्ड पी), जे.एल मीणा (ओ एण्ड एम) दौसा, जे.के मिश्रा (आईटी), वाई.के. एरन को एमएण्डपी की जिम्मेदारी दी गई।

2- मुख्य अभियंता :- डी.सी. अग्रवाल (जयपुर जोन), डी.के शार्म को प्रोजेक्ट प्लानिंग मैनजमेंट, आर.के. मीणा को भरतपुर जोन, आर.के जीनवाल को कोटा जोन, सत्यप्रकाश गुप्ता को सीए-हैडक्वाटर, रामवतार शर्मा क्वालिटी कंट्रोल एण्ड सेफ्टी पद पर लगाया गया है।

जीपीएस से लैस होगी एंबुलेंस

जयपुर में 130 एंबुलेंसों में लगेंगे जीपीएस-पैनिक बटन, 1 जुलाई से कार्रवाई शुरू करेगा परिवहन विभाग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। परिवहन विभाग ने एंबुलेंसों में ज्व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग सिस्टमज् (जीपीएस डिवाइस) लगाने शुरू कर दिए हैं। पहले दिन 130 एंबुलेंसों को जीपीएस सिस्टम से कनेक्ट किया गया है। परिवहन आयुक्त महेंद्र सोनी के निर्देश पर जयपुर प्रादेशिक परिवहन कार्यालय के क्षेत्राधिकार कार्यालयों द्वारा शिविर आयोजित हुए। इसमें जयपुर आरटीओ राकेश शर्मा के देखरेख में एसएमएस हॉस्पिटल समेत 130 से अधिक एंबुलेंसों में डिवाइस लगाए गए। आरटीओ शर्मा ने बताया कि जयपुर शहर में सवाई मानसिंह अस्पताल के बाहर 68, कोटपूतली में 24, चौमूं में 18, शाहपुरा में 14 और दूदू में 6 एंबुलेंसों में यह डिवाइस लगवाई गयी। इसमें खास बात है कि पैनिक बटन भी होता है। शर्मा ने बताया कि शिविर में एंबुलेंस संचालक यूनियन एसोसिएशन का भी सहयोग रहा। शिविर निरंतर चलेंगे। परिवहन विभाग की ओर से 30 जून तक जीपीएस लगवाने का समय निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके बाद भी कोई एंबुलेंस संचालक नहीं लगवाता है तो एक जुलाई से वाहन सीज की कार्रवाई की जाएगी।

डेयरी संघ की प्रथम बैठक सम्पन्न

दूध खरीद दरों में की जाएगी वृद्धि, जल्द मिलेगा गाय का दूध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ प्रतापगढ़ दुग्ध संघ के नव निर्वाचित संचालक मंडल की प्रथम बैठक डेयरी परिसर में डेयरी अध्यक्ष बद्रीलाल जगपुरा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संचालक मंडल के सदस्य भरत आंजना शंकरलाल जाट, मानसिंह आंजना, रेखा जाट, सुमन देवी डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यवाहक सुधीर भट्ट, आरसीडीएफ प्रतिनिधि डॉ. अरुण गुप्ता उपस्थित थे। डेयरी संघ का लेखा जोखा प्रबंध संचालक नटवर सिंह चुण्डावत ने प्रस्तुत किया। चैयरमैन बद्रीलाल जाट जगपुरा ने बताया,कि बैठक में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिए गये।

200 करोड़ का बजट पारित

दूध खरीद दरों में वृद्धि, पीएण्ड आई/ इनपुट की गतिविधियों बढ़ाने के लिए पशु चिकित्सक लगाये जाएंगे। साथ ही प्राकृतिक आपदा जैसे भूकम्प, आगजनी, अतिवृष्टि अकाल आदि से सदस्य के पशु हानि होने पर सहायता प्रदान की जाएगी। मिनरल मिक्सचर काला डेरा प्लांट से क्रय कर किसानों को अनुदान पर उपलब्ध करवाया जायेगा। हाथ चलित कट्टी मशीन पर 3000 रुपए व विद्युत चलित पर 6000 रुपए का अनुदान दिया जायेगा। गौशाला एवं गायों का सर्वे कर के सरस उपभोक्ताओं को जल्दी ही गाय का दूध उपलब्ध करवाया जायेगा। चेयरमेन ने बताया कि सुरक्षा हेतु डेयरी के बाहर पुलिस चौकी लगवाई जाऐगी। डेयरी मेन गेट पर सरस पार्लर लगवाया जायेगा, जिससे आने जाने वालो को सरस उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। एएमसीयु साफ्टवेयर एनडीडीबी के माध्यम से क्रय कर लगवाया जायेंगे, जिससे दूध खरीद में पारदर्शीता बनी रहे। डेयरी मेन गेट पर भीलवाड़ा डेयरी की तर्ज पर मेन गेट पर ट्रांजिट गेट लगवाया जायेगा। बैठक में आवंलहेडा एवं माता टाण्डा के सचिव की मृत्यु होने पर सचिव कल्याण कोष के माध्यम से क्रमशः 75000 एवं 50000 आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

मंदिर परिसर को किया सेनेटाइज, फूल-माला, घण्टी बजाना रहेगा वर्जित

ढाई माह बाद खुलेगा दुर्ग पर कालिका माता मंदिर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। कोरोना संक्रमण के कारण सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाउन के करीब ढाई माह बाद धार्मिक स्थलों को कोविड-19 गाइडलाइन की पालना के साथ खोलने की स्वीकृति दी गई है। इसी के तहत विश्व प्रसिद्ध दुर्ग स्थित कालिका माता मंदिर परिसर में साफ-सफाई कर सैनिटाइजर का छिड़काव किया गया। मंदिर प्रशासन द्वारा साफ़-सफ़ाई के लिए खोले गए। मंदिर में भी बाहर से आए कई पर्यटक दर्शन के लिए पहुंच गए। इसके साथ ही कई नवविवाहित जोड़े भी माता के दरबार में धोक लगाने हाजिर हुए। कालिका माता मंदिर के महंत राम नारायण पुरी ने बताया, कि सरकार के आदेश पर सभी धार्मिक स्थलों को खोला जा रहा है इसलिए 1 दिन पूर्व मंदिर को साफ- सफ़ाई और सैनिटाइज करने के उद्देश्य से खोला गया है। उन्होंने बताया कि मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अनिवार्य रूप से मास्क लगाना होगा साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग की भी पूर्णतया पालना करवाई जाएगी। सरकार के आदेश पर फिलहाल नारियल, प्रसाद, फूल-मालाएं स्वीकार नहीं की जाएगी। श्रद्धालुओं सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करते हुए माता के दर्शन कर निकलना होगा। उन्होंने कहा, कि मंदिर प्रशासन द्वारा कोरोना गाइड लाइन की पालना पूर्णतया कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई है। इस दौरान कालिका माता मंदिर पुजारी प्रमोद भारती, गोविंद भारती, कर्मचारी लाल सिंह, जोरावर सिंह सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एकेडमिक काउंसिल का फैसला

राजस्थान यूनिवर्सिटी के पीजी के छात्रों को अब मिलेगी पर्सेंटेज

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएशन करने वाले छात्रों की मार्कशीट में अब पर्सेंटेज और डिवीजन लिखा जाएगा। अब तक अंकों के आधार पर ग्रेड दी जाती थी। भर्ती परीक्षाओं और दूसरे जगह एडमिशन में परेशानी आने पर छात्रों की मांग पर यूनिवर्सिटी की एकेडमिक काउंसिल ने यह फैसला लिया है। यह निर्णय नए सेशन से लागू होंगे। 4 सेमेस्टर के अंकों के आधार पर फाइनल मार्कशीट में पर्सेंटेज दी जाएगी। पीजी के कोई पूर्व छात्र भी मार्कशीट में ग्रेड की जगह पर्सेंटेज कराना चाहेंगे तो उनकी मार्कशीट अपडेट होगी।

एमपेट में पहला पेपर अब सबके लिए कॉमन होगा

एमफिल, पीएचडी में एडमिशन के लिए होने वाली एमपेट परीक्षा में पहला पेपर सभी छात्रों के लिए कॉमन होगा। दूसरा पेपर विषय से संबंधित होगा। पहले साइंस के छात्रों के लिए पहला पेपर अलग होता था। हालांकि 2 साल से ज्यादा समय से छात्र एमपेट होने का इंतजार कर रहे हैं।

पुजारी सम्बल योजना : 25 पुजारियों को भेंट की संबल राशि

रुण्डल @ जागरूक जनता। परशुराम तपोस्थली जमदग्नि ऋषि आश्रम रूण्डल मे सोबर तथा विप्र सेना ने महाराजश्री नरसिंह दास के करकमलों से 25 पुजारियों को 2100 रुपये प्रति पुजारी सेवा राशि भेट की। सोबर ने अब तक 200 पुजारियों को ये सेवा राशी भेट की जा चुकी है। विप्र सेना प्रमुख सुनील तिवारी भारती शर्मा महासचिव ई आर सी शर्मा, डायरेक्टर सुशील पारीक, डॉ सुशील दोतोलिया, विजय पुरोहित के के मिश्रा राधेश्याम शर्मा, बजरंग शर्मा एवं अन्य सदस्य उपस्थिति थे । इस अवसर 21 पीपल के पेड सहित कुल 51पेड लगाए। आर सी शर्मा महासचिव सोबर ने स्वयं निर्जला एकादशी को इनके 46वे शादी की सालगिरह पर वृक्षारोपण का संकल्प लिया था।

ANCHOR

पर्यटन विभाग जल्द जारी करेगा SOP

स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए 1 से शुरू होगी चारधाम यात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। उत्तराखंड सरकार ने ऐलान कर दिया कि 1 जुलाई से चारधाम यात्रा को आंशिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। कोरोना महामारी के बीच उत्तराखंड में पर्यटन और तीर्थाटन पटरी पर लाने के लिए मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को इसको लेकर मंजूरी दे दी है। हालांकि हाईकोर्ट की फटकार के बाद अब कुछ बदलाव किया जाएगा। इसके तहत फिलहाल कुछ जिलों के लोगों को ही यात्रा करने की अनुमति रहेगी। लेकिन इस फैसले के बाद से ही फिर तीरथ सरकार विवादों में फंसती दिखाई दे रही है। जिस फैसले पर सरकार ने मुहर लगाई है, उसको लेकर नैनीताल हाई कोर्ट द्वारा राज्य सरकार को काफी लताड़ पड़ी है।

जल्द जारी होगी एसओपी

कोरोना काल के चलते जल्द ही पर्यटन विभाग की ओर से मानक प्रचालन विधि जारी की जाएगी। वहीं, चारधामों में यात्री सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए पांच दिन बाकी हैं।

यात्रा के दौरान कोविड नियम रहेंगे लागू

यात्रा के लिए पिछले साल की तरह इस बार भी कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए व्यवस्थाएं और कोविड नियम लागू रहेंगे। सभी श्रद्धालुओं के लिए कोविड की आरटी-पीसीआर या एंटीजन रैपिड जांच रिपोर्ट जरूरी होगी।

चारों धाम के लिए श्रद्धालु संख्या अलग-अलग तय

भीड़भाड़ को कम करने के लिए चारधामों में प्रतिदिन दर्शन करने वाले यात्रियों की संख्या सीमित रहेगी। इसमें बदरीनाथ धाम में 1200, केदारनाथ में 800, गंगोत्री में 600 और यमुनोत्री धाम में 400 लोगों को देवस्थानम बोर्ड की ओर से अनुमति दी जा सकती है।

व्यवस्थाओं को दिया जा रहा अंतिम रूप

कोरोना संक्रमण को देखते हुए यात्रा सीमित संख्या में होगी। चारधामों में संबंधित विभागों के माध्यम से यात्रियों की सुविधाओं के लिए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। चारधाम यात्रा को व्यवस्थित करने और देवस्थानम बोर्ड और जिला प्रशासन से समन्वय के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी जो कोविड से संबंधित मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) को लागू करने के लिए निगरानी का कार्य भी करेगा।

11 जुलाई पूरे राज्य के लोग कर सकेंगे दर्शन

चारधाम यात्रा पूरे प्रदेश के निवासियों के लिए पूर्व निर्धारित योजना के मुताबिक 11 जुलाई से शुरू होगी। हालांकि इसका अंतिम फैसला कोविड की स्थिति को ध्यान में रखकर किया जाएगा। कोविड की तीसरी लहर और वायरस के डेल्टा प्रकार की आशंका है। ऐसे में कोई फैसला लेने से पहले सभी स्थितियों पर गौर किया जाएगा।

हाई कोर्ट ने लगाई फटकार

हाई कोर्ट ने सरकार से चारधाम यात्रा को लेकर कई सवाल पूछे। साथ ही कुंभ से लेकर अनेक आयोजनों से देश में फैले कोरोना का भी उदाहरण सामने रखा था। डेल्टा के नए वेरिएंट पर भी चिंता जाहिर की गई। ऐसे में कोर्ट ने सरकार से पूछा था कि ऐसी परिस्थितियों में चारधाम यात्रा का शुरू होना कहा तक उचित है? कोर्ट के इन सवालों के बीच तीरथ सरकार ने चारधाम यात्रा को हरी झंडी दे दी। हालांकि अब इनमें कुछ बदलाव और सख्ती बढ़ाया जाएगा।

चार धाम यात्रा प्रमुख जगह

चार धाम यात्रा को पूरा करने का मार्ग की बात करें तो हरिद्वार, ऋषीकेश, बरकोट, जानकी चट्टी, यमुनोत्री, उत्तरकाशी, हरसिल, गंगोत्री, घनसाली, अगस्तमुनि, गुप्तकाशी, केदारनाथ, चमोली गोपेश्वर, गोविन्द घाट, बद्रीनाथ, जोशीमठ शामिल हैं।

जागरूक खबरें

साइकिल राइड से दिया स्वस्थ व स्वच्छता का संदेश

चित्तौड़गढ @ जागरूक जनता । कोविड 19 से बचाव हेतु स्वछता व स्वस्थ रहने का संदेश देने के साथ ही प्रतिदिन साइकिलिंग को अपनाने के लिए शहर के 60 साइकिल सवारों ने 25 किलोमीटर की राइड की। शहर के द पीपल साइकिल क्लब और नेक्सनोस लाइफ की ओर से आयोजित इस राइड में बच्चों, युवा सहित हर उम्र के प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी साइकिल सवारों में जोश और उत्साह देखते ही बनता था। राइड की शुरुआत एसबीआई बैंक के सामने नेक्सनोस लाइफ मीरा मार्केट से होकर माताजी की पंडोली में समाप्त हुई। राइड के दौरान क्लब अध्यक्ष दीपक शर्मा, डॉ अरविंद साँखला, डॉ चिराग बालोटिया, डॉ विनय गुवालानी सहित क्लब के सदस्य और नेक्सनोस लाइफ से जुड़े प्रतिनिधियों ने राइड को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

लसडावन गाँव के स्वास्थ्य केंद्र में मंत्री आंजना ने किया मशीनों का शुभारंभ

निम्बाहेडा @ जागरूक जनता। निम्बाहेडा उपखण्ड क्षेत्र के समीपवर्ती गाँव लसडावन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सहकारिता एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना मंत्री उदयलाल आंजना ने ईसीजी,सीबीसी व यूपीएस मशीनों को शुभारंभ किया। गाँव लसडावन निवासी भामाशाह हरिनारायण टेलर द्वारा स्वर्गीय झमनालाल टेलर की स्मृति में इन तीनो मशीनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्य एवं जांच कार्यो हेतु संचालन करने के लिए भेंट कर मंत्री आंजना द्वारा शुभारंभ किया गया! इस मौके पर मंत्री आंजना ने भामाशाह टेलर को इसपुनीत कार्य करने हेतु साधुवाद देते हुए कहा कि ऐसे जनसहयोग के कार्यो के लिये भामाशाहो को आगे आना चाहिए। इस अवसर पर ब्लॉक कॉंग्रेस अध्यक्ष पुरुषोत्तम लाल झवर,पूर्व प्रधान गोपाल लाल आंजना, जिला काँग्रेस उपाध्यक्ष गिरधारीलाल खटीक,फलवा सरपंच भोपराज़ टांक,पूर्व सरपंच गोपाल जाट,नंदलाल सुथार,मोहनलाल छिपा,रमेश गायरी,सुरेश जाट,कमलेश दायमा, गजेंद्र मेहता,राजेश टेलर,गफ्फार भाई, मथुरालाल जाट,दिनेश राठौड़,कालूलाल डाँगी, डॉ चन्दन निहाला, दिनेश टेलर सहित ग्रामवासी उपस्थित थे। ग्रामवासियों द्वारा इस मौके पर मंत्री आंजना को उपरणा ओढ़ाकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

दिव्या अध्यक्ष, कोमल सचिव निर्वाचित

उदयपुर @ जागरूक जनता। इनर व्हील क्लब ऑफ बीइंग मानव की ओर से आगामी वर्ष की कार्यकारिणी के लिए दिव्या बजाज को पुनः अध्यक्ष और कोमल जैन को सचिव निर्वाचित किया गया है। क्लब की शनिवार को हुई बैठक में सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लेते हुए मौजूदा पदाधिकारियों को ही पदभार सौंपने का निर्णय लिया। इस अवसर पर दिव्या बजाज ने कहा कि आगामी वर्ष में क्लब द्वारा अधिकाधिक सामाजिक कार्य को करने का प्रयास किया जाएगा ताकि जरूरतमंद लोगों तक सुविधाएं पहुंचाने में कोई कमी नहीं रहे।

कैलाश लड्ढ़ा लायंस क्लब के संभागीय अध्यक्ष मनोनीत

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 ई 2 के नवनिर्वाचित प्रान्तपाल लायन सुधीर गोयल ने लायंस क्लब, निम्बाहेड़ा के पूर्व अध्यक्ष व जोन चेयरमैन लायन कैलाश लड्ढा को संभागीय अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। निम्बाहेड़ा क्लब के अध्यक्ष लायन अशोक जैन ने बताया कि लायंस क्लब इंटरनेशनल के नियमानुसार आगामी सत्र 2021-2022 का शुभारंभ 1 जुलाई से होगा। डिस्ट्रिक्ट में 208 क्लब है, जिनकों बेहतर संचालन के लिए 13 सभागों में विभाजित किया है। चित्तौड़गढ़, मंदसौर व नीमच जिलो के 19 क्लबों को संभाग-5 में रखा गया है तथा लायंस क्लब के सक्रिय व ऊर्जावान सदस्य लायन लड्ढा को संभागीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। क्लब सचिव विजय आगार ने उनकी नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लड्ढा के नेतृत्व में संभाग में सेवा गतिविधियों के नए कीर्तिमान स्थापित होंगे तथा सदस्यों में भ्रातत्व भाव और अधिक प्रगाढ़ होगा। नवनियुक्त संभागीय अध्यक्ष लड्ढा ने कहा कि सभी की सहभागिता, सेवा व समर्पण भावना से स्वास्थ्य सेवाओं, पर्यावरण संरक्षण, जीव दया तथा शिक्षा प्रसार की गतिविधियों से जरूरतमंद लोगों की सहायता में बढोतरी के लिए सभी क्लबों के सदस्यों से मिलकर उनके क्षेत्रों में सेवा गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित की जाएगी। साथ ही कोरोना से प्रभावित हुए गरीब परिवारों व असहाय परिवारों को आवश्यक मदद करने में हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

कुलपति सारंगदेवोत का अभिनंदन

उदयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विद्यापीठ को विश्व भर में पहचान दिलाने वाले एवं तीसरी बार कुलपति मनोनीत होने पर कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत का नारायण सेवा संस्थान द्वारा अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विद्या पीठ के कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। संस्थान के जन सम्पर्क प्रभाग के विष्णु शर्मा हितैषी और भगवान प्रसाद गौड़ ने स्मृति चिन्ह, शॉल,पगड़ी और दुपट्टा भेंट कर शुभकामनाएं दी।

उल्लास से मनाया स्थापना दिवस

पिलानी(झुंझुनूं) @जागरूक जनता। पिलानी में आज युवा संगठन ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गेनाइजेशन का 56वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन भुवनेश्वर पाराशर ने किया व अध्यक्षता सोनू शर्मा ने की। संगठन के जिला सचिव विष्णु वर्मा ने ध्वजारोहण कर कामरेड शिवदास घोष व शहीद वेदी पर पुष्प चढ़ाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। जिला सचिव विष्णु वर्मा ने कहा कि आज के समय में सही नौजवान वही है जो शोषण जुल्म अन्याय के खिलाफ खड़ा हो जाए। विष्णु वर्मा ने कहा कि इस समय देश के अंदर एक जोरदार किसान आंदोलन संघर्षरत है हमें सभी को किसान आंदोलन को मजबूत बनाना चाहिए। कार्यक्रम में भुवनेश्वर, विमल सचिन ने क्रांतिकारी गानों की प्रस्तुति दी व बजरंग जी ओजस्वी शंकर दहिया, दीपक, प्रशांत, महावीर शर्मा ,जुबेर,राजु शर्मा, संजीव आलडिया आदि लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

घना में बनेगा एनक्लोजर: जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू होगा काम

घास-फूस और पानी भरे विशेष वाहन में मुकंदरा जाएंगे चीतल

केवलादेव नेशनल पार्क से कोटा के मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में चीतल शिफ्टिंग का काम, किराए पर लिए दो विशेष वाहन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। केवलादेव नेशनल पार्क भरतपुर से कोटा के मुकंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में चीतल शिफ्टिंग का काम जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू हो जाएगा। इसके लिए दो विशेष वाहन किराए पर लिए जाएंगे। ये हरे रंग से पुते होंगे और उनमें अंदर घास-फूस एवं पानी का इंतजाम होगा। ताकि भरतपुर से कोटा तक सफर में चीतलों को जंगल का सा अहसास हो सके। चूंकि चीतल काफी संवेदनशील और नाजुक होते हैं। इसलिए उन्हें अन्य जंगली जानवरों के तरह बेहोश करने के बजाए पकड़कर बंद पिंजरे में भेजा जाएगा। चीतलों को पकड़ने के लिए ड्राई एरिया में विशेष वाडे/एन्क्लोजर बनाए जाएंगे। इनकी संख्या 4 तक रखे जाने की संभावना है। केएनपी निदेशक मोहित गुप्ता ने बताया कि चीतलों को विशेष वाहन वैसे तो जयपुर स्थित मुख्यालय से आएंगे। लेकिन, यदि वहां से कोई दिक्कत हुई तो स्थानीय स्तर पर भी किराए पर लिए जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि मुकंदरा रिजर्व में टाइगर्स के प्रे-बेस (भोजन शृंखला) के लिए घना के 500 चीतलों को शिफ्ट किया जाना प्रस्तावित है। घना में 2079 चीतल हैं। साथ ही रणथंभोर से बाघ टी-113, टी-121 व टी-123 के अलावा बाघिन टी-119 व टी-73 की मादा शावक टी-126 में से दो बाघ व एक बाघिन को मुकंदरा लाया जाएगा। तीन बाघों को 31 जुलाई तक शिफ्ट कर दिया जाएगा।

घना के अलावा बंध बारैठा और नौनेरा में भी हैं चीतल...

केवलादेव घना के अलावा बंध बारैठा और नौनेरा वेटलैंड एरिया में भी चीतल हैं। केएनपी घना में इनकी संख्या 2079 है। जबकि बंध बारैठा में 3 चीतल हैं। पिछले वर्ष की वन्यजीव गणना के अनुसार बारैठा में सियार 145, जरख 19, जंगली बिल्ली 16, बिज्जू 8, रोजड़ा 143, सेही 29, मोर 161 देखे गए। नौनेरा में भी चीतल, सांभर और रोजड़ा देखे गए हैं। लेकिन, यहां कभी गणना नहीं हुई।

चीतल के बदले में तालछापर से कृष्ण मृग भरतपुर में छोड़े जाएं: रणवीर सिंह

भरतपुर होटल एंड रेस्टोरेंट वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष रणवीर सिंह ने वाइल्ड लाइफ चीफ वार्डन से केएनपी घना से 500 चीतल शिफ्ट किए जाने के एवज में कृष्ण मृग भरतपुर में लाए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जैसे चीतल अधिक होने पर मुकंदरा भेजे जा रहे हैं। उसी तरह ताल छापर अभयारण्य में ब्लैक बक (काले हिरण) बड़ी तादाद में है। जबकि केवलादेव घना में अब ब्लैक बक रहे नहीं है। यहां ड्राई एरिया उनके लिए काफी अनुकूल है। पहले घना में भी 125 तक ब्लैक बक हुआ करते थे। इससे यहां पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

भरतपुर को मिलेगी आवारा जानवरों से मुक्ति

नगर निगम की टीमें जल्द उतरेंगी फील्ड में, बंदरों-गायों को पकड़कर दूर जंगलों और गो शालाओं में छोड़ा जाएगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। भरतपुर की जनता को आवारा जानवर और बंदरों से निजात मिलने वाली है। कई सालों से भरतपुर की जनता आवारा गोवंश, बंदरों और कुत्तों से परेशान थी। इसके लिए नगर निगम की बैठकों में कई बड़े-बड़े वायदे किये गए, लेकिन जमीनी हकीकत पर काम नहीं हुआ। एक बार फिर से नगर निगम इन समस्याओं को दूर करने के लिए कवायद कर रह रहा है। नगर निगम के आयुक्त राजेश गोयल ने बताया की गो वंश, बंदर और कुत्तों को पकड़ने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जल्द ही इन्हें पकड़ने के लिए टीमें फील्ड में आवारा गोवंश को पकड़ेंगी। गो वंश पर टैग लगाकर इकरन की नंदी गो शाला में आवारा गो वंश को छोड़ा जाएगा। इस काम में लापरवाही न बरती जाए इसके लिए नगर निगम द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी। इसी तरह बंदरों को पकड़ने के लिए भी शहर के सभी 13 जोन सफाई कार्यालयों के स्तर पर एक साथ कई जाल लगाए जाएंगे। बंदरों को पकड़ने के बाद उन्हें दूर जंगलों में छोड़ा जायेगा। इसके अलावा आवारा कुत्तों को पकड़ कर उनकी नसबंदी की जाएगी और टीकाकरण होने के बाद आवारा कुत्तों को दुबारा उसी जगह छोड़ दिया जाएगा।

अवैध ठेका हटवाने के लिए उपखंड कार्यालय पहुंचे लोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भीनमाल। निम्बोडा मार्ग पर होटल की आड़ में अवैध शराब बेची जा रही है। जिसको लेकर बड़ी संख्या में लोगों ने उपखंड कार्यालय पहुँच कर विरोध प्रदर्शन किया। पत्र के माध्यम से कांग्रेसी पार्षद जयंती लाल घांची पर सत्ता की आड़ में अवैध तरीके से शराब बेचने आरोप लगाया। जानकारी अनुसार बड़ी संख्या में परमारों की ढाणी के लोग उपखंड कार्यालय पहुँच कर अवैध रूप से चल रहे अवैध शराब की बिक्री के मामले को लेकर क़ानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पत्र सौपकर लंबे समय से चल रहे अवैध शराब ठेके पर आए दिन मारपीट की वारदातें होती है जिसको लेकर आस पास के ढाणी के लोग परेशान है जिसको लेकर उपखंड अधिकारी को पत्र सौपकर कार्रवाई करने की मांग की। पत्र में बताया कि कांग्रेसी नेता व वर्तमान मनोनीत पार्षद जयंती लाल घाची की ओर अवैध ब्रांच संचालित की जा रही है।

पूर्व मंत्री धाकड़ के निधन पर आंजना ने किया शोक व्यक्त

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार व बेंगू के पूर्व विधायक चुन्नीलाल धाकड़ के आकस्मिक निधन पर सोमवार को सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने शोक व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेता चुन्नीलालजी जोकि एक पूर्व मंत्री थे वह भी कोविड से प्रभावित हुए। वे अपने शुरुआती राजनीतिक जीवन में कांग्रेसी विचारधारा से जुड़े थे। लेकिन बाद में भाजपा में चले गए।उन्होंने कहा,की चुन्नीलालजी का पालन-पोषण एक कांग्रेसी परिवार में हुआ था ऐसा एक बार घनश्याम जैन (पूर्व विधायक बेंगू) ने कहा था। वे बहुत ही मिलनसार व बिना लाग लपेट के थे। एक ज़िले के होने के कारण आमना-सामना होता रहता था। उनके आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें श्रीचरणों में स्थान देंवे।

छात्र-छात्राओं के लिए 4 करोड़ की लागत से बनेंगे छात्रावास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को अब छात्रावास की सुविधा मिलेगी। विश्वविद्यालय से जुड़े महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास भवनों का निर्माण किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से करीब 4 करोड़ रुपयों की लागत से दो छात्रावास भवन बनाए जाएंगे, इन भवनों का निर्माण ग्राम सेवक प्रशिक्षण केन्द्र के पास स्थित कृषि महाविद्यालय की भूमि पर किया जायेगा। छात्रावास भवनों का शिलान्यास विश्वविद्यालय कुलपति प्रो बीआर चौधरी ने किया। छात्रावास भवनों का शिलान्यास करते हुए कुलपति प्रो चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों को बेहतरीन आवासीय सुविधाओं सहित अन्य शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध व प्रयासरत है। शिलान्यास कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो बीएस भीमावत, भू सम्पदा अधिकारी जीएस कच्छवाहा, जनसंपर्क अधिकारी डॉ एमएल मेहरिया, कुलपति के विशेषाधिकारी डॉ एमएम कुमावत, सह प्राध्यापक डॉ एसके मूंड सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

सभी सुविधाएं मिलेगी

छात्रावास भवनों में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को आवासीय सुविधाओं के अलावा अन्य सभी सुविधाएं मिलेगी।जिसमें कॉमन रूम, भोजनशाला, लाइब्रेरी सहित अन्य सुविधाएं मिलेगी। इससे उनका अध्ययन कार्य सुचारू हो सकेगा।

पांच दिवसीय योग एवं आयुर्वेद उत्सव का समापन

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति ही नहीं जीवन जीने का तरीका भी है- अतुल कोठारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भीनमाल। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय योग एवं आयुर्वेद उत्सव का समापन हुआ। योग और आयुर्वेद के साथ विषय पर आधारित इस उत्सव का शुभारंभ हुआ था। न्यास के कार्यकर्ता वचनाराम विद्यार्थी ने बताया कि प्रतिदिन सायं 5 बजे इस वर्चुअल कार्यक्रम में योग व आयुर्वेद के ख्यातनाम विद्वानों के द्वारा योग व आयुर्वेद के माध्यम से रोग निवारण के उपाय व्यक्त किए गए। योग एव आयुर्वेद उत्सव के संयोजक शिक्षाविद संदीप जोशी ने समापन कार्यक्रम में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इन दिनों में विभिन्न बड़ी बीमारियों के निराकरण में योग, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुर्वेद की भूमिका पर चर्चा हुई। प्रतिदिन विभिन्न भारतीय चिकित्सा पद्धति के जानकारों ने विशेषज्ञ वार्ता प्रस्तुत की। विशेष रूप से शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के इस कार्यक्रम प्रतिदिन जोधपुर प्रान्त के सभी जिलों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने सहभागिता की। योग एवं आयुर्वेद उत्सव का समापन कार्यक्रम पुनः दैनिक जीवन में योग और आयुर्वेद के व्यवहारिक प्रयोग विषय के साथ हुआ। प्रोफेसर डॉ बलदेव कुमार, कुलपति कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, हरियाणा के मुख्य आतिथ्य में हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव व विख्यात शिक्षाविद अतुल भाई कोठारी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अतुल भाई कोठारी ने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति ही नहीं जीवन जीने का तरीका है, जीवन का विज्ञान है, हमारे ऋषि-मुनियों ने आयुर्वेद पद्धति में व्यक्त किया है कि हमारा रसोईघर भी हमारा चिकित्सालय होता था। आज रसोई घर बीमारी का घर बन गया है। आयुर्वेद केवल निरामया यानि निरोग रहने की पद्धति नहीं है बल्कि स्वस्थ रहने की पद्धति है जिसमें शरीर, मन व आत्मा इनका भी समन्वय है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी की स्थिति में आयुर्वेद व योग का महत्व अधिक बढ़ गया है। केंद्र भी योग व आयुर्वेद के प्रति अधिक सकारात्मक है। आज के आधुनिक व वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में आयुर्वेद व योग के क्षेत्र में देश व विश्व में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कुलपति डॉ बलदेव कुमार धीमान ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का संरक्षण करने की पद्धति है जिसमें आहार व विहार यानि जीवनचर्या का विशद वर्णन है।

ये रहे उपस्थित– कार्यक्रम में न्यास के राजस्थान क्षेत्र संरक्षक डॉ दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, क्षेत्र संयोजक डॉ. चंद्रशेखर कच्छावा, जयपुर प्रांत संयोजक नितिन कासलीवाल, चित्तौड़ प्रान्त संयोजक अभियंता प्रदीप गोयल ने भी मार्गदर्शन किया। शिविर प्रतिभागी के रूप में भगवत सिंह, डॉ. संदीप रांकावत व अजय गुप्ता ने भी अनुभव कथन कहे। शिविर में प्रतिभागी के रूप में राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक गोपाल सिंह राजपुरोहित, लेखाधिकारी रामगोपाल विश्नोई, चाणक्य विद्यापीठ के सांवल सिंह, विद्या भारती के सुरेंद्र नाग, सेंट अन्स के किशोर सिंह, वासुदेव प्रजापति, दुर्गासिंह राजपुरोहित, नीलम पंवार, प्रीति गोयल, अनिल भाटी, हिमांशु तापड़िया, वीरेंद्र सिंह भाटी, आईदान सिंह मालूंगा, डॉ अश्विनी सैनी, डॉ. नरेंद्र झा, गजेंद्र चौहान, गणपत सोलंकी, भोमाराम, शिविरा के पूर्व सम्पादक गोमाराम जीनगर, मदनसिंह राठौड़, प्रकाश राजपुरोहित, साहब राम सारण सहित अनेक शिक्षाविदों द्वारा सहभागिता व्यक्त की गई।

सहकारिता मंत्री आंजना ने किया विकास कार्यो का शिलान्यास

7 करोड़ 35 लाख से सवरेंगे ग्रामीण और शहरी क्षेत्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व विधायक सुरेन्द्रसिंह जाडावत की अध्यक्षता मे नगर परिषद परिसर मे 7 करोड 35 लाख रू. की लागत के विभिन्न विकास कार्यो का शिलान्यास हुआ सम्पन्न।

नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा ने बताया कि, प्रदेश के सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व विधायक सुरेन्द्रसिंह जाडावत की अध्यक्षता मे चितौडगढ ग्रामीण एवं नगर मे 7 करोड 35 लाख रू. की लागत के विभिन्न विकास कार्यो का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर चितौडगढ मे 65 लाख रू. की लागत से ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना का कार्य, चितौडगढ ग्रामीण क्षैत्रो मे पाल गांव मे 1.50 करोड रू. के 33 केंवी विधुत ग्रिड का कार्य, रोलाहेडा मे 1.85 करोड की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का कार्य, ऐराल मे 1.50 करोड की लागत से 33 केंवी विधुत ग्रिड का कार्य तथ्सस 1.85 करोड की लागत से नेतावल महाराज मे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का कार्य का षिलान्यास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विषिष्ट अतिथि के रूप मे उपसभापति कैलाष पंवार, क्षैत्रीय पार्षद नवीन तंवर, संरपच रविराज सिंह जाडावत, प्रितम कंवर, श्यामलाल ढोली, उपसंरपच राजदीपसिंह, पीरूलाल गवारिया, पंचायत समिति सदस्य गेन्दीबाई जाट, हीरालाल जाट, रतनलाल गुर्जर सहित जाकिर हुसैन, प्रमोद षिषोदिया सहित बडी संख्या मे कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता, पार्षदगण आदि उपस्थित थे।

ANCHOR

बॉर्डर पर बीएसएफ का मटका थिम्बक

4 हजार साल पुरानी पद्धति से तारबंदी पर 8216 पौधों की बनेगी दीवार

बारिश में शुरू होगा भारत-पाक सरहद पर पौधरोपण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर। सरहद की निगेहबान सीमा सुरक्षा बल अब बॉर्डर पर कंटीली तार के पास हरियाली की दीवार खड़ा करने में लगी हुई है। रेगिस्तानी क्षेत्र होने के कारण पानी की कमी की वजह से पौधे पनपने में सबसे बड़ी परेशानी है। लेकिन बीएसएफ ने इसका भी हल निकाल दिया। इसके लिए चार हजार साल पुरानी मटका थिम्बक पद्धति का उपयोग लिया जा रहा है। यह एक तरफ से बूंद बूंद सिंचाई प्रणाली का ही पुराना रूप है। इस पद्धति से कम पानी में अधिक पौधे लगाने में सुविधा होगी। विकट परिस्थितियों में पौधों को जिंदा रखने के लिए यह सबसे कारगर पद्धति है। इस पद्धति से कई देशों में खेती के लिए उपयोग लिया जाता है। ईरान, दक्षिण अमेरिका, ब्राजील, इंडोनेशिया, जर्मनी के बाद अब इस पद्धति का उपयोग भारत-पाक बॉर्डर पर भी मटका थिम्बक पद्धति 4 हजार साल पुरानी पद्धति है। इससे अफ्रीका जैसे देशों में 4 हजार साल पहले से लोग खेती करते आए हैं। ईरान, दक्षिण अमेरिका, ब्राजील, इंडोनेशिया, जर्मनी जैसे देशों में भी पौधरोपण में इस प्रक्रिया को अपनाया गया है। सीमा सुरक्षा बल की 142वीं बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर राजपाल सिंह ने बताया कि मटका थिम्बक पद्धति में पौधे के पास जमीन के अंदर मटके को गाड़ दिया जाता है। इस मटके के तल में छोटा छेद किया जाता है। इसके बाद इसको पानी से भरकर ढकन लगा देते हैं। मटके के छेद से पानी धीरे-धीरे रिसकर पौधे की जड़ों में जाता है। एक बड़ा मटका भरा पानी पौधे के लिए करीब एक माह तक खूब होता है। इस पद्धति से बीएसएफ ने गडरारोड फारवर्ड सीमा चौकी के पास नर्सरी तैयार की है, इसमें 8216 पौधे तैयार हो चुके हैं। इसके अलावा सीड्स बॉल सहित कई अन्य तरीके से पौधरोपण किया जा रहा है।

कांग्रेस सेवादल की बैठक आयोजित

जालौर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई के आदेश एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत के निर्देश पर कांग्रेस सेवा दल के पुनर्गठन को लेकर जालोर जिले में जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष एवं विधानसभा अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर राजीव गांधी भवन में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवा दल की ओर से नियुक्त संभाग प्रभारी मोहन हटेला, राजेंद्र सिंह आडवाण, राहुल चौधरी के मुख्य आतिथ्य एवं कांग्रेस सेवादल के निवर्तमान जिलाध्यक्ष आमसिंह परिहार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम सेवादल के कार्यकर्ताओं की ओर मुख्य अतिथियों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए संभाग प्रभारी मोहन हटेला ने कहा कि सेवादल संगठन को बूथ स्तर पर तैयार करने को लेकर कार्य योजना तैयार की जा रही है पार्टी का कार्य करने वाले निष्ठावान एवं समर्पित कार्यकर्ताओं का चयन कर प्रदेश, जिला, विधानसभा, ब्लॉक के गठन में जिम्मेदारी सौंपी जायेगी। इस दौरान पीसीसी सदस्य उमसिह राठौड़, कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश गोदारा, पूर्व प्रधान भंवरलाल मेघवाल, विरेन्द्र जोशी व पुखराज विश्नोई ने भी बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस मौके पर जिला परिषद सदस्य मांगीलाल प्रजापत, लक्ष्मणसिह, जेताराम खिलेरी, मांगीलाल विश्नोई, वचनाराम मेघवाल, रूपाराम आकोली, शंकरलाल अग्रवाल, प्रकाश सिंह पादरली, हंससिंह बालोत, सुरेश प्रजापत, राजुराम सियाक, प्रवीण लुकड़, उप सरपंच प्रकाश सायला, लक्ष्मीकांत कंचारा, मांगीलाल गर्ग, नारायणलाल माली, लक्ष्मीकांत देव, महेंद्र माली, हिरालाल व महिपाल सैन सहित कई कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष का किया स्वागत

कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष जगदीश गोदारा का राजीव गांधी भवन में कांग्रेस सेवादल कार्यकर्ताओं ने साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

जागरूक खबरें

छात्रों को घर बैठे ही मिल जाएंगे डुप्लीकेट डॉक्यूमेंट्स, डाक से उनके दिए हुए पते पर भेज दी जाएगी

जयपुर @ जागरूक जनता। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने डुप्लीकेट एकेडमिक डॉक्यूमेंट सिस्टम (डीएडीएस) की शुरुआत की है। जिन छात्रों के डॉक्यूमेंट खो गए हैं या फिर खराब हो गए हैं वे वेबसाइट के जरिए आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड के द्वारा उन्हें डुप्लीकेट कॉपी डाक से उनके दिए हुए पते पर भेज दी जाएगी। डॉक्यूमेंट कहां तक पहुंचा, ट्रैक के माध्यम से छात्र यह भी जान सकेंगे। डिजिटल व प्रिंट दोनों माध्यमों से डॉक्यूमेंट लेने का ऑप्शन है। अभी तक छात्रों को डुप्लीकेट डाक्यूमेंट पाने के लिए संबंधित कार्यालयों में जाना होता था और आवेदन पत्र भरके, आवेदन की राशि बैंक में जमा करनी होती थी। डीएडीएस के आने से यह प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई है। आवेदन की राशि वर्ष के हिसाब से अलग-अलग है। इससे छात्रों की परेशानी बचेगी और स्टूडेंट्स को सीबीएसई मेन ऑफिस और रीजनल ऑफिस में भी नहीं जाना पड़ेगा।

नॉन पैचेबल सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 731 करोड़ की मंजूरी

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 191 विधानसभा क्षेत्रों में एसआरएफ योजना के तहत नॉन पैचेबल एवं मिसिंग लिंक सड़कों के 1271 कार्यों के लिए 731 करोड़ 23 लाख रूपए की वित्तीय स्वीकृति दी है। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने वर्ष 2021-22 की बजट घोषणा में एक हजार करोड़ रूपए की लागत से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में नॉन पैचेबल एवं मिसिंग लिंक सड़कों के कार्य कराने तथा सभी जिलों में 7 हजार 257 किलोमीटर लम्बाई की अन्य जिला सड़कों को मुख्य जिला सड़कों में क्रमोन्नत करने की घोषणा की थी। यह कार्य विधायकों की अनुशंसा के आधार पर किए जाने हैं। अब तक प्राप्त 191 विधानसभा क्षेत्रों के प्रस्तावों के लिए गहलोत ने वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। गहलोत की इस मंजूरी से इन विधानसभा क्षेत्रों में नॉन पैचेबल सड़कों की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण और अपग्रेडेशन के कार्य हो सकेंगे, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा होगी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का लखनऊ, कानपुर दौरा

कभी सोचा नहीं था कि देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होंगे

5 लाख तनख्वाह में पौने तीन लाख तो टैक्स में निकल जाता है, हमसे अधिक तो शिक्षक को मिलता है...

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपने पैतृक गांव परोंख में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे 5 लाख प्रति महीना तनख्वाह मिलती है, जिसमें से पौने 3 लाख टैक्स चला जाता है, हमसे ज्यादा बचत तो एक टीचर की होती है। हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि यह जो बात उन्होंने कही है इसका अर्थ है कि यह जो टैक्स हम देते हैं उससे ही विकास कार्य होना है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह बात सब जानते हैं, इस कारण यह मैं कह सकता हूं कि राष्ट्रपति देश का सबसे अधिक वेतन प्राप्त करना वाला कर्मचारी है। लेकिन वो टैक्स भी तो देता है। हम पौने तीन लाख रुपया महीना टैक्स देते हैं। लेकिन जो मिलता है उसकी तो सब लोग चर्चा करते हैं। लेकिन उसमें से हर महीने पौने 3 लाख निकल जाता है। बचा कितना? जितना बचा उससे अधिक तो हमारे अधिकारियों को मिलता है। ये जो टीचर बैठे हुए हैं न उन्हें सबसे अधिक मिलता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि गांव के एक सामान्य बच्चे के रूप में उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह देश के

अपने गाँव पहुंचने पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गाँव की मिट्टी को प्रणाम किया।

सर्वोच्च पद पर आसीन होंगे। कानपुर देहात जिले में स्थित अपनी जन्मस्थली परौंख गांव में सभा को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा, एक सामान्य बच्चे के रूप में मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने का सम्मान मिलेगा लेकिन, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने इसे पूरा कर दिखाया। समारोह में आये हुए लोगों के साथ भावनात्मक रिश्ता जोड़ते हुए कोविंद ने कहा, मैं कहीं भी रहूं, गांव की मिट्टी की खुशबू और मेरे गांव के लोगों की यादें हमेशा मेरे दिल में बसी रहेंगी। परौंख गांव, मेरी 'मातृभूमि' है, जहां से मुझे देश सेवा करने की प्रेरणा मिलती रही है।

हुड़ला को मिली वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सरकार को समर्थन दे रहे दौसा के महुवा से निर्दलीय विधायक ओमप्रकाश हुड़ला को जान से मारने की धमकी भरे फोन कॉल के बाद गहलोत सरकार ने वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई है। वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराने को लेकर गृह विभाग ने आदेश भी जारी किया है । वाइ प्लस श्रेणी की सुरक्षा व्यवस्था के तहत ओम प्रकाश हुड़ला की सुरक्षा में 11 जवान तैनात रहेंगे, जिनमें 5 जवान उनके घर पर और 6 जवान उनके साथ हर समय रहेंगे। दरअसल बीते दिनों गहलोत समर्थक माने जाने वाले निर्दलीय विधायक ओमप्रकाश हुड़ला को जान से मारने की धमकी भरे फोन कॉल आने के बाद विधायक हुड़ला ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी पत्र लिखकर सुरक्षा बढ़ाए जाने की गुहार की थी, जिस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विभाग को सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश दिए थे। 7 जून को महुवा में विधायक ओम प्रकाश हुड़ला के होटल पर कुछ लोगों ने तोड़फोड़ भी की थी। होटल पर हुए हमले की रिपोर्ट विधायक ओमप्रकाश हुड़ला ने महुवा थाने में दर्ज कराई थी।

गौरतलब है कि विधायक ओम प्रकाश हुड़ला पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में भाजपा विधायक रहते हुए संसदीय सचिव रह चुके हैं।

since 2005
विनायक ज्वैलर्स
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

गृह निर्माण सहकारी समितियों में अनियमितताओं का मामला

जेडीए और सहकारिता विभाग मिलकर बनाएं कॉमन यूजर फ्रेंडली पोर्टल - मुख्य सचिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने निर्देश दिए कि गृह निर्माण सहकारी समितियों में हो रही अनियमितताएं को ठीक करने के लिए जेडीए और सहकारिता विभाग मिलकर एक कॉमन यूजर फ्रेंडली पोर्टल का निर्माण करें। इस पोर्टल पर प्रथम 60 दिवस में समस्त गृह निर्माण समितियों द्वारा उनके पास उपलब्ध समस्त रिकॉर्ड अपलोड किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि ये स्पष्ट किया जाए कि जो भी सोसायटी उक्त 60 दिवस की अवधि में पोर्टल पर रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करेगी, उनकी योजनाओं का नियमन नहीं किया जाए। 60 दिन में उक्त सूचना अपलोड करने के बाद किसी प्रकार के बदलाव का अधिकार नहीं हो। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा भी उक्त 60 दिवस की अवधि में उपलब्ध समस्त रिकॉर्ड अपलोड किया जाए। आर्य मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गृह निर्माण सहकारी समितियों के संबंध में बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सोसाटियों द्वारा पोर्टल पर सोसायटी का पंजीयन क्रमांक, योजना का नाम, खसरा नंबर तथा क्षेत्रफल, कुल प्लॉट्स की संख्या, ले-आउट प्लान आदि जानकारियां अपलोड किया जाना अपेक्षित है।

उन्होंने कहा कि उक्त 60 दिवस की अवधि के बाद पोर्टल पर आमजन की आपत्तियों अथवा दस्तावेज सहित सुझाव देने के लिए 30 दिवस का समय दिया जाए। इसके पश्चात आगामी 60 दिवस में जेडीए द्वारा सोसायटी द्वारा अपलोड रिकॉर्ड तथा आमजन की आपत्तियों के आधार पर लिए निर्णय को सार्वजनिक किया जाए। इस अवधि में समस्त योजनाओं का भौतिक सत्यापन तथा ड्रोन सर्वे कराया जाए। उक्त कार्यवाही के पश्चात जेडीए द्वारा सोसायटी की योजनाओं के नियमन शिविर लगाकर प्राप्त दस्तावेजों तथा पश्चातवर्ती कार्यवाही के आधार पर नियमानुसार नियमन किया जाए। बैठक में गृह विभाग के प्रमुख शासन सचिव अभय कुमार, सहकारिता विभाग के प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए. सावंत, नगरीय विकास के प्रमुख शासन सचिव कुंजीलाल मीणा, जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त गौरव गोयल और सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार मुक्तानंद अग्रवाल और ने भी अपने सुझाव दिए।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 63, राजीव नगर, मदनबाड़ी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

Jagruk Janta
जागरूक जनता
Digital Edition
/jagrukjantanews jagruk_janta /jagrukjanta
jagrukjanta.net
जयपुर, बुधवार, 30 जून, 2021
Reliable Weekly News Paper

जागरूक खबरें

मजदूर की बेटी के दिल में छेद का होगा इलाज: अभिनेता सोनू सूद ने 8 माह की बच्ची को मुंबई बुलाया

श्रीगंगानगर (सादुलाशहर) @ जागरूक जनता। फिल्म अभिनेता सोनू सूद मंगलवार को एक बार फिर इलाके के लोगों के लिए फरिश्ता बने हैं। उन्होंने एक आठ माह की बच्ची के इलाज के लिए सोशल मीडिया पर हुई अपील को गंभीरता से लिया। बच्ची को इलाज के लिए मुंबई बुलाया है। मंगलवार को बच्ची के माता-पिता उसे लेकर रवाना हुए। आठ माह की बच्ची के दिल में छेद है। वार्ड चार में रहने वाली इस बच्ची के पिता राजन श्रमिक हैं। वे बताते हैं कि उनका एक बेटा था, जो दिल की बीमारी से पीड़ित था। रुपए नहीं होने के कारण उसका इलाज नहीं करवा सके और उसकी मौत हो गई। इस बच्ची के इलाज के लिए ढाई लाख रुपए की जरूरत है। बच्ची के पिता के लिए इतनी बड़ी राशि का इंतजाम कर पाना संभव नहीं था। इस पर आजाद क्लब के सदस्य राजन के घर पहुंचे। इन लोगों ने राजन को विश्वास दिलाया कि वे उसकी बच्ची के उपचार के लिए प्रयास करेंगे और इससे संबंधित जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की। सोशल मीडिया पर शेयर की गई यह जानकारी सादुलशहर के कौशल सिंगल ने देखी। सिंगल ने इस जानकारी को सूद चैरिटी फाउंडेशन ग्रुप में शेयर की। इसके बाद 26 जून को सिंगल का संपर्क जोधपुर के हितेश जैन से हुआ। जैन ने इसकी जानकारी सोनू सूद को दी और सूद ने बच्ची का उपचार सूद चैरिटी फाउंडेशन से कराने का विश्वास दिलाया। अब शुक्रवार को बच्ची का इलाज होगा। बच्ची के माता-पिता का रेल टिकट कराया गया और उन्हें मंगलवार को मुंबई रवाना किया गया।

मिलिट्री स्टेशन के पास फिर ड्रोन एक्टिविटी

जम्मू के सुंजवान में उड़ता दिखा ड्रोन, तीन दिन में ऐसी तीसरी घटना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्रीनगर। जम्मू में सुंजवान मिलिट्री स्टेशन के पास सोमवार देर रात संदिग्ध ड्रोन नजर आया। कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि कुंजवानी और कालूचक इलाके में भी ड्रोन दिखा है, हालांकि अभी यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि तीनों जगह एक ही ड्रोन दिखा या ये अलग-अलग थे। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। बीते दिन दिन में यहां तीसरी ड्रोन एक्टिविटी है। इससे पहले शनिवार रात एयर फोर्स स्टेशन पर ड्रोन अटैक हुआ था। दूसरी घटना रविवार को हुई थी। इसमें कालूचक मिलिट्री स्टेशन के पास ड्रोन उड़ते देखे गए थे।

पाकिस्तान से कंट्रोल हो रहा ड्रोन

नेशनल सिक्योरिटी गार्ड की स्पेशल बम स्क्वॉड टीम एयर फोर्स स्टेशन ब्लास्ट की जांच कर रही है। अभी तक की जांच में RDX और TNT विस्फोटक पदार्थ इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि ड्रोन को बॉर्डर के दूसरी तरफ पाकिस्तान से कंट्रोल किया जा रहा था। हालांकि, एजेंसी लोकल हैंडलर के शामिल होने की बात को फोकस में रखकर भी जांच कर रही है।

गृह मंत्रालय ने NIA को सौंपी जांच

गृह मंत्रालय ने जम्मू एयरबेस में हुए ड्रोन हमले की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) को सौंप दी है। इससे पहले एयरपोर्ट अथॉरिटी, लोकल पुलिस और हस्त भी इस मामले की जांच कर रही थीं।

दो दिन पहले भी 2 ड्रोन नजर आए थे

जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन अटैक के दूसरे दिन जम्मू के ही कालूचक मिलिट्री स्टेशन पर 2 ड्रोन दिखाई दिए थे। सेना ने उन्हें गिराने के लिए फायरिंग की थी, पर वो अंधेरे में गायब हो गए। मिलिट्री ने पूरे इलाके में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन भी चलाया था। रविवार रात 11.30 बजे और फिर आधी रात 1.30 बजे अनमैन्ड एरियल व्हीकल (UAV) मिलिट्री बेस पर नजर आए थे।

देश में पहली बार ड्रोन से अटैक

दो दिन पहले शनिवार और रविवार की दरमियानी रात जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन से दो धमाके किए गए थे। इस हमले में एयरफोर्स स्टेशन की छत को नुकसान हुआ था और 2 जवान घायल भी हुए थे। ड्रोन के जरिए एयरबेस के भीतर दो IED गिराए गए थे। नुकसान ज्यादा नहीं हुआ। यह अपनी तरह का पहला हमला था। दोनों धमाके शनिवार आधी रात डेढ़ से दो बजे के बीच हुए। ब्लास्ट इंडियन एयरक्राफ्ट्स के करीब ही हुआ था। यह जगह इंटरनेशनल बॉर्डर से 14 किलोमीटर की दूरी पर है। जम्मू-कश्मीर के DGP दिलबाग सिंह ने इस हमले को आतंकी हमला बताया था। इस हमले के कुछ ही देर बाद लश्कर के एक आतंकवादी को 6 किलो विस्फोटक के साथ अरेस्ट किया गया था।

100 किलोमीटर तक रेंज, दिखते ही मार गिराना उपाय

वायुसेना के पूर्व वाइस चीफ एयर मार्शल रविकांत शर्मा का मानना है कि आतंकी हमले में ड्रोन का इस्तेमाल चिंताजनक है। ड्रोन के मामले में सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि छोटा और नीची उड़ान भरने के कारण रडार की पकड़ में नहीं आता। बहुत पास आने पर इसे देखा जा सकता है। यही कारण है कि ड्रोन के मामले में 'शूट टू किल' का SOP अपनाया जाता है। इसके लिए अमेरिका और इजराइल मिसाइलों का इस्तेमाल करते हैं। हम भी ड्रोन के हमले रोकने में पूरी तरह सक्षम हैं। ड्रोन की रेंज 5 से लेकर 100 किमी. तक हो सकती है। यह ड्रोन के पेलोड पर निर्भर है। ड्रोन के टुकड़ों से 24 घंटे में पता चल जाता है कि यह कितनी रेंज का था और कहां से उड़ान भरी होगी।

ऐसे हमलों की तैयारी में समय लगता है, पाक का हाथ संभव

पूर्व सेना मलिक जनरल वीपी मलिक के मुताबिक जम्मू एयरफोर्स स्टेशन सीमावर्ती क्षेत्र में है और इस घटना में बेशक पाकिस्तान का हाथ हो सकता है, लेकिन हम इस घटना को कश्मीर पर प्रधानमंत्री की पहल से जोड़कर नहीं देख रहे हैं। आतंकी हमलों की साजिश बहुत पहले से चल रही होती है। एयरफोर्स स्टेशन को निशाना बनाने के लिए वक्त चाहिए। कश्मीर में सक्रिय आतंकी गुटों की इतनी कुव्वत नहीं है कि इस तरह के हमले के बारे में सोच सकें। कश्मीर पर ताजा पहल हमारा अंदरूनी मामला है। पाकिस्तान और वहां सक्रिय आतंकवादी गुट भारत में विघ्न डालने से बाज नहीं आएंगे, इसका अंदाजा सुरक्षा तंत्र को है।

चीन और पाक को लेकर कही बड़ी बात

राजनाथ ने 63 प्रोजेक्ट का लद्दाख में किया उद्घाटन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख में अपने दौरे के दूसरे दिन 63 प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत की तरफ कोई आंख उठा कर नहीं देख सकता। उन्होंने कहा कि चाहे वो चीन हो या पाकिस्तान भारत अपनी रक्षा करना जानता है। रक्षा मंत्री का बयान ऐसे वक्त पर आया है जब कि देश में पहली जम्मू-कश्मीर में ड्रोन के जरिए हमला किया गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख में राजनीतिक प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए। पीएम ने जम्मू कश्मीर के नेताओं से पहले ही बात कर ली है और जल्द ही वह लद्दाख के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान और चीन को चेतावनी देते हुए कहा कि, हमको किसी ने आंख दिखाने की कोशिश की तो उसको मुंहतोड़ जवाब देने की कुवत हम में है। पहल हम नहीं करते, लेकिन कोई छेड़े तो हम छोड़ते भी नहीं है। राजनाथ सिंह ने इस दौरान आर्मी कैंप पहुंचकर सेना के जवानों का हौसला भी बढ़ाया। इस दौरान उन्होंने सेना के जवानों से बातचीत की और फोटो भी खिंचवाए। सिंह ने कहा कि हमारे जवान हर चुनौती का सामना करने में सक्षम।

कम हुईं आतंकी घटनाएं

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनाए जाने की मुख्य वजह आतंकवाद, सामाजिक और आर्थिक विकास का ना होना था। लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनाए जाने के बाद से यहां आतंकी घटनाए कम हो गई हैं। राजनाथ सिंह ने कहा- लद्दाख में वीरता के कई किस्से हैं। देश उन लोगों को कभी नहीं भूलेगा जिन्होंने इसके लिए अपनी जान दे दी। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत सरकार सशस्त्र बलों की सभी जरूरतों को पूरा करेगी।

लद्दाख के विकास के लिए उठाए कई कदम

केंद्र की ओर से लद्दाख के विकास के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिससे यहां निवेश बढ़े और यहां का इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हो। बता दें कि राजनाथ सिंह ने लद्दाख में बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन की ओर से 63 इंफ्रा प्रोजेक्ट को उद्घाटन किया है। इस मौके पर बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के विकास में कनेक्टिविटी सबसे बड़ी भूमिका निभाती है। बीआरओ ने इस दिशा में देश को जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

ऑल इण्डिया सर्विस रेजीडेन्सी (एआईएस) की लॉटरी

85 आईएएस, 30 आईपीएस को मिलेंगे लक्जरी फ्लेट्स

हल्दी घाटी मार्ग पर बनाये जाएंगे 180 लक्जरी फ्लेट्स

बचे हुए 31 फ्लैट्स के लिए भी एक माह में फिर से शुरू होगी योजना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए राजस्थान आवासन मण्डल की महत्वाकांक्षी योजना ऑल इण्डिया सर्विस रेजीडेन्सी (एआईएस) की प्रताप नगर वृत्त कार्यालय में लॉटरी निकाली गई। पहले चरण में 149 अधिकारी, आवेदकों के लिए लॉटरी निकाली गई है। अब बचे हुए 31 फ्लेट के लिए एक माह में फिर से योजना प्रारम्भ की जावेगी। आवासन आयुक्त पवन अरोडा ने बताया कि ऑल इण्डिया सर्विस रेजीडेन्सी (एआईएस) की लॉटरी निकाली गई। पहले चरण की लॉटरी कार्यालय की महिला चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बरजी देवी ने बटन दबाकर निकाली। पहले चरण में 149 अधिकारी, आवेदकों के लिए यह लॉटरी निकाली गई है। इनमें 85 आईएएस, 30 आईपीएस और अन्य अधिकारी शामिल है। शेष बचे हुए 31 फ्लेट के लिए अधिकारियों की मांग को देखते हुए लगभग 1 माह में पुनः योजना प्रारम्भ की जाएगी। उन्होंने बताया कि जयपुर प्रताप नगर एनआरआई कॉलोनी के पास हल्दी घाटी मार्ग पर अखिल भारतीय अधिकारियों के लिए लगभग 180 लक्जरी फ्लेट्स बनाये जा रहे है।

राजस्व मंडल का दर्जा घटेगा! बनेगा आयुक्तालय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्व मण्डल में खुला भ्रष्टाचार का भंडाफोड होने के बाद अब गहलोत सरकार राजस्व मंडल का दर्जा घटाने जा रही है। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसके बजाय सरकार प्रदेश में राजस्व आयुक्तालय बनाना चाह रही है ताकि आयुक्तालय के माध्यम से ही प्रदेशभर के तहसीलदारों के तबादले और राजस्व के अन्य प्रशासनिक काम हों सके। अभी ये कार्य राजस्व मंडल के माध्यम से होते हैं।

वकीलों के विरोध की तैयारी

उधर राजस्व मंडल के वकीलों को जब इस बारे में जानकारी हुई तो वे इसके विरोध में खड़े हो गए है। राजस्व मंडल बार एसोसिएशन भी लगातार इस मुद्दे पर सक्रिय हैं। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने वकीलों के एक प्रतिनिधि मंडल को 28 जून को जयपुर बुलाया है। इस मुलाकात में बार एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल राजस्व मंडल के दर्जे को घटाने और आयुक्तालय को लेकर बातचीत करेगा।

सीएस ने शुरु कराई प्रक्रिया

सूत्रों के अनुसार सीएम अशोक गहलोत के निर्देश पर मुख्य सचिव निरंजन आर्य की अध्यक्षता में गत 9 जून को इसके बारे में एक बैठक हो भी चुकी है। इस बैठक में राजस्व आयुक्तालय के गठन की प्रक्रिया पर विचार हुआ था। जानकारों ने बताया कि आयुक्तालय बनाने का निर्णय गहलोत सरकार ने तब लिया है, जब राजस्व मंडल में फैले भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ किया गया था। जांच पड़ताल के लिए मंडल के अध्यक्ष आर वेंकटेश्वरन के कक्ष को भी सील किया गया। मंडल के दो सदस्य मनोज नाग और सुशील शर्मा के साथ दलाल की भूमिका निभाने वाले वकीलों को भी पकड़ा गया। अब इस मामले में जांच ही चल रही है। कुछ माह पहले एसीबी ने राजस्व मंडल में भ्रष्टाचार का खुलासा किया था।

मोदी ने ड्रोन पॉलिसी पर शाह, राजनाथ और डोभाल से की चर्चा

नई दिल्ली/श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पिछले 72 घंटे के दौरान एयरफोर्स स्टेशन पर हुए ड्रोन हमले और दूसरी आतंकी गतिविधियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक हाई लेवल मीटिंग बुलाई। मीटिंग में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल मौजूद थे। इस मीटिंग में प्रधानमंत्री ने देश की ड्रोन पॉलिसी पर भी चर्चा की है। बैठक से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एयरफोर्स चीफ ने भी ब्रीफ किया। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में रक्षा क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों और सुरक्षा बलों को आधुनिक उपकरणों से लैस करने पर भी बातचीत हुई है। 26 जून से मंगलवार तक जम्मू-कश्मीर में तीन ड्रोन एक्टिविटी हो चुकी है। जम्मू में सुंजवान मिलिट्री स्टेशन के पास सोमवार देर रात संदिग्ध ड्रोन नजर आया। कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि कुंजवानी और कालूचक इलाके में भी ड्रोन दिखा है, हालांकि अभी पुष्टि नहीं हुई है कि तीनों जगह एक ही ड्रोन दिखा या ये अलग-अलग थे।

ANCHOR — एक जुलाई से शुरू होगा पौध वितरण

घर-घर होगा औषधि पौधों का वितरण

वन विभाग की नर्सरियों में तैयार हुए पौधे, घर घर औषधि योजना के तहत भी होगा पौध वितरण

जिला प्रशासन और नगर निगम की मदद से होगा पौधों का वितरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में मानसून दस्तक दे चुका है। हर साल की तरह एक बार फिर वन विभाग की ओर से पौध वितरण कार्यक्रम की शुरुआत होगी लेकिन इस नर्सरियों से पौध वितरण के अलावा घर घर औषधि योजना के तहत भी पौधे दिए जाएंगे हालांकि योजना के तहत पौध वितरण में वन विभाग नगर निगम और जिला प्रशासन का सहयोग लेगा। जानकारी के मुताबिक हर साल की तरह इस बार भी प्रदेश की नर्सरियों में एक करोड़ छायादार और फलदार पौधे तैयार किए गए हैं। सिर्फ जयपुर प्रादेशिक रेंज की पांच नर्सरियों में करीब 1 लाख से अधिक पौधे तैयार किए गए है। रेंज के तहत बालाजी नर्सरीए जवाहर नगर नर्सरीए सिल्वन नर्सरी, दहमी कला नर्सरी और कालवाड़ नर्सरी आती हैं। इन पाचों नर्सरियों पर तकरीबन एक लाख पौधों के वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इनमें नीम, चूरैल, शीशम, अरडू, सिरस, जामुन, बिल्वपत्र,अशोक, बड़ी पीपल, पपीता, अनार, अमरूद, आम के साथ ही फूलदार पौधों में गुलाब, मोगरा, बरान बेल, चांदनी, कनेर आदि पौधों की 60 से ज्यादा वैराइटी तैयार की गई हैं। साथ ही नर्सरियों में ऑर्नामेंटल पौधे विशेष तौर पर तैयार किए गए हैं। लोग नर्सरी से सुबह 9 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक पौधे खरीद सकेंगे। पौध वितरण सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। हालांकि महीने के द्वितीय शनिवारए रविवार और राज्य सरकार की ओर से घोषित राजपत्रित अवकाश के दिन पौधे नहीं मिलेंगे।

घर घर भी बांटे जाएंगे निशुल्क पौधे

इतना ही नहीं सरकार की घर घर औषधि योजना के तहत भी राजधानी जयपुर सहित राज्य भर में निशुल्क पौधों का वितरण किया जाएगा। इस पांच साल की योजना के तहत प्रदेश के 1 करोड़ 26 लाख 50 हजार परिवारों को 5 साल में तीन बार कुल 30 करोड़ 36 लाख औषधीय पौधे बांटे जाएंगे। 5 साल में हर परिवार को तीन बार में चार तरह के तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय और कालमेघ के कुल 24 पौधे मुफ्त मिलेंगे। वन विभाग की 565 नर्सरी में इन पौधों को तैयार किया गया है।

कई रोगों के उपचार में कारगर ये पौधे

कालमेघ : मधुमेह, खांसी, एनीमिया, पीलिया, बुखार आदि में।
कालमेघ : शरीर को ताकत मिलती है। सूजन कम करने के साथ दमा, खांसी, हृदय से जुड़ी तकलीफों मेंए गर्भवती महिला को पोषण देता है।
कालमेघ : पीलिया, लीवर और पेट की बीमारियों में लाभदायक। लीवर की समस्या में यह मुख्य औषधि है।
कालमेघ : यह एंटी ऑक्सीडेंट रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है।

योजना के प्रमुख उद्देश्य

प्रदेश में औषधीय गुण वाले पौधे अपने घरों में उगाने के इच्छुक लोगों को वन विभाग की पौधाशालाओं में उपलब्ध कराया जाना। इम्यूनिटी बढ़ाने तथा चिकित्सा के लिए उपयोगी औषधीय पौधों की उपयोगिता के बारे में बताकर आमजन को जागरुक करना। औषधीय पौधों के प्राथमिक उपयोग व बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग के सहयोग से प्रमाण आधारित जानकारी उपलब्ध कराना।

विभाग की नर्सरियों से पौध वितरण की तैयारियां की जा रही हैं। जयपुर प्रादेशिक रेंज की नर्सरियों में तकरीबन एक लाख पौधे तैयार किए गए हैं जो विभिन्न साइज के हैं। साइज के आधार पर कीमत तय की गई है। एक जुलाई से पौध वितरण शुरू कर दिया जाएगा।
जनेश्वर चौधरी, क्षेत्रीय वन अधिकारी, जयपुर प्रादेशिक

मौत के बाद भी पीछा नही छोड़ती पीबीएम की लापरवाही, परिजन लगा रहे निगम के चक्कर

जागरूक जनता ने खोली पीबीएम प्रशासन की पोल

सर्टिफिकेट या पर्चियों में नहीं लिखा जाता पूरा नाम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। कोरोनाकाल में पीबीएम की कई तस्वीरें सामने आई है जिससे आमजन व्याकुल हो उठा। पीबीएम प्रशासन की अलमस्त लापरवाहियों ने सैकड़ो को गहरे जख्म दिए है जो ताउम्र भर नही पाएंगे। वंही पीबीएम में ऐसे सच्चे कोरोना योद्धा भी शामिल है, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किये बगैर मरीजों को इस वायरस से बचाने में दिन-रात एक कर दिए, साथ ही अपनी ड्यूटी को लेकर बेहद गम्भीर है । लेकिन इनके किये कराए पर पीबीएम के कुछ कामचोर व आदतन मजबूर स्वास्थ्य कर्मचारी व अधिकारी पानी फेर रहे है यंहा बात कोरोनाकाल की ही नही हो रही है यह लापरवाहियां लंबे समय से चले आ रही है जिनको लेकर मरीजों के परिजनों द्वारा समय-समय पर हंगामा होता रहा है और बड़े शर्म के साथ यंहा लिखना पड़ रहा है कि आज भी पीबीएम में मरीजों के साथ खिलवाड़ हो रहा है और पीबीएम प्रशासन इन सब से बेखबर कुम्भकर्णी नींद ले रहा है। इस बार जो पीबीएम की बड़ी पोल खुलकर सामने आई है जंहा मौत के बाद भी पवित्र आत्माओं को जालिम पीबीएम चक्कर कटवा रहा है! जी हाँ,चोंकिये मत ! मामला कुछ इस तरह से है, पीबीएम में जब किसी की डेथ होती है तो उसकी डेथ सम्बंधित जानकारी नगर निगम को भेजी जाती है जंहा से मृतक का डेथ सर्टिफिकेट जारी होता है । लेकिन जो डिटेल पीबीएम द्वारा भेजी जाती है वह जानबूझकर आधी अधूरी भेज दी जाती है । जागरूक जनता ने जब निगम निगम ऑफिस जाकर इस मामले की पड़ताल की तो मौके पर पंजीयन लाइन में लगे आठ से दस केस ऐसे मिल गए जिनमे इस तरह का गड़बड़झाला साफ साफ दिख रहा था। तो हमने पीड़ितों से बात की ।

पहला केस डेथ सर्टिफिकेट से जुड़ा

कोलायत निवासी सागर पंचारिया ने बताया वह अपने दादाजी के डेथ सर्टिफिक्केट के लिए आवेदन करने आये थे । सागर ने बताया उनके दादाजी का आधार कार्ड में नाम उमाराम पंचारिया है और यही आइडेंटिटी हमने पीबीएम में जमा करवाई थी लेकिन लापरवाह पीबीएम ने नगर निगम में जो रिकॉर्ड भेजा है उसमें सिर्फ उमाराम नाम अंकित किया गया है ।

दूसरा केस जन्म प्रमाण पत्र से जुड़ा

गंगाशहर निवासी आशीष भाटी ने बताया कुछ दिन पहले उनकी पत्नी ने पीबीएम में बच्चे को जन्म दिया जिसका जन्म प्रमाण पत्र आवेदन के लिए वे नगर निगम में पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि पीबीएम से जो रिकॉर्ड आया है उसमें सिर्फ आशीष नाम ही दर्ज है । जबकि आधार में उनका नाम आशीष भाटी है । बाद में उन्होंने कोर्ट से शपथ पत्र निगम में पेश तब जाकर आवेदन जमा हुआ । यह तो एक मात्र उदाहरण के तौर पर आपको रूबरू करवाये है ऐसे कई केस निगम में रोजना आते है । निगम कर्मचारी भी पीबीएम की इस लापरवाही को लेकर खासा परेशान है उन्होंने बताया कि ये समस्या काफी सालों से चली आ रही है इस सम्बंध में हमने कई बार पीबीएम को अवगत करवा दिया लेकिन इस विकट समस्या का कोई हल नही निकल पाया । ऐसे में बड़ा सवाल है कि आखिर पीबीएम कब चेतेगा क्या इस तरह की लापरवाहियां करने का खुल्लमखुल्ला ठेका ले रखा है? आश्चर्य और ताज्जुब की बात है कि बीकानेर से दो प्रदेश में मंत्री व एक केंद्रीय मंत्री है बावजूद इतनी बड़ी समस्या आखिर इन मंत्रियों तक क्यो नही पहुंची या फिर ध्यान होते हुए इग्नोर किया जा रहा है । अगर वाकई में ऐसा है तो फिर तो फिर पीबीएम रामभरोसे है। जागरूक जनता की पीबीएम प्रशासन को साफ साफ नसीहत है साहब कुछ तो शर्म करो। कम से कम पवित्र आत्माओं के उनके हक का तो नाजायज फायदा मत उठाओ। बता दे,आज तक बीकानेर के किसी भी न्यूज़ एजेंसी ने इस गम्भीर समस्या की आवाज नही उठाई । जागरूक जनता ने इस दर्द को समझा और प्रमुखता से इसको प्रकाशित करने की ठानी । उम्मीद है इस समस्या का त्वरीत निदान होगा ।

इस लापरवाही का मुझे आपसे ही पता चला है, आज ही पता करवाता हूं,जो भी इस लापरवाही में शामिल पाया गया, उसको पाबंद करते हुए आवश्यक कड़ी कार्यवाही की जाएगी।
डॉ.परमिंद्र सिरोही, अधीक्षक पीबीएम अस्पताल,बीकानेर

अधिकारियों को सम्मानित करेगा जलदाय विभाग

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को मिलेगा अवार्ड

प्रति वर्ष 15 अधिकारी होंगे सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

दौसा। जलदाय विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल कनेक्शन पहुंचाने के टारगेट को पूरा कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 15 अधिकारियों को हर साल राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए जिला एवं संभाग स्तर पर अधिकारियों की उपलब्धियां के मूल्यांकन के लिए जलदाय विभाग द्वारा परफॉर्मेंस ऑडिट सिस्टम तैयार किया गया है। इसमें निर्धारित पैरामीटर्स के तहत अधिकारियों के वर्किंग प्रदर्शन का आंकलन किया जाएगा। विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मिशन के तहत प्रदेश के 43 हजार 362 गांवों के 101 लाख 32 हजार परिवारों को वर्ष 2024 तक हर घर नल कनेक्शन से जोड़ना प्रस्तावित है। इनमें से अब तक 20 लाख से अधिक परिवारों को नल कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। चालू वित्तीय वर्ष में भी प्रदेश में 30 लाख परिवारों को हर घर नल कनेक्शन की सुविधा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ऐसे में अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए यह मैकेनिज्म बनाया गया है।

कलेक्टर करेंगे मॉनिटरिंग

जिलों में जल जीवन मिशन की प्रगति की कलेक्टर द्वारा सघन मॉनिटरिंग की जाएगी। मिशन में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समितियों का गठन किया गया है। वहीं जलदाय विभाग के एसई के प्रदर्शन का आंकलन करने के लिए भी 4 पैरामीटर्स बनाए गए हैं। इन्हें टारगेट पूरा करने की स्थिति का आंकलन करते हुए मार्क्स दिए जाएंगे।

वर्किंग के आधार पर मिलेंगे नंबर

रैंकिंग सिस्टम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर प्रति वर्ष चार श्रेणियों में 2 संभागीय आयुक्त, 5 कलेक्टर्स, 3 अतिरिक्त मुख्य अभियंता और 5 अधीक्षण अभियंताओं का चयन किया जाएगा। इन चार श्रेणियों में अधिकारियों की दक्षता और कार्यकुशलता के मूल्यांकन के लिए अलग-अलग पैरामीटर्स निर्धारित किए गए है। इसके बाद इन्हें प्रति वर्ष सम्मानित किया जाएगा।

कोरोना योद्धाओं का किया सम्मान-पूनम छाबड़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना महामारी के खिलाफ पूरी दुनिया एकजुट होकर युद्ध लड़ रही है। हमारे डॉक्टर, नर्स, पुलिस, प्रशासन, मीडियाकर्मी और अन्य फ्रंटलाइन वॉरियर्स दिन रात मानव सेवा कर रहे हैं। इस महामारी से संक्रमित होकर बहुत से कोरोना योद्धाओं ने अपनी जान गवां दी है बाकी कोरोना योद्धा अपनी जान की बाजी लगा कर लगातार देश की सेवा कर रहें है।

जस्टिस फ़ॉर छाबड़ा जी संगठन ने यह निर्णय लिया है कि कोरोना योद्धाओं का सम्मान कर उनका मनोबल बढ़ाया जायेगा। इसी क्रम में डॉ. सतजीत सोंढ़ी जी, आशा राजावत जी एलएचवी वैक्सिंग डिपो इन्चार्च, शिल्पा जी ए. एन. एम. व समाज सेवी उम्मेद सिंह को जस्टिस फ़ॉर छाबड़ा संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा के द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

पूनम अंकुर छाबड़ा ने कहा सभी कोरोना योद्धा दिन रात देश की सेवा कर रहें हैं, वो अपनी जान की बाजी लगा कर हम सब की सेवा कर रहें है। ऐसे में इनका सम्मान होना जरूरी है अभी तक संगठन की ओर से ऑनलाइन 5000 से ऊपर सम्मान पत्र देकर कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया है।

डीजीपी, पुलिस कमिश्नर, डीसीपी को जार ने दिया ज्ञापन

पत्रकार पर फायर करने वाले हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पत्रकार हेमपाल गुर्जर पर जानलेवा हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी व पत्रकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर पुलिस महानिदेशक मोहन लाल लाठर, पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव व डीसीपी वेस्ट प्रदीप मोहन को ज्ञापन दिया गया। जार राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, प्रदेश महासचिव संजय सैनी ने ज्ञापन में बताया कि हमले में घायल हेमपाल गुर्जर रविवार रात को मोटर साइकिल से अपने घर जा रहे थे। दौलतपुरा के पास दो बदमाश मुकेश गुर्जर व एक अन्य ने हेमपाल की मोटर साइकिल के आगे अपनी मोटरसाइकिल लगाकर रोक लिया और उस पर हमला कर दिया। फिर उस पर पिस्टल से फायर कर दिया, लेकिन फायर चूकने से वह बच गए। चेहरे पर छर्रे लगने से घायल हो गए। घायल अवस्था में हेमपाल को छोड़कर बदमाश भाग गए। दोनों हमलावर बगवाड़ा गांव के बताए जाते है, जो काफी दिनों से हेमपाल गुर्जर पर हमले की फिराक में थे।

इस घटना की सूचना मिलने पर एसीपी चौमू व हरमाड़ा थानाधिकारी मौके पर पहुँचे। हेमपाल को हॉस्पिटल लेकर गए। नामजद रिपोर्ट देने के बाद भी हमलावर पकड़े नहीं जाने से पत्रकार समाज में गुस्सा है। हालांकि हमलावरों की तलाश में पुलिस टीमें लगी हुई है। ज्ञापन में हेमपाल गुर्जर के हमलावरों की शीघ्र गिरफ्तार करने और हेमपाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। हमलावरों की जल्द गिरफ्तारी नहीं होने पर संगठन द्वारा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उधर, एसीपी राजेन्द्र सिंह ने बताया कि गोली चलाने वाले बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम लगी हुई है। जल्द ही उनकी गिरफ्तारी हो जाएगी।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष सहित कंईयों को लिखा पत्र

जल ग्रहण परियोजनाा में घोटाले के आरोप, सोशल एक्टिविस्ट को किया जा रहा परेशान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। जल ग्रहण परियोजना में घोटाले के आरोपों के बीच अब सोशल एक्टिविस्ट ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष सहित जिले के पूर्व विधायकों और जिला परिषद सदस्यों को पत्र लिखकर इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस सम्बंध में सोशल एक्टिविस्ट और अधिवक्ता रणवीर आचार्य ने पत्र लिखते हुए बताया कि बीकानेर में जल ग्रहण योजना में बड़ा घोटाला हुआ है। जिसे जिला परिषद के अधिकारियों द्वारा दबाया जा रहा है। इस सम्बंध में आचार्य ने बताया कि मेरे द्वारा बीते करीब एक वर्ष से इस सम्बंध में कई उच्च अधिकारियों द्वारा पत्राचार करने के बाद भी किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं की जा रही है और ना इस योजना की जानकारी दी जा रही है।

आचार्य ने आरोप लगाते हुए बताया कि बीकानेर जिला परिषद के द्वारा जल ग्रहण योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में विकास कार्य, प्रशिक्षण,निशुल्क सामग्री बांटी जानी थी लेकिन जिला परिषद के भ्रष्ट अधिकारियों ने कागजों में ही खानापूर्ति करते हुए योजना का अनैतिक रूप से खुद को ही फायदा कर लिया ओर आपस में बांट लिया। आचार्य ने इस सम्बंध में नोखा के पूर्व विधायक नेता प्रतिपक्ष रहे रामेश्वर डूडी, कन्हैयाला झँवर और वर्तमान विधायक बिहारी लाल, खाजूवाला के विधायक गोविंद राम और पूर्व विधायक विश्वनाथ मेघवाल और जिला परिषद सदस्य सरिता चौहान के साथ-साथ श्रीडूंगरगढ़ विधायक गिरधारी महिया, पूर्व विधायक किशनाराम नाई,मंगलादार गोदारा को पत्र लिखकर जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है। आचार्य ने बताया कि उसके द्वारा दिए गए पत्रों पर कलक्टर द्वारा कमेटी का गठन किया गया लेकिन आज तक कमेटी द्वारा इस सम्बंध में ना तो आरोपित अधिकारियों पर कोई कार्रवाई की गयी और ना ही इस सम्बंध में दस्तावेजों को जप्त किया।

आचार्य ने शक जताते हुए बताया कि भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा अब घोटाले के कागजों में हेरफेर की जा रही है। जिसके चलते जांच कमेटी भी मौन धारण किए हुए है। इस सम्बंध में आचार्य ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारी उसे चैलेंज रूप में कहते है कि हमारा तुम कुछ नहीं बिगाड पाओगें क्योंकि इस घोटाले की रकम ऊपर तक पहुंची हुई है।

सहकारिता मंत्री ने किया डेयरी परिसर का अवलोकन, किया पौधरोपण

नवनिर्वाचित डेयरी चेयरमैन बद्रीलाल जाट को दी बधाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने चित्तौड़गढ़-प्रतापगढ़ दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ का अवलोकन कर डेयरी परिसर में पौधारोपण भी किया। सहकारिता मंत्री आंजना ने नवनिर्वाचित डेयरी चेयरमैन बद्रीलाल जाट जगपुरा को बधाई दी व औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण करवाया। इस दौरान एक छोटे कार्यक्रम में आंजना ने कहा कि कोरोना काल के चलते डेयरी का अवलोकन करने के लिए अल्प समय में करने प्रोग्राम रखा गया था। लेकिन सभी कार्यकर्ताओं का प्यार देखते हुए इस तरह का आयोजन हुआ है। उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित डेरी चेयरमैन बद्रीलाल जाट युवा है इनकी युवा सोच डेयरी संघ को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

कार्यक्रम में नवनिर्वाचित डेरी चेयरमैन बद्रलाल जाट जगपुरा ने जानकारी देते हुए बताया, कि वर्तमान में चित्तौड़गढ़ डेयरी संघ द्वारा 90 हज़ार लीटर दूध का कलेक्शन किया जा रहा है। जिनमें से 60 हज़ार लीटर दूध की सेल हो रही है। बाकी के 30 लीटर से घी, पाउडर व अन्य उत्पाद बनाकर बेचे जा रहे हैं। कोरोना काल की वजह से लगभग 1 वर्ष में घी, पाउडर व अन्य उत्पादों की बिक्री कम होने की वजह से 17 करोड़ का स्टॉक डेयरी में ही पड़ा है। लेकिन फिर भी डेयरी विक्रेताओं का सभी भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दो माह पहले चित्तौड़गढ़ व भीलवाड़ा डेयरी की खरीद दर में 5 रुपये लीटर का अंतर था जो अब मात्र 1 रुपये का रह गया है।

उन्होंने सहकारिता मंत्री से पाउडर प्लांट लगाने के लिए अलग से भूमि का आवंटन करवाने का आग्रह किया, जिस पर सहकारिता मंत्री आंजना ने जल्द ही भूमि आवंटन कर बजट लाने का आश्वासन दिया। इस दौरान पूर्व विधानसभा सुरेंद्र सिंह जाड़ावत, उपप्रधान मनोहर लाल आंजना, डेयरी प्रबंध संचालक नटवर सिंह चूंडावत, संचालक मंडल सदस्य भारत आंजना, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रेमप्रकाश मूंदड़ा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष त्रिलोकचंद जाट सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसान नेता गणपत सिंह का राजपूत समाज ने किया स्वागत अभिनंदन

दूसरी बार भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष बनने पर हुआ स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। किसान नेता व आमजन में मिलनसार भाजपा के नेता गणपत सिंह राठौड़ का किसान मोर्चा के दोबारा जिलाध्यक्ष बनने के अवसर पर राजपूत समाज के गणमान्य लोगों ने भव्य स्वागत अभिनंदन करके हौसला अफ़जाई किया। साथ ही राठौड़ को आग्रह किया कि किसान हितों को लेकर सदैव तत्पर रहें ताकि देश का अन्नदाता अपनी समस्याओं को शासन प्रशासन तक पहुंचाकर समाधान कर सके। समाज के आग्रह को सहर्ष स्वीकार करते हुए राठौड़ ने आमजन को आश्वस्त करते हुए बताया कि किसानों की हर समस्या का जल्द समाधान हो उसको लेकर में अपने स्तर पर सदैव प्रयत्नशील रहूंगा ओर पार्टी के आलाकमान तक समस्याओं से अवगत करवाकर समाधान करवाया जाएगा।

राठौड़ दूसरी बार बने भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष

गणपत सिंह राठौड़ को भाजपा आलाकमान ने दूसरी बार सिरोही जिले की किसान मोर्चा की कमान सौंपी है। वही राठौड़ ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पुनिया व किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष के साथ सिरोही भाजपा जिलाध्यक्ष नारायण पुरोहित का भी आभार व्यक्त किया है और कहा कि सबके सहयोग से ही दोबारा सेवा का अवसर मिला जिस पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करूंगा।

गणपत सिंह का राजपूत समाज ने बढ़ाया हौसला

राजपूत समाज के द्वारा किसान मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनने माला द्वारा शानदार स्वागत किया गया। सम्मान देकर मेरा हौसला साथी जनहितार्थ सदैव अग्रणी रहने को लेकर भी सिंह को आग्रह किया।

स्वागत के दौरान इनकी रहीं मौजूदगी

जावाल ठाकुर साहब रामवीर सिंह, नवरा ठाकुर साहब नरपत सिंह, करनी सेना जिलाअध्यक्ष, नारायण सिंह, राष्ट्रीय करनी सेना सिरोही जिला अध्यक्ष सुजान सिंह, राजेंद्र सिंह मुंडी, पूरण सिंह सरपंच बागसीन, नरपत सिंह राणावत, हरदयाल सिंह अणगोर, पपसा अन्दोर, मलमल सिंह, गणपत सिंह निबोरा, दीपेन्द्र सिंहपीथा पूरा, सुरेन्द्र सिंह, रोडाखेड़ा, गंगा सिंह कालन्द्री, नारायण सिंह देलदर, अजित सिंह निबोड़ा, वीरेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, लोकेन्द्र सिंह राणावत, हड़मत सिंह नवरा, पपसा रुखाड़ा चन्दन सिंह वीरवाड़ा हरी सिंह महिपाल सिंह जसोल देवेन्द्र सिंह ज उमेद सिंह उपस्थित रहे।

जागरूक खबरें

पीसीसी सदस्य चांदराई ने किया क्षेत्र का दौरा जाने हालात

भीनमाल @ जागरूक जनता। पीसीसी सदस्य व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी उमसिंह चांदराई ने विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर क्षेत्र के हालातों से रूबरू हुए। चांदराई ने सांचौर के पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी के घर शोक सभा में शामिल हुए उसके बाद बिजरोल खेड़ स्थित श्री खेतेश्वर जन्मस्थली मंदिर में दर्शन कर क्षेत्र में खुशहाली की कामना की तत्पश्चात विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों का दौरा कर लोगों की समस्या सुनी एवं निस्तारण करवाने का आश्वासन दिया तथा राज्य की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत करवाते हुए ग्रामीणों को अधिकाधिक सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की बात कही गई। वहीं शहर की नगरपालिका अध्यक्ष से मिलकर शहर के हालात जानें। इस दौरान नगर पालिका प्रतिनिधि सुरेश बोहरा, एडवोकेट श्रवण ढाका, पार्षद प्रतिनिधि भूपेंद्र माली, दिनेश विश्नोई, राजाराम देवासी, रविन्द्रसिंह ऊमट व रूपाराम मेघवाल सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत के समर्थन में प्रदर्शन

जयपुर @ जागरूक जनता। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के समर्थकों ने कांग्रेस के महेश जोशी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कुछ दिनों से महेश जोशी केंद्रीय मंत्री को अनर्गल टिप्पणियां करते हुए अपमानित कर रहे हैं आज सुबह 11 बजे भाजपा नेता प्रेम सिंह बनवासा के नेतृत्व में भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय से सिविल लाइन फाटक तक महेश जोशी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया एवं फाटक पर महेश जोशी का पुतला जलाया गया। प्रेम सिंह बनवासा ने कहा कि कुछ दिनों से सरकार के नुमाइंदे और मुख्य सचेतक महेश जोशी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के विरोध में अपमानजनक शब्दों का उपयोग कर रहे हैं तथा महेश जोशी दिल्ली पुलिस के सामने पेश होने की बजाय दूसरों पर अभद्र भाषा का उपयोग कर रहे हैं उसके विरोध में यह प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन में भाजपा नेता कौशल शर्मा संजय जांगिड़ हिम्मत सिंह रोहिणा, बंटी शर्मा, प्रवीण यादव, शक्ति सिंह राजावत, अखिलेश दुबे, राम सिंह राठौर, अनिल बागड़ा, विक्रम सिंह उदयपुरवाटी, राम सिंह तारपुरा, योगेंद्र सिंह सुराणा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

51 पौधे लगाकर मनाया 1 साल की बच्ची का जन्मदिन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजधनी जयपुर में राजस्थान पुलिस में कार्यरत सिपाही रवि गौत्तम ने अपनी बच्ची पूर्विका गौत्तम का जन्मदिन कुछ अलग अंदाज में मनाया। पिता रवि गौत्तम ने बताया की 28 जून को पूर्विका गौत्तम 1 साल की हो गई है जिसको लेकर आज पुलिस आवासीय कॉलोनी जालूपुरा में दरबार सेवा संकुल विकास समिति द्वारा 51 पौधे लगाकर जन्मदिन मनाया। समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया की पुलिस आवासीय कॉलोनी में करीब 15 सालों में पहली पौधे लगाकर जन्मदिन मनाया है और आज से इस पहल की शुरुआत भी की गई है क्युकी पेड़ पौधे व्यक्ति के जीवन के लिए अधिक महत्वपूर्ण हैं। वही समिति के उपाध्यक्ष मोहम्मद सईद ने बताया की पुलिस आवासीय कॉलोनी जालूपुरा में सिपाही रवि गौत्तम की बच्ची पूर्विका गौत्तम का 51 पेड़ लगाकर जन्मदिन मनाया व सभी ने पौधरोपण कर इनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी ली।

ANCHOR निकायों के जमीन आवंटन के अधिकार बढ़ाए

राजस्थान में निवेश करने वाले संस्थानों को जल्द जमीन मिलेगी, आम लोगों के लिए खुलेंगे सरकारी गेस्ट हाउस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जमीन आवंटन की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए अब निकायों को ज्यादा अधिकार मिलने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में हुई मंत्री परिषद की बैठक में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में अलग-अलग कामों के लिए जमीन आवंटन नीति-2015 में संशोधन किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। स्थानीय निकाय अब अपने स्तर पर जमीन आवंटित कर सकेंगे। अब निवेश करने वाले प्रीमियर संस्थानों को जमीन का आवंटन आसानी से और जल्द होगा। निवेश करने वालों को शहरी निकाय स्तर पर ही जमीन आवंटन की मंजूरी मिलने से समय बचेगा। राज्य स्तर पर अब जमीन आवंटन के बहुत कम मामले जाएंगे। शहरों में जमीन आवंटन का काम अब आसानी से और जल्दी होगा। उधर, मंत्री परिषद ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों के सातवें वेतनमान में वेतन निर्धारण को मंजूरी दी है।

राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी के अधीन

मंत्री परिषद ने केन्द्रीय प्रवर्तित योजना के तहत प्रदेश में मंजूर मेडिकल कॉलेजों और भविष्य में आने वाले सभी नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों का संचालन राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी (राजनेस) के अधीन करने का फैसला किया है। केंद्र सरकार की योजना के दूसरे और तीसरे फेज मेंधौलपुर,बारां, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर, करौली, नागौर, सिरोही, बूंदी, सवाईमाधोपुर, टोंक, हनुमानगढ़, झुंझुनू, दौसा, अलवर और श्रीगंगानगर में मेडिकल कॉलेज बनने हैं।

राजकीय अतिथि गृह योजना-2021 को मंजूरी

मंत्री परिषद ने राजकीय अतिथि गृह योजना-2021 को मंजूरी दी है। सरकारी गेस्ट हाउसों में पर्यटकों को ठहरने की अनुमति दी जाएगी। पहले फेज में प्रमुख पर्यटन केंद्रों और इकोलॉजिकल साइट्स पर मौजूद पीडब्ल्यूडी, वन विभाग जल संसाधन विभाग के गेस्ट हाउस में पर्यटकों को ठहरने की सुविधा दी जाएगी। बाद में अन्य विभागों के गेस्ट हाउस भी इस योजना से जोड़े जाएंगे।

14 नवंबर को मिलेगा सम्मान

बाल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए नेहरू बाल संरक्षण पुरस्कार नियम लागू करने को मंजूरी दी गई। राज्य सरकार यह पुरस्कार बाल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, भामाशाहों और बाल देखरेख संस्थान संचालित करने वाली संस्थाओं को हर साल बाल दिवस के दिन 14 नवम्बर को दिया जाएगा। इसमें कुल 9 पुरस्कार दिए जाएंगे।

आवेदन, भुगतान प्रक्रिया के सरलीकरण का प्रयास

मंत्री परिषद ने सामूहिक विवाह आयोजनों में आवेदन व भुगतान प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह अनुदान योजना-2021 को लागू करने की मंजूरी दी है। इससे लाभार्थियों और आयोजक संस्थाओं को योजना का लाभ आसानी से मिल सकेगा। बैठक में समेकित बाल पुनर्वास केन्द्र संचालन दिशा-निर्देश-2021 लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

जागरूक खबरें

महावीर इंटरनेशनल हुबली शाखा द्वारा वृक्षारोपण कर मनाया वनमहोतशाव

हुबली @ जागरूक जनता। महावीर इंटरनेशनल हुबली शाखा द्वारा निकटवर्ती कुंडगोल टाउन में वृक्षारोपण कर वन महोतशाव मनाया गया। कुंडगोल के पुलिस स्टेशन में पुलिस इंस्पेक्टर देशनूर, महावीर इंटरनेशनल कर्नाटक राज्य मंत्री मगराज भलगट, हुबली शाखा अध्यक्ष प्रकाश बाफना, पूर्व अध्यक्ष महावीर पालरेचा, कार्यदर्शी केसरीचंद गोलछा, कोषाध्यक्ष अनिल सुराणा द्वारा वृक्षारोपण कर वनमहोतशाव का आगाज किया गया। इस अवसर पर सुभाष डंक, समाजसेवी रमेश कोप्पद, पूर्व पार्षद सलीम सहित अन्य उपस्तिथ थे ।

अधिवक्ता अरिहन्त चौपड़ा प्रताप सेना के विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नियुक्त

पाली @ जागरूक जनता। हिंदी, हिंदुस्तान, गोवंश व धार्मिक स्थलों आदि की रक्षार्थ कार्य करने वाली सामाजिक संस्था प्रताप सेना के अध्यक्ष व संस्थापक दशरथ सिंह पंवार, राष्ट्रीय महासचिव महेश सोलंकी व राजस्थान राज्य उपाध्यक्ष उम्मेद सिंह बीका ने जोधपुर सम्भागीय अध्यक्ष अधिवक्ता कौशल शर्मा की अनुशंसा पर प्रताप सेना पाली के विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष पद पर अधिवक्ता अरिहन्त चौपड़ा को नियुक्त किया है । अधिवक्ता चौपड़ा लेखक व समाजसेवी भी है तथा इन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत भर में सभी धर्मों के हजारों की तादाद में तीर्थ स्थलों की यात्रा की है। अधिवक्ता चौपड़ा की नियुक्ति पर साथी अधिवक्ता भागीरथ सिंह राजपुरोहित, मनोज बैरवा, आशीष अरोड़ा, अग्निमित्र चौहान, चन्द्रगुप्त चौहान, प्रवीण साहू, नम्रता टांक , उषा चौहान, तृप्ति चौपड़ा गुंदेचा ने खुशी ज़ाहिर की।

अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

बीकानेर @ जागरूक जनता। बीजेएस रामपुरिया जैन कॉलेज, बीकानेर द्वारा 10 नोन कमांडमेंट विषय पर एक अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता अमेरिका की एक नामचीन संचार कंपनी के मुख्य अभियंता रोहित माथुर थे। माथुर आई.आई. टी. बॉम्बे के पूर्व छात्र हैं तथा पिछले दो दशक से ज्यादा से अमेरिका में कार्यरत है तथा एक ख्यातिनाम आध्यात्मिक गुरु भी हैं। माथुर ने मानव जीवन की असीम क्षमताएं तथा उन क्षमताओं का पूर्ण इस्तमाल करके हर लक्ष्य को प्राप्त करने का मंत्र सभी प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उन्होने बताया की कैसे हम प्रकृति के पास जाकर भी खुशियाँ ढूंढ सकते हैं तथा नियमित तौर पर हमे पेड़-पौधों के समीप जाना चाहिए, फूलों की खुशबू लेना चाहिए तथा मानसून की बारिश का आनन्द भी लेना चाहिए। चिंताओं को छोड कर जो हमारे पास है उसके लिए हमे ईश्वर का धन्यवाद् करना चाइये तथा जीवन के प्रती हमे अनुशासित एवं सजग रहना चाहिए। जीवन में दुःख आता जाता रहता है तथा बिना दुःख की अनुभूति करे सुख में अंतर्लीन होना संभव नहीं होता। वक्ता ने सभी को नियमित रूप से हँसते रहने, शारीरिक व्यायाम करने तथा अपने जीवन में अन्य लोगों के प्रति कृतज्ञ रहने को कहा। कोरोना की इस वैश्विक महामारी के समय में ध्यान एवं योग की सहायता से स्वयं को शांत, खुश तथा उत्साहित रखने के बारे में व्यावहारिक उदाहरण देते हुए भी माथुर ने अपने विचार साझा किये। वेबिनार उपसंहार पर माथुर ने सभी को हर काम आनंद के साथ करने और खुश रहने की सलाह दी। वेबिनार मे विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों के साथ ही बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी तथा फिलीपींस के 425 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पंकज जैन ने की तथा संचालन सहआचार्य पूजा राखेचा ने किया।

विद्यालय में किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण व जनचेतना की जगाई अलख

पाली @ जागरूक जनता। रोहट के ग्राम पंचायत कलाली के द्वारा निकटवर्ती रामपुरा गांव की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। तथा पर्यावरण संरक्षण व जनचेतना की अलख जगाने का प्रयास किया, इस अवसर पर विद्यालय परिसर में 51 पौधे लगाए गए और उनके देखरेख की जिम्मेदारी प्रत्येक व्यक्ति ने ली। वार्ड पंच व कांग्रेस युवा नेता धन्नाराम लोहार ने बताया कि पर्यावरण जनचेतना व संरक्षण के लिए आमजन को सचेत रहने की जरूरत है। वर्तमान समय में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में 51 सदस्यों की सहभागिता रही। इस दौरान वार्ड पंच व कांग्रेस नेता धन्नाराम लोहार, मोडाराम बावरी, दिनेश सैन, कालूराम सरगरा, लाबुराम बावरी, भलाराम बावरी, पिस्ता, लीला, भगवान सुथार, दुर्गा शंकर,शारदा, हेमन्त साटिया, आदि मौजूद रहे।

प्रधानाचार्य हीरा खत्री ने अपने जन्मदिन पर पौधारोपण किया

सिरोही @ जागरूक जनता। विश्व पर्यावरण संरक्षण मिशन की प्रेरणा से प्रधानाचार्य हीरा खत्री ने अपने जन्मदिन पर पौधारोपण किया ।मिशन के प्रदेश कार्यक्रम प्रमुख गोपालसिंह राव ने बताया कि मिशन की प्रेरणा से बालिका विद्यालय का स्टाफ अपने जन्मदिन तथा अपने परिवार के सदस्यों पर पौधारोपण कर रहा है। प्रधानाचार्य खत्री ने 9 फीट का पवित्र पौधा मोलश्री लगाया। पौधारोपण कार्यक्रम में वृक्षारोपण प्रभारी देवीलाल, विश्व पर्यावरण संरक्षण मिशन के प्रदेश कार्यक्रम प्रमुख गोपालसिंह राव, गाइडर इंदिरा खत्री, सहायक प्रशासनिक अधिकारी इंदर सिंह चौहान, शांतिलाल खत्री, कल्पना चौहान, किंजल खत्री (रानू), साक्षी खत्री, शेफाली सिंह गहलोत, कीर्तन पाल सिंह राव, भानु प्रताप सिंह राव, पुखराज शवंचा, अनिल कलावंत आदि उपस्थित रहे ।

नई दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का होगा गठन

गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा डेयरी नेटवर्क

पहले चरण में होंगे 5 हजार डेयरी बूथ आवंटित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य के डेयरी नेटवर्क को गांव-गांव तक पहुंचाते हुए प्रदेश के पशुपालकों को दूध का लाभकारी मूल्य दिलाने के साथ ही डेयरी उत्पादों के विपणन नेटवर्क को विस्तारित किया जाएगा। इसके लिए जहां प्रदेश में नई दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का गठन किया जाएगा, वहीं पहले चरण में 5 हजार डेयरी बूथों का प्राथमिकता से आवंटन किया जाएगा।

माइंस व गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में खेती के साथ ही पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने डेयरी नेटवर्क को विस्तारित करने पर जोर दिया है और अधिक से अधिक युवाओं को इससे जोड़कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 44 हजार राजस्व गांव है और मुख्यमंत्री गहलोत की मंशा के अनुसार डेयरी नेटवर्क को ग्राम स्तर तक जोडने के लिए रोडमेप तैयार कर उसका क्रियान्वयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री गहलोत का सपना है कि राज्य का सहकारी डेयरी आंदोलन देश का अग्रणी आंदोलन बने और समूचे देश में हमारे डेयरी उत्पादों की पहुंच और पहचान हो। उन्होंने जिला संघों के अध्यक्षों से आग्रह किया कि हमें मुख्यमंत्री की भावना के अनुरुप आगे बढने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। भाया ने कहा कि दूध और दूध उत्पाद सीधे आम आदमी के स्वास्थ्य से जुड़े हुए हैं ऐसे में प्रदेशवासियों को शुद्ध दूध उपलब्ध कराने के लिए शुद्ध के लिए युद्ध अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज सरस उत्पादों की पहचान है और सरस दूध के साथ ही छाछ, पनीर सहित अन्य उत्पादों की घर घर में मांग बढ़ी है। ऐसे में हमें दूध और इससे जुड़े अन्य उत्पादों के विपणन व्यवस्था में आधुनिक तकनीक के उपयोग, सहज उपलब्धता और व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल देना होगा। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र में नवाचारों की विपुल संभावनाएं हैं और हमें नवाचारों को अपनाने और प्रोत्साहित करने के लिए तत्पर रहना होगा। माइंस व गोपालन मंत्री भाया ने कोरोना महामारी के कारण पिछले एक साल से भी अधिक समय से प्रभावित हालातों में लाकडाउन जैसी स्थिति में भी दूध संकलन और वितरण व्यवस्था के सफलतापूर्वक संचालन के लिए जिला संघों व आरसीडीएफ के पदाधिकारियों, अधिकारियों व कार्मिकों की सराहना की। डेयरी समितियों द्वारा पशुपालकों को अन्य सुविधाओं के साथ ही गुणवत्तायुक्त पशुआहार उपलब्ध कराया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि हमें दोहरे स्तर पर काम करना होगा, जिसमें एक और दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने, सुचारु दूध संकलन व्यवस्था और पशुपालकों को निजी डेयरी संचालकों के शोषण से बचाकर लाभकारी मूल्य दिलाने और दूसरी और दूध सहित डेयरी उत्पादों की सहज उपलब्धता सुनिश्चित कर आमलोगों को सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि परस्पर सहयोग व समन्वय से यह संभव हो पाएगा।

कार्यपरिषद की बैठक : नई तकनीक से संस्कृत विवि में होगा शोध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक हुई। कुलपति डॉ.अनुला मौर्य की अध्यक्षता में हुई बैठक में संस्कृत भाषा के प्रोत्साहन और विश्वविद्यालय के विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। नए पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ ही संस्कृत में निहित ज्ञान विज्ञान के प्रसार के लिए आयुर्वेद विश्वविद्यालय और तकनीकी विश्वविद्यालय से एमओयू किए जाने का निर्णय लिया गया। पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए विश्वविद्यालय विशेष प्रयास करेगा। विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सातवें वेतनमान के परिलाभ दिए जाने और करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत पदोन्नत किए जाने के फैसले भी लिए गए। बैठक में कॉलेज शिक्षा आयुक्त संदेश नायक, राज्य सरकार के प्रतिनिधि प्रो. रामकिशोर शास्त्री, शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. सुभाष शर्मा और कुलसचिव सुरेंद्र सिंह यादव समेत कई सदस्य वर्चुअली और प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहे।

प्रान्तव्यापी आन्दोलन को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा

राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) ने बजाया आन्दोलन का बिगुल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) की प्रान्तीय कार्यकारिणी, जिलाध्यक्ष एवं जिलामंत्री की संयुक्त वर्चुअल बैठक संगठन के प्रदेशाध्यक्ष महावीर सिहाग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शिक्षकों की ज्वलंत मांगों को लेकर स्थाई समिति की बैठक में आन्दोलन के लिए गये निर्णय को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में शामिल सभी सदस्यों ने आन्दोलन को मजबूती से धरातल पर लागू करने का निर्णय लिया। प्रदेश संघर्ष समिति संयोजक यादवेन्द्र शर्मा ने वताया कि प्रदेश की वर्तमान सरकार के कार्यकाल को ढाई वर्ष से अधिक समय हो गया है। संगठन ने समय समय पर धरना-प्रदर्शन एवं ज्ञापन के माध्यम से सरकार का ध्यान शिक्षकों की वाजिब मांगों की ओर आकर्षित किया है लेकिन सरकार ने शिक्षकों की मांगों की ओर कोई ध्यान नही दिया है जिससे प्रदेश के शिक्षकों में सरकार के खिलाफ रोष है। इसलिए संगठन की प्रान्तीय बैठक में पारदर्शी एवं स्थाई स्थानांतरण नीति बनाकर सभी संवर्ग के शिक्षकों के स्थानांतरण करने, कोविड-19 की आड में महगाई भत्ते पर लगाई गई रोक को अविलंब हटाने, नयी पैशन योजना के स्थान पर पुरानी पैशन योजना लागू करने एवं शिक्षकों को 7,14,21,28 वर्ष की सेवा पर चयनित वेतनमान दिए जाने सहित शिक्षकों की 16 सूत्रीय मांगों को लेकर आन्दोलन का ऐलान किया गया है। प्रदेश मंत्री श्रवण पुरोहित ने कहा कि आन्दोलन के प्रथम चरण में 01.07.2021 को जिला कलेक्टर्स के माध्यम से आंदोलन का नोटिस दिया जायेगा। आन्दोलन के द्वितीय चरण में 3 - 4 - 5 जुलाई, 2021 को ट्विटर अभियान चलाया जायेगा । प्रदेश उप सभा अध्यक्ष केसरा राम गोदारा ने बताया कि आन्दोलन के तृतीय चरण में 09.07.2021 को सीबीईओ के माध्यम से आंदोलन का नोटिस दिया जायेगा। प्रदेश संयुक्त मंत्री सोहन गोदारा ने बताया कि आन्दोलन के चतुर्थ चरण में 10 से 18 जुलाई, 2021 को विधायकों को ज्ञापन दिये जायेंगे। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रेवंत राम गोदारा ने बताया कि आन्दोलन के पांचवे चरण में 15.07.2021 को विद्यालय स्तर पर भोजनावकाश समय में मांगों के प्लेकार्ड, पोस्टर तथा बैनर के साथ विद्यालय द्वार पर संक्षिप्त विरोध सभा की जायेगी तथा साथ ही अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी संयुक्त महासंघ के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत महासंघ के मुद्दों को भी उठाया जाएगा। आन्दोलन के छटवे चरण में 26.07.2021 को प्रदेश के ब्लॉक मुख्यालयों पर धरना/प्रदर्शन कर ज्ञापन दिए जायेंगे। जिला संयोजक संघर्ष समिति भंवर पोटलिया ने बताया कि आन्दोलन के सातवे चरण में 03.08.2021 को जिला मुख्यालयों पर विशाल धरना/ विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन दिए जायेंगे। तथा आन्दोलन के आठवे चरण में अगस्त द्वितीय पखवाड़ा या सितंबर के प्रारंभ में राज्य स्तरीय रैली की जायेगी।

जिलाध्यक्ष संजय पुरोहित एवं जिलामंत्री शिव शंकर गोदारा ने कहा कि आन्दोलन की तैयारी के लिए 28 जून से सम्भाग वार बैठक आयोजन के क्रम में बीकानेर संभाग की वर्चुअल बैठक 28 जून दोपहर 3:00 बजे आयोजित की जाएगी। जिसमें बीकानेर जिले की जिला कार्यकारिणी एवं उपशाखाओं के अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष, संयोजक संघर्ष समिति एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के सभी सदस्य आवश्यक रूप से भाग लेंगे तथा आन्दोलन को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी दिवस पर हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब के लोगों को बीएमडी क्लब ने ऑनलाइन वेबीनार के माध्यम से किया जागरूक

युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा नशे की लत से पीड़ित-जयवीर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

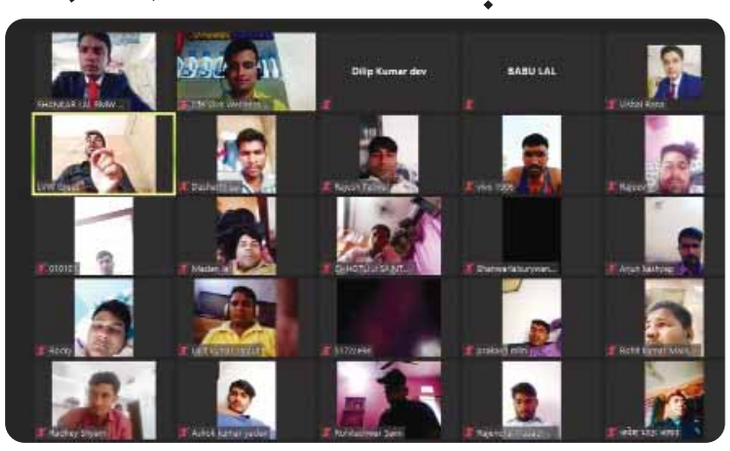

जयपुर। समाज से नशे को दूर करने के लिए सामाजिक संस्था बीएमडी क्लब व लाइफ विवा वेलनेस ने संयुक्त रुप से अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी दिवस पर हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब के लोगों को ऑनलाइन वेबीनार के माध्यम से जागरूक किया। वेबीनार में सभी को नशा मुक्त करने की शपथ भी दिलाई गई। इस ऑनलाइन वैबीनार में मुख्य अतिथि जयवीर कुमार व विशिष्ट अतिथि बीएमडी क्लब के चेयरमैन लक्की सीगड़ा रहे। मुख्य अतिथि जयवीर कुमार ने वेबीनार में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है जो हमारे समूल जीवन को नष्ट कर देती है। नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति परिवार के साथ समाज पर बोझ बन जाता है। युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा नशे की लत से पीड़ित है। सरकार इन पीड़ितों को नशे के चुंगल से छुड़ाने के लिए नशा मुक्ति अभियान चलाती है, शराब और गुटखे पर रोक लगाने के प्रयास करती है। नशे के रूप में लोग शराब, गाँजा, जर्दा, ब्राउन शुगर, कोकीन, स्मैक आदि मादक पदार्थों का प्रयोग करते हैं। जो स्वास्थ्य के साथ सामाजिक और आर्थिक दोनों लिहाज से ठीक नहीं है। नशे का आदी व्यक्ति समाज की दृष्टी से हेय हो जाता है और उसकी सामाजिक क्रियाशीलता शून्य हो जाती है। फिर भी वह व्यसन को नहीं छोड़ता है। धूम्रपान से फेफड़े में कैंसर होता हैं। वहीं कोकीन, चरस, अफीम लोगों में उत्तेजना बढ़ाने का काम करती हैं। जिससे समाज में अपराध और गैरकानूनी हरकतों को बढ़ावा मिलता है। इन नशीली वस्तुओं के उपयोग से व्यक्ति पागल और सुप्तावस्था में चला जाता है। विशिष्ट अतिथि बीएमडी क्लब के चेयरमैन लक्की सिगड़ा ने वेबीनार को संबोधित करते हुए कहा कि तम्बाकू के सेवन से तपेदकि, निमोनिया और साँस की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। इसके सेवन से जन और धन दोनों की हानि होती है। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है। मुँह, गले व फेफड़ों का कैंसर, ब्लड प्रैशर, अल्सर, यकृत रोग, अवसाद एवं अन्य अनेक रोगों का मुख्य कारण विभिन्न प्रकार का नशा है। भारत में केवल एक दिन में 11 करोड़ सिगरेट फूंके जाते हैं। इस तरह देखा जाय तो एक वर्ष में 50 अरब का धुआँ उड़ाया जाता है। आज के दौर में नशा फैशन बन गया है। प्रति वर्ष लोगों को नशे से छुटकारा दिलवाने के लिए 30 जनवरी को नशा मुक्ति संकल्प और शपथ दिवस, 31 मई को अंतरराष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस, 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस और 2 से 8 अक्टूबर तक भारत में मद्य निषेध दिवस मनाया जाता है। मगर हकीकत में ये दिवस कागजी साबित हो रहे हैं। ऑनलाइन वेबीनार में जुड़े सभी युवाओं को शपथ दिलाई कि वह अपने आसपास रहने वाले युवाओं को नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाएंगे। इस दौरान वेबीनार में नवीन यादव, प्रवीण कुमार, मंजीत यादव, राजेश पालीवाल, दशरथ लाल, ललित कुमार राजपूत, अर्जुन कश्यप, रोहित कुमार, विशाल राणा, बाबूलाल, दिलीप कुमार, शंकरलाल, रोहित, नीर ढिल्लो, जसबीर ढिल्लो, पुष्कर शर्मा, राजेंद्र प्रसाद, नीरज डोगरा, रमेश स्वामी, नरदेव, कुमार रमेश, मनोज सैनी जयपुरीया, अरविन्द सैनी बांदीकुई सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

---

72 वर्ष की महिला का किया सफल ऑपरेशन

जटिल ऑपरेशन कर निकाली सात किलो की गांठ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

रेवाड़ी। शहर के सुपर स्पेशलिस्ट विराट अस्पताल के चिकित्सक ने बुजुर्ग महिला का जटिल ऑपरेशन कर उसके पेट से एक-दो नहीं, बल्कि सात किलोग्राम की गांठ निकाली है। इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाने में डॉक्टर को भी काफी समय लगा। बुजुर्ग महिला अब पूरी तरह स्वस्थ है। डा. विराटवीर अस्पताल के जनरल सर्जन डा. कुलदीप आर्य ने बताया कि उनके यहां 19 जून को 72 साल की ओमवती पत्नी धर्मपाल निवासी फरूखंनगर को पेट में दर्द, सांस लेने में तकलीफ व पेट फूलने की शिकायत पर भर्ती कराया गया था। महिला की उम्र ज्यादा होने के कारण कई तरह के टेस्ट कराये गए और फिर सीटी स्कैन के जरिए महिला के पेट में एक बड़ी गांठ का पता चला। उसके बाद महिला के पेट का ऑपरेशन कर गांठ निकालने का निर्णय लिया गया। ऑपरेशन कितना जटिल था इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि महिला को कुल 6 यूनिट ब्लड भी चढ़ाना पड़ा। करीब दो घंटे में डा. कुलदीप आर्य ने महिला का ऑपरेशन कर पेट से 7 किलो की बड़ी गांठ निकाली। बुजुर्ग महिला के परिजनों ने बताया कि करीब एक साल पहले उन्हें सीने में दर्द के बाद गुरुग्राम के ही किसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्हें हार्ट की प्रॉब्लम सामने आई थी। उसके बाद से ही हार्ट की दवाई चल रही थी। इसी बीच पेट दर्द, पेट फूलना और सांस लेने में तकलीफ होने के बाद बुजुर्ग ओमवती को गुरुग्राम ही नहीं, बल्कि दिल्ली के भी कई नामी अस्पतालों में उपचार के लिए डॉक्टरों के पास दिखाया गया, लेकिन कही पर भी महिला की बीमारी पकड़ में नहीं आ पाई। आखिर में 19 जून को महिला को शहर के विराट अस्पताल में लाया गया, जहां ऑपरेशन के बाद अब ओमवती पूरी तरह स्वस्थ है। डा. कुलदीप की टीम अब उनकी देखरेख कर रही है। डा. विराटवीर अस्पताल के संचालक डा. विराट यादव ने कहा कि दक्षिणी हरियाणा के बहुत से मरीजों का उनके अस्पताल में जटिल से जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उनके अस्पताल में तमाम तरह की सुविधाएं उपलब्ध है, जिसका रेवाड़ी ही नहीं, बल्कि महेन्द्रगढ़, नारनौल, कनीना, नांगल चौधरी व भिवानी के अलावा राजस्थान के भी बहुत से मरीजों को फायदा मिल रहा है।

लिव-इन को वैवाहिक रिश्ता नहीं मान सकते-केरल हाईकोर्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। केरल हाईकोर्ट ने एक पुरुष के साथ वैध विवाह के अलावा लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही दूसरी महिला के मामले में कहा है कि लिव-इन रिलेशनशिप में रही एक महिला का कानूनी दावा कभी विवाहित पत्नी से बेहतर दावा नहीं हो सकता है। हाईकोर्ट ने कहा कि लिव-इन को कभी भी वैवाहिक रिश्ता नहीं माना जा सकता है। जस्टिस ए. मोहम्मद मुस्ताक और कौसर एडप्पागथ की खंडपीठ ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप में साथी को देखभाल और घरेलू हिंसा कानूनों के दायरे में तो लाया जा सकता है, लेकिन ऐसे रिश्तों को वैवाहिक नहीं माना जा सकता है। कोर्ट लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही अपीलकर्ता महिला के मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें फैमिली कोर्ट ने उसे दिवंगत सरकारी कर्मचारी की पत्नी होने के दावे के तहत पेंशन और अन्य मृत्यु लाभों से वंचित कर दिया था। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट का यह फैसला बरकरार रखा है। उल्लेखनीय है कि इन दिनों लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर कोर्ट में कई तरह के जटिल मामले आ रहे हैं। इन मामलों की सुनवाई के दौरान ही कोर्ट इन पर इस तरह के फैसले दे रहे हैं जो आगे चलकर संबंधित मामलों में एक गाइडलाइन की तरह उपयोग किए जा सकेंगे। अभी हाल ही में इसी तरह का एक अन्य मामला भी सामने आया था जिसमें विवाहित पत्नी की मृत्यु के बाद लिव-इन पार्टनर ने मृतक साथी की पेंशन व अन्य लाभों पर अपना हक जताते हुए कोर्ट से उन सभी लाभों को दिलाने की प्रार्थना की थी। मृतका का पति सरकारी विभाग से रिटायर्ड था तथा उसकी पत्नी की कैंसर से मृत्यु हो चुकी थी। परन्तु पत्नी की मृत्यु से पूर्व उसकी सहमति से उसने पत्नी की बहन के साथ ही लिव-इन रिलेशनशिप में रहना शुरू कर दिया था।

ANCHOR रेगिस्तान में खजूर की खेती

7 साल पहले गुजरात से 150 पौधे खजूर के काजरी में लगाए थे, हजारों किलों में उत्पादन

एक साल में 1500 से 3 हजार किलो पहुंच गया उत्पादन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। खजूर का हब गुजरात के कच्छ क्षेत्र को माना जाता था। लेकिन राजस्थान के रेगिस्तान में किसानों को एक नई सौगात मिल गई है। खजूर के पेड़ अब किसानों को मालामाल कर रहे हैं। काजरी द्वारा अब खजूर की खेती करने की तकनीक किसानों को सीखाने के बाद लाखों रुपए की कमा रहे हैं।

जोधपुर के केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान काजरी ने 4 साल पहले खजूर की पैदावार पर मेहनत की अब यह मेहनत रंग ला रही है। इस बार इन पेड़ों पर तीन हजार किलो खजूर लगे हैं। केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने बताया कि वह दिन दूर नही जब खजूर से रेगिस्तान के किसानों की आय चार से पांच गुना बढ़ जाएगी।

गुजरात से 150 पौधे लाकर काजरी में लगा दिए

2014 में काजरी संस्थान ने गुजरात से 150 पौधे लाकर जोधपुर स्थित काजरी में लगा दिए। गुजरात की आणंद यूनिवर्सिटी और बीकानेर शुष्क बागवानी संस्थान के साथ मिलकर काजरी टिशू कल्चर की तकनीक से खजूर का उत्पादन शुरु किया। लेकिन अब चार साल की मेहनत से काजरी में खजूर के पेड़ों पर बड़े बड़े गुच्छे लटक रहे हैं।

150 पौधे पर 3 हजार किलो खजूर

वैज्ञानिकों ने बताया कि इस साल एडीपी-1 से पिछले साल की तुलना में दुगना उत्पादन हुआ है। पिछले साल 150 पौधे से 1500 किलो खजूर उत्पादन हुए थे। जो इस साल बढ़कर तीन हजार किलो हो गया है।

क्सीरियन वैराइटी से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले है। एडीपी-1 से भरपूर उत्पादन हुआ है। जोधपुर मारवाड़ की जलवायु में इस ने इस किस्म ने कमाल कर दिया है। इस सफलता के बाद यह दूसरी किस्म होगी जो काजरी के बेर के बाद काजरी की खजूर भी देश भर में मशहूर होती जा रही है। **- डॉ अखत सिंह,** प्रधान वैज्ञानिक काजरी

बीटीयू शुरू करेगा नए कोर्स की कवायद, इंजीनियरिंग में घटते रुझान को रोकना है मकसद

राजस्थान के विद्यार्थियों का रुकेगा पलायन, इंजीनियरिंग कॉलेज में जॉब ओरिन्टेड कोर्स

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर/जयपुर। इंजीनियरिंग में युवाओं के घटते रुझान से शिक्षाविद् चिंतित है। खासतौर पर बी.टेक स्तर के पारम्परिक पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की रुचि नहीं है। लिहाजा बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (बीटीयू) जल्द सम्बद्ध इंजीनियरिंग कॉलेज में स्किल और जॉब ओरिएन्टेड कोर्स प्रारंभ करेगी। अव्वल तो इससे, साथ ही प्रवेश में इजाफा होगा। राज्य में सरकारी और निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में करीब 50 हजार सीट हैं। यह कॉलेज आरटीयू और बीटीयू से सम्बद्ध है। विद्यार्थियों को राजस्थान इंजीनियरिंग एडमिशन प्रोसेस के तहत प्रवेश राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेज जॉब ओरिएन्टेड और स्किल आधारित पाठ्यक्रमों के मामलों में केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और अन्य राज्यों से पिछड़े हैं।

बीटीयू बना रहा योजना

विद्यार्थियों के इंजीनियरिंग में घटते रुझान, जॉब ओरिएन्डेट कोर्स में कमी से बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी चिंतित है। लिहाजा यूनिवर्सिटी नए कोर्स डिजाइन करने में जुटी है। इंजीनियरिंग कॉलेज में सत्र 2022-23 से इनकी शुरुआत की जाएगी।

इन पाठ्यक्रमों पर फोकस

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, साइबर सिक्योरिटी डाटा साइंस, एन्वायरमेंट इन्फॉरमेटिक्स, कॉमर्शियल प्रेक्टिस, कम्प्यूटर एप्लीकेशन एन्ड बिजनेस मैनेजमेंट, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रोस्थेटिक्स एन्ड ऑर्थेटिक्स और अन्य

ताकि बढ़े युवाओं में रुझान

राज्य में बीते 15-20 साल से कई सरकारी और निजी इंजीनियरिंग कॉलेज खुले हैं। मांग के अनुरूप नई ब्रांच और कोर्स भी चालू हुए पर संख्या सीमित है। विद्यार्थियों को मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस-आईटी, इंस्ट्रूमेंटशन कंट्रोल जैसी चिरपरिचित ब्रांच और कोर्स में प्रवेश मिलते हैं। नए और रोजगारोन्मुखी कोर्स में प्रवेश के लिए विद्यार्थी दूसरे राज्यों में जाते हैं।

यूं बनेंगे संघटक कॉलेज

अजमेर के बड़ल्या और महिला इंजीनियरिंग कॉलेज शीघ्र बीटीयू के संघटक कॉलेज बनेंगे। बीटीयू ने राज्य सरकार, तकनीकी शिक्षा विभाग और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद को पत्र भेजा है। बीटीयू से सम्बद्ध सभी कॉलेज में सत्र 2021-22 में प्रवेश सरकार के प्रावधानुसार होंगे। सत्र 2022-23 से इन कॉलेज में बीटीयू के नियमानुसार दाखिले होंगे।

इंजीनियरिंग कॉलेज में नए स्किल-जॉब ओरिएन्टेड कोर्स शुरू होंगे। इनका मकसद राजस्थान के विद्यार्थियों का दूसरे राज्यों में पलायन रोकना और इंजीनियरिंग में रुझान बढ़ाना है। सरकार से बातचीत कर संघटक कॉलेज की प्रक्रिया नियमानुसार शुरू करेंगे।
प्रो.अम्बरीश शरण विद्यार्थी, कुलपति बीटीयू

यही तो है घोर आश्चर्य

डॉ. दीपक आचार्य
समीक्षक
@jagrukjanta.net

समाज-जीवन और परिवेश में जितने अधिक आश्चर्य इन दिनों देखने को मिल रहे हैं वे पहले कभी देखे-सुने नहीं गए। हमारे पुरखों का दुर्भाग्य ही रहा कि इससे पहले बहुरंगी विचित्रताओं का ऐसा संसार कभी नहीं रहा। इस मामले में सत, त्रेता और द्वापर युगीन लोग भी फीके पड़ गए हैं। मुफ्त की चाय-काफी और समोसा-कचोरी-पकौड़ी के लिए मुँह मारने, हराम का खान-पान करने मुर्गा तलाशने और मूर्ख गधों की अनुचरी करने वाले उपकृत भेड़छाप लोग राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय मुद्दों पर उपदेश झाड़ रहे हैं। अपना घर तो संभलता नहीं इनसे, और दुनिया भर की पंचायती में रमे रहते हैं। व्हाट्सअप, फेसबुक सहित तमाम प्रकार के सोशल मीडिया पर ऐसे लोगों की भरमार है। क्यों न इन सभी लोगों को समाज और दुनिया के लिए तरह-तरह का ज्ञान बाँटने की उल्लेखनीय और उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए सम्मान राशि या बेरोजगारी भत्ता दिया जाए, ताकि ये और अधिक समय अपने समाज, अंचल, देश और विश्व को ज्ञान एवं उपदेश देने में कर सकें। यह इनकी परम उदारता और कृपा ही है कि जो विषय इनके कभी रहे नहीं, जिनमें इनका ज्ञान-अनुभव और दक्षता तक नहीं रही, ऐसे-ऐसे चिन्तन-मनन लायक ज्ञान से हमें समृद्ध करते रहे हैं। इस मामले में इन्होंने विषय विशेषज्ञों और आधिकारिक विद्वानों-विदुषियों को भी पछाड़ रखा है। इसे कहते हैं पूर्वजन्मार्जित मौलिक या कि आयातित ज्ञान का कमाल। अपने विश्राम और नींद के समय में भी कटौती कर रोजाना घण्टों तक कितना अधिक समय, डाटा और परिश्रम खर्च करते हुए जाने कहां-कहां से हमारे लिए ये ज्ञान और उपदेश संग्रहित कर परोसते रहे हैं। इस दिशा में इन देवदूतों का कोई सानी नहीं है।

निष्काम समाजसेवा और विश्व कल्याण के लिए जी रहे इन समर्पित लोगों के प्रति हमें सदैव आभारी रहना चाहिए क्योंकि इनका अपना व्यक्तित्व, गुण, दक्षता और ज्ञान-अनुभव सब कुछ पूर्वजन्म का संचित है, इसमें वर्तमान का कोई योगदान नहीं है। ईश्वर ने इन्हें केवल हमारे ज्ञान में अभिवृद्धि करने के लिए ही धरा पर अवतरित किया है। ये ही वे महान लोग हैं जिनकी बधाइयां, शुभकामनाएं और प्रोत्साहन पाकर प्रतिभाएं सुनहरे भविष्य की ओर आगे बढ़ रही हैं, अन्यथा इन प्रतिभाओं का भविष्य ही अंधकारमय हो जाए। किसी भी प्रतिभा को प्रोत्साहन, सम्बल और सहयोग में इनकी धेले भर की कोई रुचि भले न हो पर जब कोई प्रतिभा कुछ उपलब्धि हासिल कर लेती है तब बधाइयों और शुभकामनाओं की बारिश ये इस तरह से करते रहते हैं जैसे कि इन्हीं के निर्देशन, मार्गदर्शन, सान्निध्य और सहयोग से ये प्रतिभाएं लक्ष्य पाने में सफल रही हों। किसी तरह का किंचित मात्र भी प्रत्यक्ष या परोक्ष योगदान के बिना भी इन्हीं प्रेरक और अनुकरणीय समाजसेवियों का सम्बल ही है कि इन प्रतिभाओं को प्रचार के साथ ही आगे बढ़ते रहने की असीम ताकत और अपार आत्मविश्वास प्राप्त होता रहा है। मानवीय संवेदनाओं से भरपूर ऐसे मेधावी, अनुभवी व्यक्तित्वों के कारण ही दिवंगत आत्माओं के मोक्ष पाने की राह अत्यन्त आसान हो जाती है और बिना किसी संचित पुण्य के इन दिवंगतों को इन पराक्रमी लोगों की बदौलत ही आसानी से स्वर्ग प्राप्ति हो जाती है। यह इन लोगों की परम कृपा और उदारता की कही जानी चाहिए कि इनके द्वारा प्रदत्त श्रद्धान्जलियों और संवेदनाओं की वजह से वे लोग भी मोक्ष प्राप्त कर रहे हैं जिन्हें ये न जानते हैं, न कोई नाते-रिश्तेदार हैं और न कोई दूर-दूर तक का रिश्ता। यह इन प्रज्ञावान बुद्धिजीवियों की सरलता, सहजता और निरहंकारी स्वभाव का ही परिणाम है कि ये अपने स्तर से नीचे उतर कर भेड़चाल में शामिल होकर धड़ाधड़ शोक संवेदनाओं और श्रद्धान्जलियों की बरसात करते रहे हैं। अन्यथा इस घोर कलियुग में जिन्दा लोगों और नाते-रिश्तेदारों की भी कोई परवाह नहीं करता। इनके साथ ही कुल परम्परा से सच्चे धार्मिक और नैष्ठिक उन भक्तों को भी नहीं भूलें जिन्हें मन्दिर जाने, नित्यकर्म, पूजा-पाठ, जप-अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों को करने में कोई रुचि नहीं है, इन दिव्य कार्यों के लिए इनके पास कोई समय नहीं है, फिर भी दुनिया भर के मन्दिरों और भगवानों के फोटो भेज-भेज कर हम सभी नास्तिकों के मन में आस्था जगाने के अनथक प्रयासों में दिन-रात जुटे हुए हैं। धर्म और संस्कृति रक्षा में इनके इस अतुलनीय योगदान को सदियों तक नहीं भुलाया जा सकेगा। इसके अलावा सेहत और ज्योतिष के अपरिमित ज्ञान की बदौलत हम सभी लोग आरोग्यवान भी हो रहे हैं और छोटे-मोटे ज्योतिषी भी। इनके द्वारा भेजे जाने वाले टोने-टोटकों का ही परिणाम है कि हमारी अपनी, घर-परिवार की समस्याएं मामूली खर्च में या बिना किसी खर्च के ऐसे खत्म हो रही हैं कि कुछ कहा नहीं जा सकता।

जीवन के सारे अभाव इनकी वजह से दूर होकर सब तरह की सुख-समृद्धि और आनंद संचार का अनुभव हो रहा है। वेद, पुराण, धर्म शास्त्रों और ज्ञान-विज्ञान से कोसों दूर रहने वाले सभी लोगों और समाज के लिए ये ज्ञानीजन ईश्वर के वरदान से कम नहीं हैं। विभिन्न क्षेत्रों में निष्णात ज्ञानी-अनुभवी बुजुर्ग एवं पेंशनधारी वृद्धजनों के प्रति भी हमें बहुत अधिक आभारी होना चाहिए जो कि अपने पेशे, कर्म और अपनी दक्षता से संबंधित विषयों और अनुभवों की बजाय अन्यान्य विषयों पर महत्वपूर्ण ज्ञानराशि से हमें लाभान्वित करते रहे हैं। यह उनके लोक कल्याणकारी बहुआयामी व्यक्तित्व का परिचायक होने के साथ ही समुदाय के लिए गौरव व गरिमा का विषय है। इन सभी त्वरित प्रतिक्रियावादी हस्तियों की दीर्घायु और यशस्वी जीवन के लिए भगवान से प्रार्थना करें जिनके कारण हमें दुनिया भर का चाहा-अनचाहा ज्ञान प्राप्त हो रहा है। हम रहें न रहें, अपनी संततियों को भी कहकर जाएं कि इन गौरवशाली विद्वान ज्ञानियों और उपदेशकों को यथोचित आदर-सम्मान से नवाजें क्योंकि समाज की इन धरोहरों के कारण ही हमें अपने समाज और अंचल पर गर्व है। समाज और क्षेत्र की यह जिम्मेदारी है कि ऐसे ज्ञानी उपदेशकों की मूर्तियां लगवाई जाएं, इन पर पीएच.डी. करने के अवसर सुलभ हों, इनके नाम पर अलंकरण, सम्मान और पुरस्कार स्थापित किए जाएं, हर कार्यक्रम में इन्हें अतिथियों के रूप में आमंत्रित कर वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जाए। ऐसा करके ही हम कृतज्ञ समाजजन, क्षेत्रवासी, देशवासी और दुनिया के लोग इनकी श्लाघनीय और युगीन सेवाओं से उऋण हो सकते हैं। यह हमारा सम सामयिक धर्म, फर्ज और नैतिक जिम्मेदारी है।

कोरोना में माता-पिता खो चुके बच्चों को अब से मिलेगा ताउम्र निःशुल्क ईलाज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पिलानी(झुंझुनू)। कोरोना महामारी ने कई परिवारों को तोड़ा और कई सपनों को धराशाही कर दिया लेकिन इस महामारी में ऐसे कई महानायक भी सामने आए जो समाज में एक मिसाल बनें है ऐसे ही एक महानायक है 22 साल के युवा बिरला अस्पताल पिलानी के निदेशक डॉ. मधुसुदन मनीष मालानी। कोरोना काल में जरूरतमंदों को भोजन पहुंचाना हो या फिर फ्रंटलाइन वर्करों को मास्क और सैनेटाइजर देना हो, हर काम में डॉ. मालानी हमेशा आगे रहे हैं इसी क्रम में डॉ. मालानी ने स्वाथ्य स्वावलम्बी कार्यक्रम शुरू किया है जिसके अंतर्गत वे कोरोना के कारण अपने माता पिता खो चुके बच्चों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी उठा रहे है। डॉ. मालानी ने इन बच्चों को ताउम्र या उनके सक्षम होने तक स्वास्थ्य की दृष्टि से गोद लिया है। इन बच्चों का ईलाज वे अपने बिरला अस्पताल पिलानी में निः शुल्क करवाएंगे जो की पुरे प्रदेश में पहला और एक आदर्श उदाहरण है। यह बीड़ा उठाने वाले डॉ. मालानी प्रदेश के पहले व्यक्ति होंगे। डॉ. मालानी ने बताया कि जिस भी बच्चे को स्वास्थ्य सेवाए चाहेगी उनकी स्वास्थ्य सेवाऐं सम्बन्धी पूरी डिटेल उनके द्वारा मेन्टेन की जाएगी जिससे उनको समय पर ईलाज मिल सके और वे हमेशा स्वस्थ रहे।

कोरोना की पहली और दूसरी लहर लगभग जा चुकी है। लेकिन इसके बाद भी उनके सेवा कार्य लगातार जारी है। डॉ. मालानी ने बताया कि सामने आया है कि पोस्ट कोविड रोगियों की अच्छी संख्या सामने आ रही है। जिन्हें आक्सीजन आदि की समय-समय पर जरूरत पड़ सकती है। इसके लिए उन्होंने एक आक्सीजन प्लांट का निर्माण तो शुरू कर दिया है। जो इसी महीने या फिर अगले महीने तक बनकर तैयार हो जाएगा। साथ ही कंसंट्रेटर बैंक की स्थापना कर दी है। जहां पर निशुल्क कंसंट्रेटर मशीनें रोगियों को उपलब्ध करवाई जाएगी। यही नहीं कोरोना काल में अस्थि विसर्जन ना कर पाने की पीड़ा को भी समझते हुए मुकुंदगढ़ और पिलानी में अस्थि विश्राम गृह स्थापित कर शेखावाटी के तीनों जिलों के ऐसे लोगों को राहत दी। जो अपने परिजन को खो चुके थे और लॉकडाउन के चक्कर में अस्थि विसर्जन नहीं कर पा रहे थे। उन अस्थियो का विसर्जन डॉ. मधुसूदन मालानी द्वारा 3 महीने पश्चात विधि विधान द्वारा करवाया जाएगा।

70 लाख की सिगरेट और 4 लाख नगदी शटर तोड़कर चोरी

जोधपुर @ जागरूक जनता। भादू मार्केट में एक व्यापारी की दुकान से चोर शटर तोड़ करीब सत्तर लाख रुपए की सिगरेट व 4 लाख रुपए रोकड़ ले गए। चोर एक छोटी ट्रक में सिगरेट के बॉक्स भरकर भाग निकले। इसी विक्रेता के गोदाम में एक सप्ताह पूर्व भीषण आग लगने से भी बड़ा नुकसान हुआ था। पुलिस वहां लगे सीसीटीवी कैमरे के जरिये चोरों की तलाश कर रही है। शहर में यह पहली बार है जब एक साथ इतनी बड़ी मात्रा में सिगरेट की चोरी हुई है। कुल 56 कार्टून थे। कार्टून में 1200 सिगरेट होती है। सभी सिगरेट अलग-अलग ब्रांड की थी। चोर एक मिनी ट्रक में डालकर सारे कार्टून ले गए।

भादू मार्केट में स्थित अभय सेल्स एजेंसी का किराणा सहित अन्य सामान के होलसेल बिक्री का काम है। इस एजेंसी के गोदाम में गत सप्ताह आग लग गई थी। उस समय इसके मालिक ऋषभ संचेती ने दावा किया था कि आग लगने से करीब ढाई करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अभी आग की घटना से उभरे ही नहीं थे कि रविवार रात उनके यहां चोरी की बड़ी वारदात हो गई। बेहद शातिर चोरों ने एजेंसी के अंदर रखे अन्य सामान को हाथ तक नहीं लगाया। उन्होंने सिर्फ सिगरेट के पैकेट्स पर ही अपनी नजर रखी। एजेंसी में रखे सिगरेट के सारे कार्टून भरकर भाग निकले। चोरों ने बड़े आराम से एक मिनी ट्रक में सिगरेट के बॉक्स को लोड किया और भाग निकले। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी नजर भी आ रही है।

जानकारी के अनुसार कल रात को उसके यहां घुसे चोर 65 से 70 लाख रुपए मूल्य की सिगरेट्स लेकर चले गए । जाते समय चोर वहां रखे चार लाख रुपए नकद भी ले गए। बड़ी चोरी होने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है और जांच शुरू की है। इस एजेंसी में चोरों ने इस वर्ष को भी चोरी का प्रयास किया था, लेकिन विफल रहे।

जागरूक खबरें

लोगों ने उत्साह से लगवाया कोरोना का टीका

करौली @ जागरूक जनता। वार्ड नंबर 24 में वैक्सीनेशन शिविर आयोजित हुआ। शहर में उपखंड अधिकारी देवेंद्र सिंह परमार के निर्देशन में शहर वैक्सीनेशन कार्यक्रम में शहर में चलाए जा रहे कार्यक्रम में आशीष कौशिक,बबलू शुक्ला, मुकेश पचौरी, दशरथ गुर्जर आदि उपस्थित रहे जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र चौधरी ने घर घर जाकर लोगों को वैक्सीन का टीका लगवाने के लिए जागरूक किया और अधिक से अधिक महिला, पुरुष, युवाओं, युवतियों को वैक्सीन का टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया । करौली नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 के पार्षद विनीत चौधरी व सामाजिक कार्यकर्ता नरेन्द्र चौधरी के सहयोग से वार्ड में वैक्सीनेशन शिविर आयोजित हुआ जिसमें युवाओं एवं महिलाओं ने अधिक से अधिक संख्या में बढ़ चढ़कर भाग लेकर कोरोना का टीका लगवाया। करौली नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नं.24 स्थित पुराने बस स्टैंड के पीछे कृष्णा कॉलोनी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर 18+ से 45+ आयु वर्ग के लोगों के लिए टीकाकरण शिविर आयोजित हुआ जिसमें 45 लोगों ने उत्साह से लगवाया कोरोना का पहला टीका । वार्ड पार्षद विनीत चौधरी के सहयोग से महिला, पुरुष, युवक, युवतियों ने कोरोना का पहला डोज लगवाया और साथ ही कॉलोनी वासियों ने कोरोना वायरस की गाइडलाइन का पालन करते हुए महामारी को हराने का संकल्प लिया वार्ड पार्षद विनीत चौधरी व समाजिक कार्यकर्ता नरेन्द्र चौधरी ने को घर- घर जाकर लोगों को कोरोना का टीका लगवाने के लिए जागरूक किया । इस मौके पर पार्षद विनीत चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता नरेन्द्र चौधरी, राहुल चौधरी, जसवीर मंडरालिया आदि उपस्थित थे ।

नॉर्थ इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता चयन ट्रायल अजमेर स्थित डीडब्ल्यूपीएस में

जयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय टेनिस क्रिकेट संघ के अंडर 23 आयु वर्ग में दिनांक 12 से 14 जुलाई 2021 को चंडीगढ़ में नेशनल स्तर की नॉर्थ इंडिया टेनिस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. भारतीय टेनिस क्रिकेट संघ से प्राप्त जानकारी अनुसार 12 राज्यों की टीमें जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि टीमों ने अपनी कंफर्मेशन टूर्नामेंट के लिए दि है। राजस्थान स्टेट टेनिस क्रिकेट संघ के महासचिव तरुण कुमार टाक ने बताया कि नार्थ इंडिया प्रतियोगिता में राजस्थान टीम भी अपना प्रतिनिधित्व कर रही है इस प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम का चयन ट्रायल देहली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल जनाना रोड अजमेर में दिनांक 30 जून 2021 को प्रातः 10:00 बजे से रखा गया है इस ट्रायल के मुख्य चयनकर्ता प्रदीप सेन व जसवंत सिंह अपनी मौजूदगी में चयन ट्रायल के आधार पर राजस्थान टीम का चयन करेंगे। चयन ट्रायल में राजस्थान के सभी जिलों के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं चयन ट्रायल हेतु खिलाड़ी का जन्म दिनांक 1 जनवरी 1999 व उसके बाद हुआ हो। खिलाड़ी को चयन ट्रायल के समय रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा जिसके लिए निम्न दस्तावेज अपने साथ ले जाएं ओरिजिनल जन्म प्रमाण पत्र 10 वीं कक्षा की मार्कशीट वह आधार कार्ड साथ लेकर आना है खिलाड़ियों को चयन ट्रायल के समय मास्क लगाना अनिवार्य रहेगा व सरकार से प्राप्त कोविड-19 की गाइड लाइन की पालना करना अनिवार्य रहेगा. इस चयन ट्रायल के आधार पर चयनित खिलाड़ी 11 जुलाई को चंडीगढ़ के लिए रवाना होंगे।

राजस्थान टेनिस क्रिकेट टीम की चयन ट्रायल अजमेर स्थित डीडब्ल्यूपीएस स्कूल में

डॉ. कलाम स्मृति आयोजन समिति की वार्षिक बैठक आयोजित

आगामी माह में भारत रत्न डॉ. कलाम साहब की पुण्यतिथि पर आयोजित होंगे 3 दिवसीय कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम स्मृति की वार्षिक बैठक का आयोजन सी.के.होटल के पास स्थित सी.के.गार्डन में जेके आईटीआई अधीक्षक केएल जोशी, राउमावि प्रधानाचार्य अरविंद मुंदड़ा, समिति संरक्षक डॉ.जे.एम जैन, सी.के. ग्रुप के डायरेक्टर वसीम खान, पूर्व पार्षद प्रदीप मोदी,नगर कांग्रेस अलसँख्यक प्रकोष्ठ के जाहिद खान, महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के महेश धुत आदि की उपस्थिति में किया गया। बैठक में संस्था के सभी पदाधिकारियों की आम सहमति से संस्था की मौजूदा कार्यकारणी का कार्यकाल वर्ष 2021-22 तक बढ़ाया गया साथ ही आगामी जुलाई माह में भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साहब की पुण्यतिथि पर प्रस्तावित 3 दिवसीय कार्यक्रमों के सम्बंध में रायशुमारी की गई। समिति अध्यक्ष अशरफ मेव ने बताया कि आगामी जुलाई माह में भारत रत्न (स्व) डॉ.कलाम साहब की छटी पुण्यतिथि पर कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए प्रशासनिक स्वीकृति से 3 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें पौधा रोपण,क्रीज प्रतियोगिता, सम्मान समारोह आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में एटीबीएफ के कुलदीप नाहर, मोहित स्कूल संचालक प्रकाश चेलावत, समिति अध्यक्ष अशरफ मेव, संयोजक लक्ष्मण भाम्बी, उपाध्यक्ष तालिब अहमद, सलाहकार वजाहत खान,पूर्व अध्यक्ष दिनेश जी गुप्ता,मजहर हबीब, मो.अली मंसूरी, शाकिर खान पेंटर,फिरोज खान,मुकेश सिसोदिया,कय्यूम खान, समीर खान,आदि मौजूद थे।

मुकुन्द गिरी के नाम से किया साधु मनोज कुमार का नामकरण

महंत बिट्ठलगिरी महाराज के सानिध्य में दिल्ली निवासी मनोज कुमार बने सन्यासी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कनीना। महंत लक्ष्मण गिरी गौशाला बुचावास के संचालक स्वामी विट्ठल गिरी महाराज के सानिध्य में दिल्ली निवासी मनोज कुमार चावला ने 58 वर्ष के उम्र में सांसारिक जीवन त्याग कर अपने धर्म व संस्कृति की रक्षा के लिए महंत विठ्ठल गिरी को अपना गुरु बनाते हुये उनसे सन्यासी जीवन की शिक्षा- दीक्षा ली एवं सन्यासी जीवन मे प्रवेश किया। स्वामी विट्ठल गिरी महाराज द्वारा सन्यासी मनोज कुमार का मुकुन्दगिरी के नाम से नामकरण किया गया। साधु बनने से पहले मनोज कुमार एक हॉस्पिटल में कनिष्क प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। साधु मनोज कुमार का कहना है कि शुरू से मुझे ऐसे गुरु की तलाश थी जो गौ सेवा और धार्मिक कार्यों के प्रति अग्रसर होकर समाज को सकारात्मक दिशा देने का काम कर रहे हो। मैंने पिछले कई वर्षों से विट्ठल महाराज से जुड़कर बहुत कुछ सीखा है और जीवन मे उसका पालन भी किया हैं। गौशाला बुचावास में आकर मुझे गौ सेवा के प्रति बहुत प्रेरणा मिली है और सेवा करने का मौका भी मिला हैं। गुरु विट्ठल गिरी के पावन सानिध्य में मैने साधु रूपी सन्यासी जीवन की शुरुआत की हैं जो मेरे लिए बहुत ही गौरव की बात है। विट्ठल गिरी महाराज ने कहा की साधु बनने वालों को कठिन अध्ययन व ध्यान करना पड़ता है। पहला जीवन छोड़कर हम एक नए जीवन में प्रवेश करते हैं। साधुओं का जीवन ऐसा है जिसमें वे दूसरे जीवों की रक्षा करते हैं। संन्यास का व्रत धारण करने वाला संन्यासी कहलाता है। संन्यासी इस संसार में रहते हुए निर्लिप्त बने रहते हैं, अर्थात् ब्रह्मचिन्तन में लीन रहते हुए भौतिक आवश्यकताओं के प्रति उदासीन रहते हैं। सँसार की सभी मोह माया का त्याग कर जीवन जीने की पद्धति पर जो चलता है वहीं पूर्णतया सन्यासी जीवन यापन कर सकता है। इस अवसर पर थानापती हवापुरी महाराज बोहड़ा कलां, कमलपुरी, गोपालगिरी, बालकधाम नावदी, समाज सेवी लक्की सिगड़ा, रोहताश, डॉ. राजकुमार, अजीत सिंह, रवि, उमेद, बलवान, नवीन, जगदीश, मोहित इसराना, जितेन्द्र सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ANCHOR

कानून की भाषाओं का करेगी सरलीकरण

हर गांव की एक महिला होगी सुरक्षा सखी

महिला अपराधओं के खिलाफ कौन-कौन से कानून, कैसे रख सकती हैं खुद को सुरक्षित, बताएगी यह सखी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। कानून की भाषा बहुत कठिन है। महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों में इस कठिन भाषा को वह समझती नहीं और उसे यह पता नहीं चलता कि उससे वह किस प्रकार संरक्षण प्राप्त कर सकती है। इसी को सरल बनाने के लिए अब सरकार ने हर गांव में एक सुरक्षा सखी बनाने का फैसला किया है। यह सखी महिलाओं, बच्चियों को बताएगी कि वे कैसे अपने प्रति हो रहे अत्याचारों, अपराधों से लड़ सकती हैं। किन कानूनों के तहत संरक्षण प्राप्त कर सकती हैं। इसे देखते हुए जिले के सभी थानों में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। सुरक्षा सखी महिलाओं-बच्चियों की सुरक्षा, उन्हें अधिकारों और कानून के प्रति जागरूक करने के साथ ही उनकी समस्याओं के समाधान के संबंध में स्थानीय पुलिस से संवाद स्थापित कर सकेगी। वही सुरक्षा सखी समूह में जुडी

महिलाओ का अपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए और न ही संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त हो ऐसी महिला सदस्य समूह में नहीं रह सकती है।

यह करना होगा सुरक्षा सखी को

महिलाओं से जुड़ी अप्रिय घटनाओं, छेड़छाड़, अत्याचार, संदिग्ध व्यक्तियों के आवागमन, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, बाल विवाह, गुमशुदा बच्चियों, मादक पदार्थो के सेवन और स्कूल व कॉलेजों में किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधियों से संबंधित जानकारी स्थानीय पुलिस को देना। महिलाओं/बालिकाओं और पुलिस के मध्य संवाद स्थापित करना। इनसे संबंधित समस्याओं की जानकारी कर स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर उचित समाधान का प्रयास करना

सरकारी कार्मिक भी जुड़ सकती है समूह में

सुरक्षा सखी में सभी जाति, धर्म, वर्ग और समुदाय की महिलाओं एवं बालिकाओं को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। सभी सरकारी/गैर सरकारी संगठन जैसे-आशा सहयोगिनी, एएनएम, जीएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,सामाजिक संगठन एवं विभिन्न सरकारी विभागों की महिलाकर्मी जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, सामुदायिक विभाग, बिजली, जलदाय एवं राजस्व आदि से जुड़ी महिलाकर्मियों को भी सुरक्षा सखी के रूप में आमंत्रित किया जा सकेगा। इसके साथ ही महिला शक्ति आत्मरक्षा केन्द्र योजना के तहत प्रशिक्षित बच्चियों/महिलाओं को भी सुरक्षा सखी के रूप में समूह में जोड़ा जा सकेगा ।

थाना स्तर पर एक अधिकारी करेगा मॉनिटरिंग

सुरक्षा सखी' के गठन की जिम्मेदारी थानाधिकारी की होगी, जिसमें सभी आयु, वर्ग, धर्म की महिलाओं/बच्चियां शामिल होंगी। हर माह इस समूह की बैठक थानाधिकारी की अध्यक्षता में होगी। थाना स्तर पर एक अधिकारी/कर्मचारी को सुरक्षा सखी योजना का नोडल अधिकारी बनाया गया है । वही एसपी हर 6 महीने में एक बार योजना की समीक्षा करेंगे। सुरक्षा सखी बैठक रजिस्टर' में मीटिंग में उठाए गए मुद्दे, शिकायत एवं उनके निवारण के लिए सुझाव का उल्लेख होगा। डीएसपी इस बैठक का पर्यवेक्षण करेंगे। इस आयोजित बैठक में तीन माह में एक बार खुद मौजूद रहेंगे।

किस थाने में किस को जिम्मेदारी

सुरक्षा सखी समूह की प्रत्येक थाने में मानिटरिंग करने के लिए जिले के प्रत्येक थाने में एक प्रभारी नियुक्त किया गया है। सवाई माधोपुर कोतवाली में वीरेन्द्र सिंह एएसआई मानटाउन में रमेश एएसआई, महिला थाना में कविता एएसआई गंगापुर सिटी सदर में महिला कांस्टेबल अनीता, खंडार में महिला कांस्टेबल संगीता, मलारना डूंगर में कांस्टेबल नेमीचन्द, रवाजंना डूंगर में सुमन,बाटोदा में महिला कांस्टेबल ममता,वजीरपुर में भरतसिंह एएसआई, सूरवाल में नरेन्द्र सिंह एएसआई, बामनवास में राजेश सिंह एएसआई, बौली में बृजेश सिंह एएसआई,चौथ का बरवाड़ा में जगदीश प्रसाद एएसआई, बी कलां में मोहन सिंह उदई मोड़ में संतोषी लाल एएसआई, कोतवाली गंगापुर सिटी में रामराज एएसआई, पिलोदा में हरिमोहन एएसआई को लगाया है।

मानसून के आगमन के साथ ही रोडवेज ने जारी की गाइडलाइन, बस चालकों को दिया ये निर्देश

डेढ़ फीट पानी से ज्यादा हो तो वहां बस न उतारे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मानसून के आगमन के साथ ही राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम ने वाहनों को सुचारू रूप से चलाने के लिए नई नीति जारी कर दी है। इस नीति में साफ कहा गया है कि बरसात में कहीं भी डेढ़ फीट पानी से ज्यादा हो तो वहां बस न उतारें। बस की गति को नियंत्रण में रखने के लिए बस को पहले गियर में ही रखें। मार्ग या रपट पर पानी हो तो पहले उसकी गहराई और बहाव को परख लें उसके बाद ही बस लेकर उसे पार करें।

रोडवेज सीएमडी राजेश्वर सिंह ने कहा कि बसों के चालक विशेष रूप से घाट क्षेत्र, नदी, पुल, रपट, तीखे मोड़,घनी आबादी क्षेत्र, स्कूल, औषधालय, टोल बूथ, रेलवे क्रॉसिंग को ध्यान में रखते हुए दर्शाये जाने वाले यातायात संकेतों की पालना करते हुए वाहन को सावधानी पूर्वक चलाएं। घुमाव पर वाहन को धीमा रखें। कच्चे में उतारते समय सावधानी से संचालित करें। बारिश में वाहन को बिजली के तार, ट्रांसफार्मर, भारी पेड़ के नीचे कतई न खड़ी करें।

निगम से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी मुख्य प्रबंधक स्थानीय प्रशासन से संपर्क बनाए रखें। सभी बस में व्हील पाना, जैक व स्टेपनी होने, सेल्फ स्टार्ट, टायरों का रखरखाव, बस में फर्स्ट एड बॉक्स, बस की विंडो को दुरूस्त रखें जिससे बस में पानी ना आवें, इसके साथ ही आगार कार्यशाला के भवन की छत व रोड, नाली आदि को वर्षा ऋतु से पूर्व सफाई करवाना सुनिश्चित करें।

जागरूक खबरें

स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर भारत विकास परिषद की स्थापना-मित्तल

भरतपुर @ जागरूक जनता। भारत विकास परिषद का मुख्य उद्देश्य भारत देश व समाज का विकास एवं भारतीय संस्कृति परंपराओं को सुरक्षित रखना है। यह कहना है भारत विकास परिषद स्थानीय शाखा के अध्यक्ष अंशु मित्तल का। मित्तल भारत विकास परिषद के संस्थापक डॉक्टर सूरज प्रकाश की जयंती के अवसर पर अपना उद्बोधन दे रहे थे। मित्तल सहित अनेक वक्ताओं ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जनशताब्दी 12 जनवरी 1963 को प्रमुख उद्योगपति लाला हंसराज जैसे प्रमुख सुधारक के साथ मिलकर डॉक्टर सूरज प्रकाश ने स्वामी विवेकानंद के आदेशों से प्रेरित होकर भारत विकास परिषद की संकल्पना की। 10 जुलाई 1963 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत किया गया। वक्ताओं ने बताया कि परिषद 5 सूत्र-संपर्क संस्कार सेवा समर्पण है। पार्षद के उद्देश्यों की पूर्ति में स्थानीय शाखा द्वारा चलाए जा रहे नियमत प्रकल्पा के बारे में जानकारी दी। भारत विकास परिषद के संस्थापक डॉक्टर सूरज प्रकाश की जयंती के अवसर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर अंशु मित्तल अरविंद मित्तल, सुभाष चंद सिंघल, अशोक शर्मा ,रोहित सिंघल, चंद्र प्रकाश आर्य, डॉ विजय पहाड़िया, कृष्ण कुमार मिश्रा, शर्मा बृजेश जिंदल ताराचंद दिलीप मित्तल शेर सिंह सैनी किशोरी खत्री सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

भारत रक्षा मंच द्वारा स्थापना दिवस पर वृक्षारोपण का संकल्प

भुसावर @ जागरूक जनता। विश्व कोरोना संक्रमण बीमारी से त्रस्त है । जिसमें भारत भी त्रस्त नहीं है, इस महामारी की दूसरी लहर में ऑक्सीजन की विशेष आवश्यकता महसूस की गई जिसके लिए देश में त्राहि-त्राहि मच गई अनेकों असामयिक जाने ऑक्सीजन के बिना चली गई इसलिए हमें पर्यावरण संतुलन के लिए एक विशेष कार्य योजना बनाकर अधिक से अधिक प्राणवायु देने वाले वृक्षों का रोपण करना होगा तभी हम हमारा परिवार हमारा देश एवं विश्व सुरक्षित रह सकेगा। यह कहना है कपिल पंडित का। पंडित कस्बे के बल्लभगढ़ रोड स्थित चेतन विद्या मंदिर प्रांगण में भारत रक्षा मंच के 11वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपना उद्बोधन दे रहे थे। महिला प्रकोष्ठ की जिला महामंत्री कमलेश कटारा ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार जल्द ही तीसरी लहर आने के संकेत प्राप्त हो चुके हैं इसके लिए हमें स्वयं तो सजग रहना ही हैं अपने पड़ोसियों गांव वालों को भी सजग करना है। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित गाइडलाइन ओं का पालन करने के साथ सभी को मास्क पहनने सोशल डिस्टेंसिंग के साथ रहने, आस पड़ोस में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए साबुन से हाथ धोने जैसी बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। इस अवसर पर चेतन पांडे सह संगठन मंत्री दिनेश शर्मा ईश्वर गुर्जर सुनील नीरू फौजदार, आशा सीमा कमलेश पांडे उपस्थित रहे।

बजट घोषणाओं पर समीक्षा बैठक

जल्द होगा 68 औद्योगिक क्षेत्रों का शिलान्यास-उद्योग मंत्री

बजट घोषणाओं को समयबद्ध रूप से अमल में लाने के दिए निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उद्योग मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि जल्द ही 68 औद्योगिक क्षेत्रों का शिलान्यास किया जाएगा जो कि राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इन औद्योगिक क्षेत्रों से लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपखण्ड स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाने का एक ब्लू प्रिंट तैयार करें। मीणा ने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री द्वारा 167000 करोड़ के निवेश को मंजूरी दी गई जिससे 40 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों के कारण राजस्थान पंसदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है। मीणा उद्योग भवन में बजट घोषणाओं पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षा करते हुए अधिकारियों को बजट घोषणाओं को समयबद्ध रूप से अमल में लाने के निर्देश प्रदान किए।

उद्योग मंत्री ने कहा कि रिप्स 2019 राज्य निवेशकों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत अब तक 4370 ईकाइयों द्वारा करीब 85000 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है और करीब 1 लाख 50 हजार लोगों को रोजगार मिला है। इस योजना के तहत मिलने वाली रियायतें निवेशकों का आकर्षित कर रही है। मीणा ने आरएफसी के द्वारा दी गई रियायतों की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना से उपजी परिस्थितियों में उद्योगों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। राज्य सरकार की किसी भी योजना के लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। रिप्स के तहत मिलने वाली सब्सिडी पर 6 माह का समय देकर भी राहत प्रदान की गई है। इसके साथ ही रिको कि एमनेस्टी स्कीम से भी उद्योगों को संबल मिल रहा है। उद्योग मंत्री ने अधिकारियों के निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए जाने वाले प्रस्तावों पर जल्द कार्यवाही करें। साथ ही संपर्क पोर्टल पर मिलने वाली शिकायतों का भी समय पर निपटारा करें। श्री मीणा ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों के लिए जमीन अधिग्रहण में आ रहा समस्याओं को भी शीघ्र सुलझाया जाए ताकि प्रदेश में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें।

सचिव आशुतोष ए. टी. पेडणेकर ने बताया कि बजट में जो 68 औद्योगिक क्षेत्र घोषित किए गये थे उनमें से 57 के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है। सीतापुरा में बनने वाले प्लग एंड प्ले कॉम्प्लेक्स के लिए भी जमीन का आंवटन कराया जा चुका है केंद्र सरकार से अनुमति मिलते ही शिलान्यास करा दिया जाएगा। जयपुर में करीब 100 एकड़ में बनने वाले फिनटैक पार्क की प्रक्रिया भी अंतिम चरणों में है तथा शीघ्र ही टेंडर जारी कर दिया जाएगा।

आयुक्त अर्चना सिंह ने बताया कि रिप्स 2019 के तहत एससी और एसटी उद्यमियों के लिए डॉ. बी. आर. अम्बेडकर एससी एसटी उद्यमी प्रोत्साहन पैकेज जारी कर विशेष लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री लघु प्रोत्साहन योजना के तहत दस्तकारों और बुनकरों को एक लाख रूपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है। हस्तशिल्प के विकास के लिए हस्तशिल्प नीति का प्रारुप जारी कर सुझाव मांगे गये है। सारगर्भित सुझावों को शामिल कर इस नीति को शीघ्र लागू कर दिया जाएगा। बैठक में रुडा के सीएमडी पी. रमेश, संयुक्त सचिव शक्ति सिंह राठौड़, डीएमआईसी के अतिरिक्त आयुक्त अरुण गर्ग, विशेष सहायक बचनेश कुमार अग्रवाल के साथ उद्योग विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सभी जिला उद्योग केंद्रो के जीएम और रिको के इकाई प्रभारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

उद्योग मंत्री ने किया निर्माणाधीन ओएसएस ऑफिस का निरीक्षण

समीक्षा बैठक के बाद उद्योग मंत्री श्री परसादी लाल मीणा ने वन स्टॉप शॉप के निर्माणाधीन ऑफिस का निरीक्षण किया। उन्होंने इसकी प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य में उद्यमों को सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिल सकेंगी। उद्योग स्थापित करने के लिए सभी विभागों की आवश्यक स्वीकृतियां एक ऑनलाइन आवेदन से तय समय में मिल सकेंगीं। जिससे निवेश में आनी वाली अड़चनें समाप्त हो जाएंगी। आयुक्त अर्चना सिंह ने बताया कि ऑफिस के प्रथम चरण का कार्य पूरा हो चुका है। जल्द ही यहां संबंधित विभागों के अधिकारी अपना कार्य आरंभ कर देंगे।

शिक्षा मॉडल पर है आधारित

वाराणसी में यूपी का सबसे बड़ा सरकारी स्मार्ट स्कूल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

वाराणसी। सरकारी स्कूल का नाम सुनते ही जर्जर दीवारों के बीच दो-तीन कमरे, ब्लैक बोर्ड और स्लेट पर पढ़ते बच्चों की तस्वीर जहन में आती है। लेकिन उत्तर प्रदेश में एक ऐसा सरकारी स्कूल बना कर तैयार किया जा रहा है, जिसमें आधुनिक सुविधाओं को शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में नगर निगम का एक ऐसा स्मार्ट स्कूल तैयार हुआ है, जो अपने आप में खास है। यहां बच्चों को पढ़ाने के लिए हाई फाई क्लास रूम है।कॉमन हाल, कैंटीन, प्रार्थना कक्ष समेत अन्य सुविधाओं को भी जोड़ा गया है। स्कूल में सोलर सिस्टम और रेन वॉटर हार्वेस्टिंग का कॉन्सेप्ट भी डाला गया है। बच्चों को आम ब्लैक बोर्ड पर पढ़ाने की जगह डिजिटल ब्लैक बोर्ड से पढ़ाया जाएगा। यह कहने को तो सरकारी है लेकिन इसका लुक और डिजाइन किसी प्राइवेट स्कूल जैसा है। स्कूल को बनारस के शिक्षा मॉडल के आधार पर बनाया गया है, जिसकी चर्चा भाजपा अक्सर अपनी उपलब्धियों में करती है। खुद पीएम मोदी बनारस के शिक्षा मॉडल की तारीफ कर चुके हैं। स्कूल का बजट 14.21 करोड़ है।

पीएम मोदी देंगे सौगात

वाराणसी के मछोदरी इलाके में बनकर तैयार यह स्मार्ट स्कूल सरकारी विद्यालयों में दी जाने वाली शिक्षा के लिए नए आयाम खोलेगा। कभी यहां नगर निगम का जूनियर हाईस्कूल हुआ करता था, जिसे तोड़कर अब यहां हाईस्कूल तक का स्मार्ट स्कूल बनाया गया है। करीब 4500 वर्ग फीट में बने इस स्कूल में करीब 39 कमरे हैं, जिसमे करीब 36 कमरों में क्लास चलेंगी। स्कूल की इमारत तैयार करने का काम लगभग पूरा होने की कगार पर है। फर्नीचर समेत दूसरे जरूरी सामानों का ऑर्डर भेज दिया गया है। तीन से चार दिन में स्कूल चमकने लगेगा। जल्द ही पीएम मोदी काशी आकर इसकी सौगात भी देंगे।

यूपी में कहीं नहीं ऐसा सरकारी स्कूल

यहां के प्रधानाचार्य अग्नि सिंह कहते हैं कि पूरे यूपी में ऐसा सरकारी स्कूल अभी नहीं है। कभी कल्पना नहीं की थी कि ऐसा स्कूल भी यहां बनेगा। इसके लिए उन्होंने पीएम मोदी और सीएम योगी को धन्यवाद दिया है। प्रधानाचार्य ने कहा कि पीएम मोदी की इच्छा शक्ति और नेक नीयत का ही श्रेय है कि बनारस को ऐसा स्कूल मिल रहा है। वह सीएम योगी के लगातार निगरानी करने को भी बड़ी वजह मानते हैं।

जानें स्कूल के बारे में खास बातें

स्कूल को 14.21 करोड़ के बजट में तैयार किया जाएगा। 4500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले इस स्कूल के भवन लगभग 1500 वर्ग मीटर बड़े होंगे। ग्राउंड फ्लोर पर 14 कमरे, प्रथम तल पर 11 कमरे और दूसरे पर 14 कमरे होंगे। ग्राउंड फ्लोर पर प्राइमरी क्लास और प्रशासनिक भवन बना होगा। प्रथम तल पर द्वितीयक कक्षाएं चलेंगी। यहां पुस्तकालय भी बना होगा। वहीं, दूसरे तल पर स्किल डेवलपमेंट सेंटर और कम्प्यूटर रूम विकसित होगा। इसके अलावा स्कूल में 250 वर्ग मीटर का बहुउपयोगी हॉल होगा। फायर फाईटिंग सुविधाएं और रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की सुविधा होगी। लगातार बिजली सप्लाई के लिए जेनसेट, आरओ वाटर आदि भी होगा।

पानी पर समृद्धि की पतवार

राजसमंद झील में वाटर स्पोर्ट्स के लिए गुजरात की कंपनी ने शुरू किया ट्रायल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

राजसमंद। राजसमंद झील में पर्यटकों के लिए जल्द वाटर स्पोर्ट्स का रोमांच शुरू होने वाला है। इसके लिए झील में ट्रायल शुरू हो चुका है। झील में स्पीड बोट, माउंट आबू की तर्ज पर पैडल बोट, साइकिल बोट को उतार कर झील में पानी की गहराई आदि स्थिति और बोट से कितना रनअप लेना है, यह परखा जा रहा है। जिले में हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक आते हैं। पर्यटक उदयपुर के बाद नाथद्वारा, हल्दीघाटी, कुंभलगढ़ आदि जगहों पर ही घूमकर चले जाते हैं। लेकिन अब राजसमंद झील में बोटिंग शुरू होने से यहां भी रुकेंगे। वाटर स्पोर्ट्स का संचालन करने के लिए अहमदाबाद की कंपनी ईसीएचटी ने ट्रायल के लिए।

समाज के कमजोर वर्ग को स्वरोजगार हेतु प्राथमिकता से करें ऋण वितरण-महावर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। अधिक से अधिक प्राथमिकता क्षेत्र एवं एसएचजी ऋण आवेदन पत्रों को उच्च प्राथमिकता देकर निपटाने का निर्देश दिया साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बजट पूरे करने तथा प्रत्येक कृषक को प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत किसान कार्ड जारी करने, ऋण पत्रावलियों के शीघ्र निपटाने हेतु निर्देशित किया। यह कहना है अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन बीना महावर का। नागौर जिला कलेक्टर सभागार में आयोजित वित्तीय वर्ष 2020-21 की चतुर्थ ते माई 31 मार्च 2021 को समाप्त हुई कार्य की समीक्षा करते हुए बैंकर्स जिला स्तरीय समीक्षा समिति बैंकर सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रही थी। बैठक के प्रारंभ में पंजाब नेशनल बैंक भरतपुर के मुख्य अग्रणी जिला प्रबंधक कैप्टन रविंद्र पांडे ने सभी सदस्यों का परिचय करवाते हुए स्वागत किया पंजाब नेशनल बैंक भरतपुर मंडल के मंडल प्रमुख अश्विनी कुमार सिंह ने बैठक की अध्यक्षता कर रही अतिरिक्त जिला कलेक्टर महावर का स्वागत किया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेन्द्र सिंह चारण ने पीएम स्व-निधि योजना के तहत सभी पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण उपलब्ध कराने तथा एनयूएलएम की स्व-रोजगार योजना के अंतर्गत आवेदनों को संवेदनशील होकर निपटाने करने का आह्वान किया।

बैठक में जिला परिषद भरतपुर के पंजाब नेशनल बैंक भरतपुर मण्डल के मंडल प्रमुख अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि जिले में बैंकों ने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित लक्ष्यों जिसमें ऋण जमा अनुपात, प्राथमिकता क्षेत्र, कृषि, लघु एवं मध्यम उद्योग कमजोर वर्ग तथा महिलाओं को अग्रिम सम्मिलत है, को न केवल प्राप्त किया है बल्कि लक्ष्य से अधिक प्राप्ति की है। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक कैप्टन रवीन्द्र पाण्डेय ने पंजाब नैशनल बैंक द्वारा भरतपुर जिले में किए जा रहे विभिन्न कार्यो के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जिले के ऋण जमा अनुपात को राष्ट्रीय लक्ष्य 60% से अधिक प्राप्ति पर बैंकर्स की प्रशंसा की, साथ ही जिन बैंकों की 60 प्रतिशत से कम उपलब्धि है, उनसे राष्ट्रीय लक्ष्यों के समकक्ष तक प्राप्त करने का आग्रह किया।

जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक बी.एल मीणा ने बताया कि वित्तीय वर्ष में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत लक्ष्यों से अधिक प्राप्ति की गई है। मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान गत वर्ष की भाँति ही योजना के लक्ष्य आवंटित किए गए है। उन्होंने आवंटित लक्ष्यों से अधिक प्राप्ति के लिए बैंकर्स की प्रंशसा की तथा चालू वित्तीय वर्ष के दौरान निरंतर आधार पर कार्य कर समयपूर्ण लक्ष्य प्राप्ति का भी अह्वान किया। बैठक में नाबार्ड के डीडीएम राजेश मीणा ने जिले के साख जमा अनुपात में गिरावट पर सदन का ध्यान आकर्षित किया और सुझाव दिया कि अधिक ऋण प्रदान कर इस अनुपात को ठीक कर सकते है। उन्होनें जिले के बचे हुए सभी कृषकों को किसान क्रेडिटकार्ड योजना से जोडने की सलाह दी। इन्द्रा महिला शक्ति उद्यमी प्रोत्साहन योजना के संबंध में उपनिदेशक महिला सशक्तिकरण अमित गुप्ता द्वारा बताया गया कि चालू वित्तीय वर्ष 34 ऋण आवेदन विभिन्न बैंकों उपलब्ध करवाये गये जिनके गुण-दोषों के आधार पर निर्धारित समयावधि में निपटान करे। राजिविका के जिला परियोजना प्रबंधक केएल जाटव ने जिले में महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए किये गये कार्य व्यौरा प्रस्तुत किया। पीएनबी आरसेटी के निदेशक मूलक सिंह ने अपने प्रशिक्षण केन्द्र का व्यौरा प्रस्तुत किया तथा प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा तैयार की पुस्तिका का विमोचन भी करवाया। वित्तीय साक्षरता सलाहकार राजवीर सिंह ने बताया कि उनके द्वारा 66 केम्पों के माध्यम से 2200 लोगों वित्तीय साक्षरता प्रदान करवाई गई तथा 11 ऑनलाईन प्रशिक्षण केम्पों में 320 लोगों को जोड़ा गया। बैठक में बैंकों की ओर से बीआरकेजीबी के उपक्षेत्रीय प्रबंधक जे.एस. शक्तावत, एसबीआई के मुख्य प्रबंधक सिकन्दर आजम, बीओबी के मुख्य प्रबंधक अमीचन्द शेरसिया सहित जिले के बैंक समन्वयक उपस्थित थे।

नशाखोरी भारतीय समाज की बनी बड़ी समस्या

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भुसावर। नशाखोरी भारतीय समाज में बड़ी समस्या बन चुकी हैं। अक्सर लोग जीवन के तनाव तथा विफलताओं से पीछा छुड़ाने के लिए नशे की लत का सहारा लेते हैं, जिसका परिणाम एक दिन उन्हें नशे का गुलाम बना देता हैं, ह्रदय की पवित्रता तथा विचारों की शुद्धता के लिए नशा मुक्ति बेहद जरुरी हैं। यह कहना है ट्री ग्रुप संस्थान के निदेशक के के भारद्वाज का। भारद्वाज सेफ इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक अमृत भारद्वाज द्वारा वर्चुअल वेबीनार सेमिनार में हिस्सा लेते हुए अपना मत व्यक्त कर रहे थे। भारद्वाज ने कहा कि वर्तमान में नशे की लत से हमें वर्तमान युवा पीढ़ी को मुक्त कराने के लिए प्रयास करने होंगे सभी मिलकर इन प्रयासों पर विचार कर इन्हें क्रियान्विति लिए युवा पीढ़ी को भी आगे लाना होगा। चर्चा में हिस्सा लेते हुए शहीद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक यतेन्द्र पाण्डेय् ने कहा की स्वास्थ्य को सबसे बड़ा धन माना गया है। नशीले पदार्थों का सेवन करने से व्यक्ति स्वयं का दुश्मन बन रहा है। मुख्य रूप से निम्न वर्ग के लोगों में नशाखोरी की समस्या आम है। अपनी कमाई का अधिकतर हिस्सा नशे में खर्च कर देते हैं। यहां यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा ही ऐसे हालातों में नशा करने वाला परिवार की अन्य लोगों का लहू पीता है। चर्चा में हिस्सा लेते हुए सेफ इंडिया फाउंडेशन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप शर्मा ने विचार रखते हुए कहा कि 70 फ़ीसदी से अधिक अपराध लोग नशे की हालत में करते हैं अथवा उस अपराध को अंजाम तक पहुंचाने के लिए नशा करते हैं। शर्मा ने कहा किसी नशेड़ी भक्ति को तर्क के आधार पर पराजित नहीं कर सकते हैं उनके पास ऐसे कुतर्क होते हैं जिनका जवाब हमारे पास नहीं होता। गम भुलाने के लिए पीता हूं नशा करने से दिमाग हल्का हो जाता है टेंशन दूर हो जाती है। नशे में धूत व्यक्ति को इस बात का संज्ञान नहीं रहता है कि वह कहाँ है किसके सामने हैं तथा क्या बात कर रहा हैं. वह किसी वैचारिक दुनियां में अपने दिमाग को ले जाता हैं। उसके लिए समाज, मर्यादा, बहु बेटी, छोटे बड़े का फर्क शून्य हो जाता हैं। आमोद प्रमोद के लिए वह किसी हद तक भी जा सकता हैं।

वेबीनार में सेफ इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक अमृत भारद्वाज, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष संदीप शर्मा, ट्री ग्रुप संस्थान के निदेशक केके भारद्वाज, एडवोकेट योगेश शर्मा, नासिर मोहम्मद, विप्र फाउंडेशन के इंदु शेखर शर्मा, देवाशीष भारद्वाज, शहीद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक यतेन्द्र पाण्डेय, पीयूष जयशंकर टाइगर, सहित अनेक लोगों ने हिस्सा लिया।

नशा मुक्त कैसे हो समाज

सभी वक्ताओं का एक मत रहा कि समाज की बुराईयों समाज के अग्रज लोग ही निवारण में सहायक हो सकते हैं। वर्तमान परिस्थितियों में युवा पीढ़ी को नशा मुक्त करने का उपाय ढूंढने के लिए सबसे पहले हमें नशा प्राप्ति केंद्रों की समाप्ति का उपाय करना होगा छंमभेष में युवा पीढ़ी को समाप्त करने के लिए प्रयासरत लोगों की खोज कर उन्हें समाज के सामने लाना होगा जिससे हम युवा पीढ़ी को बचाने में सार्थक कदम उठा सकेंगे।

ANCHOR

वरिष्ठ शिक्षक और थर्ड ग्रेड शिक्षक कर रहे तबादले की मांग

तबादलों के लिए करना होगा अभी और इंतजार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोविड का प्रकोप कम होते ही एक बार फिर शिक्षकों ने तबादले की मांग शुरू कर दी है। कोविड की दूसरी लहर से पहले शिक्षा विभाग ने प्रथम श्रेणी के ही तबादले किए थे और अब वरिष्ठ शिक्षकों, तृतीय श्रेणी शिक्षकों और डार्क जोन में लगे शिक्षकों ने भी तबादलों किए जाने की मांग करनी शुरू कर दी है।

ट्विटर पर चला रहे कैम्पेन

पिछले दो साल से तबादलों का इंतजार कर रहे तृतीय श्रेणी शिक्षक अब ट्विटर पर कैम्पेन चला रहे हैं। उनका कहना है कि वह लगातार जनप्रतिनिधियों के चक्कर लगा रहे हैं, मंत्रियों से मिल रहे हैं, विधायकों को ज्ञापन दे रहे हैं, लेकिन अब तक सरकार ने तबादला प्रक्रि या शुरू नहीं की है। गौरतलब है कि प्रदेश में 2 लाख 16 हजार 889 थर्ड ग्रेड शिक्षक कार्यरत हैं। डार्क जोन में पदस्थापित थर्ड ग्रेड शिक्षकों की संख्या 72119 है। डार्क जोन का मतलब प्रतिबंधित जिले हैं, जहां सामान्य दिनों में तबादले नहीं होते। गौरतलब है कि वसुंधरा राजे की भाजपा सरकार में थर्ड ग्रेड टीचर के तबादलों पर बैन लगा दिया था और तब से तबादले का ताला खुलने का नाम नहीं ले रहा है। इनमें भी सबसे बड़ा विवाद प्रतिबंधित जिलों को लेकर ही है। जहां ज्वॉइन करने के बाद तबादला होना बहुत मुश्किल माना जाता है। वहीं वरिष्ठ शिक्षकों से दो बार तबादलों के लिए आवेदन मांगें जा चुके हैं लेकिन तबादले नहीं हुए, जिससे शिक्षकों में आक्रोश है।

महासंघ ने की तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती 2018 के स्थायीकरण की मांग

राजस्थान एकीकृत शिक्षक महासंघ ने शिक्षामंत्री को ज्ञापन भेजकर तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती 2018 के स्थायीकरण की मांग की है। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष हरपाल दादरवाल ने कहा कि तृतीय श्रेणी भर्ती 2018 में पदस्थापित शिक्षकों का परिवीक्षा काल पूरा हुए महीनों बीत गए हैं लेकिन कुछ जिलों को छोड़कर जिला परिषद् द्वारा अनुमोदित सूचियों के आधार पर शिक्षकों वेतन नियमितीकरण व सेवा स्थायीकरण के आदेश नहीं हो पाए हैं। महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील मेहरा और महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मपाल स्वामी ने बताया कि काफी लंबे समय से परिवीक्षा काल पूरा होने के बाद स्थायीकरण नही होने के कारण हजारों शिक्षक मानसिक व आर्थिक रूप से अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं।

शिक्षामंत्री बोले, सीएम करेंगे फैसला

वहीं शिक्षक तबादलों को लेकर शिक्षामंत्री गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है कि अभी कोविड का प्रकोप कम नहीं हुआ है ऐसे में शिक्षकों की जान जोखिम में ना डाली जा सकती इसलिए अभी तबादलों को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गा है। तबादला खोलने का निर्णय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को करना है। जब भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ट्रांसफर पर फैसला लेंगे उसके बाद ट्रांसफर खोले जाएंगे।

फैक्ट फाइल

- प्रदेश में 65000 सरकारी स्कूल
- इनमें 2 लाख 16 हजार 889 थर्ड ग्रेड शिक्षक पढ़ा रहे हैं
- खाली पदों की संख्या 40258
- डार्क जोन में पोस्टेड थर्ड ग्रेड शिक्षकों की संख्या 72119
- डार्क जोन का मतलब प्रतिबंधित जिले हैं, जहां सामान्य दिनों में तबादले नहीं होते
- पिछले 11 साल में महज दो बार 2010 और 2018 में थर्ड ग्रेड तबादले हुए।

मानस यात्रा

नविता मिश्रा
इन्टरप्रेन्योर
@jagrukjanta.net

घर में रोज सुबह भजन सुनने की प्रथा रही है। हर दिन की तरह उस दिन कि शुरुआत शिव आराधना से हुई क्योंकि सोमवार था। चूंकि यूट्यूब पर जब हम कोई भी विषय देखते हैं तो उससे मिलते-जुलते विषयों को एक पंक्ति में हमारे सामने दिखा दिया जाता है। शिव आराधना पूरी होते ही 12 ज्योतिर्लिंग की कहानी भजन के रूप में यूट्यूब ने मेरे लिए चला दी। मैं भी चाय की चुस्कियों के साथ बड़े ध्यान से उस भजन की पंक्तियों में कुछ ऐसी खो गई, मानो हर वह स्थान जहां ज्योतिर्लिंग के रूप में शिव उपस्थित है वहां कि मैंने मानस यात्रा कर ली। मानस यात्रा कुछ इस तरह हुई कि मेरा शरीर घर पर चाय लिए बैठा था, पर मेरा मन उन शब्दों के साथ हर उस स्थान पर चला गया जहां ज्योतिर्लिंग है। सौराष्ट्र के सोमनाथ से लेकर सेतुबंध रामेश्वरम तक हर स्थान का अनुभव इतना जीवंत था कि जैसे ही वह प्रार्थना पूरी हुई मानो मैं इस यात्रा से लौट आई। शायद इसलिए कहा जाता है इंसान जो सुनता है ,देखता है, या पड़ता है उसका असर उसके जीवन पर और उसके चरित्र में झलकने लगता है। आज जिस तरह की विषय वास्तु टीवी-इंटरनेट पर दिखाई जा रही हैं उससे हमारा भविष्य किस दिशा में जा रहा है इसकी कल्पना मात्र से ही डर का अनुभव होता है। इंटरनेट पर उपलब्ध मनोरंजन की सामग्री में ना ही सेंसर की कैंची है ना ही माता-पिता की नजर। हमारी भावी पीढ़ी के हाथों में देश के भविष्य के साथ-साथ मोबाइल जैसा अनियंत्रित यंत्र भी है, जो उतना ही जोखिम भरा है जिस तरह किसी ऐसे व्यक्ति के हाथ में भरी हुई बंदूक दे दी जाए जिसका स्वयं पर नियंत्रण ना हो। सरकार ने ड्राइविंग लाइसेंस की उम्र 18 वर्ष इसलिए रखी है कि इस उम्र तक आते-आते व्यक्ति कि सोच में थोड़ी बहुत परिपक्वता आ ही जाती है। वैसे भावी पीढ़ी को ही क्या दोष आज तो हर उम्र के व्यक्ति के हाथ में मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा है। यह सुविधा दूसरों के लिए कब असुविधा का कारण बन जाती है पता ही नहीं चलता। माना मोबाइल और इंटरनेट के उपयोग को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन यहां पर भी अभद्रता परोसने की कोई तो नियंत्रण रेखा हो। दरवाजे बिना कुंडी के नहीं होते। हर दरवाजे पर सुरक्षा हेतु कुंडी और जरूरत पड़ने पर ताला भी लगाया जाता है।

आज हिंसा, अभद्र भाषा, गाली गलोज साधारण बोलचाल का हिस्सा बनते जा रहे हैं अगर किसी से दोस्ती निभानी है, या किसी को दुश्मनी दिखानी है तो लोग खुले तौर पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और इस तरह के एक अपशब्द बोल कर दूसरों पर अपनी झूठी धौंस दिखाते हैं और अब तो बहुत से लोगों के लिए इस तरह के अपशब्द तकियाकलाम बन चुके हैं जो उनके मुंह से अचेतन अवस्था में भी निकल जाते हैं ।चाहे फिर सामने छोटे बच्चे बैठे हो या घर के बड़े बुजुर्ग। समय आ गया है इस समस्या का समाधान बड़े स्तर पर किया जाए। लोगों के बीच जागरूकता लाई जाए ताकि हमारी मानस यात्रा मिर्जापुर की नहीं अपितु भारत की समृद्ध और उन्नत संस्कृति की हो और हमारी भावी पीढ़ी के चरित्र के निर्माण में सहायक हो।

डूब क्षेत्र में बसी कॉलोनियों को भी सरकार दे सकती है पट्टा

सर्वे के आधार पर होगा नियमन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रशासन शहरों के संग अभियान में सरकार ऐसी कॉलोनियों को पट्टे देगी, जिनका डूब क्षेत्र के नाम पर नियमन अटका हुआ है। इसे लेकर कलेक्टर्स के स्तर पर सर्वे करवाकर स्थिति स्पष्ट की जाएगी। अगर ये क्षेत्र सुरक्षित हैं और यहां आबादी निवास कर रही है तो सरकार पट्टे देने की कार्रवाई करेगी। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने प्रशासन शहरों के संग अभियान की तैयारियों को लेकर कोटा एवं उदयपुर संभाग की 44 नगरीय निकायों, 03 नगर विकास न्यासों की कार्यशाला यह निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि कार्यशाला में यह बात सामने आई कि कई कॉलोनियों पॉश इलाकों में हैं, लेकिन डूब क्षेत्र में डालने की वजह से इनका नियमन अटका हुआ है। जयपुर शहर में ही इस तरह की कई कॉलोनियां बनी हुई हैं। इस पर मंत्री ने कलेक्टर्स के माध्यम से सर्वे के निर्देश दिए हैं। कार्यशाला में यूडीएच के सलाहकार जी.एस. संधु, प्रमुख सचिव यूडीएच कुंजी लाल मीणा, एलएसजी के शासन सचिव भवानी सिंह देथा, डीएलबी निदेशक दीपक नन्दी, मुख्य नगर नियोजक आर.के. विजयवर्गीय, एच.एस. संचेती सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

ये भी दिए निर्देश

- निकायों को कार्यों के निपटारे के लिए साप्ताहिक और मासिक कैलेण्डर बनाने होंगे
- प्रशिक्षित और अनुभवी कर्मचारियों को अभियान में लगाए, ताकि समय पर मिले पट्टा
- पट्टे में किसी प्रकार की कोई शर्त नहीं होगी
- संशोधित बॉयलॉज एवं नियमों की जानकारी नगरीय निकायों को शीघ्र ही उपलब्ध करवाई जाए
- निकाय समय-समय पर सोशल मीडिया पर जानकारी शेयर करें
- ड्रोन सर्वे और जोनल प्लान का काम पूरा किया जाए
- 7 जुलाई तक अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं, सुझावों की जानकारी निदेशालय को भेजें
- निकायों की ऑनलाइन सेवाओं का अभियान में प्रयोग करें
- संभाग स्तर पर कार्यशाला आयोजित की जाए
- निकायों की पैराफेरी सीमा में स्थित ग्राम पंचायतों की आबादी भूमि में भी नियोजन के काम होंगे।

छः सूत्री मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

संयुक्त किसान मोर्चा संगठन ने राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को दिया ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सांचौर। संयुक्त किसान मोर्चा संगठन जालोर ने राष्ट्रपति के नाम उपखंड अधिकारी भूपेंद्र यादव को बढ़ती मंहगाई के विरोध में नारेबाजी व प्रदर्शन कर छः सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया कि मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण महंगाई पेट्रोल डीजल के भावों में वृद्धि किसान विरोधी कानून व नीजीकरण के विरोध में प्रदर्शन किया गया व केन्द्र सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए नारेबाजी की गई।बढ़ती मंहगाई पर रोक लगाने, पेट्रोल डीजल के दामों में कमी करने, नीजीकरण बंद करने, कृषि कानून वापस लेने, किसान और ट्रेड यूनियन विरोधी अध्यादेश वापस लेने व भारतमाला परियोजना एक्सप्रेस हाइवे का दोबारा सर्वे करवाने सहित छः सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान ईशराराम विश्नोई, राणाराम साहू चौरा, कलाराम चौधरी जाजूसन व अशोक विश्नोई सहित

भाजपा समाज के प्रति करती है हर जिम्मेदारी का निर्वहन - डॉ.अल्का सिंह

कोटपूतली @ जागरूक जनता। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के निर्देश पर प्रदेश भर में सेवा ही संगठन अभियान चलाकर विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया जा रहा है। ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ता भी अभियान के तहत मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट ओमप्रकाश भड़ाना के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। मोर्चे के कार्यकर्ताओं ने भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ.अल्का सिंह गुर्जर के मुख्य आतिथ्य में निकटवर्ती ग्राम सांगटेड़ा स्थित पीली जोहड़ मंदिर परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान डॉ. अल्का सिंह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राजनीति के साथ-साथ समाज के प्रति हर जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं। अध्यक्षता करते हुए मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट हीरालाल रावत ने विभिन्न सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान भाजयुमो जिला महामंत्री एडवोकेट राजेन्द्र रहीसा, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष एवं सरपंच सोनू चौधरी, एडवोकेट चेतराम रावत सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रेड पे 3600 किए जाने की मांग

पांच से कार्य बहिष्कार करेंगे पटवारी

राज्यपाल से करेंगे इच्छा मृत्यु की मांग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रेड पे 2400 से बढ़ाकर 3600 रुपए करने, पदोन्नति में समय सीमा 7,14,21,28,32 वर्ष किए जाने और नो वर्क नो पे के आदेश वापस लिए जाने की मांग को लेकर पटवार संघ मंगलवार को प्रदेश के सभी उपखंड अधिकारियों को ज्ञापन दिया। राजस्थान पटवार संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र निमिवाल ने बताया कि 30 जून को जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया और इसके बाद भी यदि सरकार ने उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं की तो पांच जुलाई को पटवारी कार्य बहिष्कार करते हुए राज्यपाल से इच्छा मृत्यु की मांग करेंगे।

निमिवाल ने कहा कि संघ तीन सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहा था। अपनी मांगों को लेकर पटवारियों ने दो माह तक शहीद स्मारक पर धरना दिया, लेकिन कोविड के बढ़ते संक्रमण के कारण धरना स्थगित कर दिया लेकिन अब कोविड का संक्रमण कम होने के बाद पटवार संघ एक बार फिर अपना आंदोलन तेज कर रहा है और अपनी मांगों को लेकर सोमवार को पटवार संघ ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राजस्व मंत्री और मुख्य सचिव को ई मेल के जरिए ज्ञापन दिया। निमिवाल ने कहा कि पहले सरकार से हमारी मांगों को लेकर लगातार सहमति बनी लेकिन समझौते को लागू नहीं किया लेकिन अब सरकार मांगों के विपरित जाकर वार्ता कर रही है।

निमिवाल ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों में पटवारियों का वेतन सबसे कम है जबकि पटवारी पूरे समय दिन रात फील्ड में रहकर काम करते हैं। पटवारियों की वेतन वृद्धि की मांग काफी समय से चली आ रही है और इस मांग को लेकर 2018 में सरकार के साथ समझौता भी हुआ था मगर उसके बाद भी समझौते का पालन नहीं किया गया। उन्होंने ग्रेड पे 2400 से बढ़ाकर 3600 रुपए करने, पदोन्नति में समय सीमा 7,14,21,28,32 वर्ष किए जाने तथा नो वर्क नो पे के आदेश वापस लिए जाने की मांग कर रहे हैं।

सांख्यिकी के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को पुरस्कार

गुड गवर्नेंस के लिए सांख्यिकी बहुत महत्वपूर्ण-मुख्य सचिव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने 15 वें सांख्यिकी दिवस के अवसर पर कहा कि जैसे जीवन के लिए ऑक्सीजन जरूरी है, उसी तरह किसी भी योजना की सफलता के लिए भी डेटा एनालिसिस महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विकास और गुड़ गवर्नेंस सांख्यिकी के बिना संभव नहीं है।

आर्य मंगलवार को विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय ऑनलाइन कार्यशाला को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित कर रहे थे उन्होंने सांख्यिकी की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि आंकड़ों के आधार पर योजनाओं का निर्माण किया जाता है और इन्हीं आंकडों के आधार पर उसकी दिशा तय की जाती है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी के क्षेत्र में रोज नई-नई तकनीक तथा आयाम आ रहे हैं जिनका उपयोग करके योजनाओं को बेहतर तरीके से निरूपित किया जा सकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों कर्मचारियों को सांख्यिकी दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि आंकड़ों का विश्लेषण हर योजना के लिए बहुत जरूरी है तथा पर्दे के पीछे काम करने वाले सांख्यिकी अधिकारी इसे अच्छे तरीके से निभा रहे हैं। आर्य ने कहा कि सांख्यिकी अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे इस काम की महत्ता को समझते हुए राज्य के विकास रूपी पथ को आगे बढ़ाने में सहयोग करेंगे।

इस अवसर पर सचिव, सांख्यिकी विभाग नवीन जैन ने कहा कि सांख्यिकी अधिकारियों का काम न केवल डेटा को इकट्ठा करना है बल्कि डेटा में हुए बदलाव का विश्लेषण करना भी है। उन्होंने कहा कि की इस क्षेत्र में सभी लोगों को अपनी नॉलेज को अपडेट करना चाहिए तथा समय अनुसार उसमें बदलाव करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स सांख्यिकी का नया भविष्य है।

कार्यशाला में इस वर्ष की थीम 'अचिविंग एसडीजी-2 चौलेंज एंड वे फारवर्ड ऑफ कोविड 19 पनेडेमिक' पर युनिसेफ, दिल्ली के केडी मेति, आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. डी के मंगल तथा वर्ल्ड फूड प्रोग्राम की एसडीजी प्रबंधक सुश्री पी. पैठांकर जैसे विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिये गए। विभाग के निदेशक डॉ. ओम प्रकाश बैरवा ने राज्य में सांख्यिकी प्रणाली पर प्रस्तुतीकरण दिया।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव द्वारा जन आधार योजना का पोस्टर विमोचन, पहचान पोर्टल पर आमजन को पुराने प्रमाण पत्रों के डिजिटलीकरण की सेवा का लोकार्पण एवं विभाग के महत्वपूर्ण वार्षिक प्रकाशन ''स्टेटिस्टिकल ईयर बुक 2020'' तथा ''स्टेटिस्टिकल सिस्टम इन राजस्थान'' भी आमजन के उपयोग के लिए जारी किए गए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव ने सांख्यिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कार्मिकों को राज्य स्तरीय प्रो. पीसी महालनोबिस अवार्ड वर्ष 2020-21 प्रदान किया। विभिन्न जिलों में संबंधित कलेक्टर द्वारा कार्मिकों को ये अवार्ड प्रदान किए गए। राज्य भर से कुल 14 अधिकारियों कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किये गए। इस वर्चुअल कार्यक्रम में मुख्यालय के सभी अधिकारी, विषय विशेषज्ञ तथा ब्लॉक स्तर के सांख्यिकी कार्मिक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मौजूद थे।

न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड

चित्तौड़ सीमेण्ट प्लाण्ट को 'सीम' गोल्ड अवार्ड

ऊर्जा संचयन के क्षेत्र में विशेष योगदान हेतु मिला पुरस्कार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। सोसायटी ऑफ एनर्जी इंजीनियर्स एवं मैनेजमेंट (सीम) द्वारा वर्ष 2020 हेतु न्युवोको के चित्तौड़ सीमेण्ट प्लांट को ऊर्जा संचय क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण योगदान फलस्वरूप गोल्डन अवार्ड प्रदान किया गया। राष्ट्रीय स्तर के इस पुरस्कार हेतु 'सीम' ने सीमेण्ट क्षेत्र में देशभर की कई इकाईयों का अध्ययन किया एवं अन्ततः एक वर्चुअल आयोजन के अन्तर्गत देशभर के विभिन्न क्षेत्रों की औद्योगिक एवं व्यावसायिक विजेता इकाईयों के नामों की घोषणा की। चित्तौड़ सीमेण्ट प्लांट के नाम की घोषणा सीम-आंध्रप्रदेश-तेलंगाना के सचिव प्रवीण कल्लप्पा तोडकर द्वारा की गई एवं साथ ही ऊर्जा संचयन के क्षेत्र में प्लांट द्वारा किये गये विभिन्न प्रयासों को प्रस्तुत किया गया। चित्तौड़ सीमेण्ट प्लाण्ट के प्रोसेस विभाग प्रमुख धर्मेन्द्र चौधरी ने बताया कि सीम एक राष्ट्रीय संस्था है जो उद्योगों को ऊर्जा दक्षता को साकार करने एवं उसी अनुरूप ऊर्जा संचय हेतु अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करता है। यह संस्था 650 से अधिक पेशवरों का एक समूह है जो पंजीकृत ऑडिटर्स एवं प्रबंधक होते हैं, ये ऑडिटर्स समय-समय पर उद्योगों की ऊर्जा खपत एवं संचय का ऑडिट कर अपने आंकड़े प्रस्तुत करते हैं। वर्तमान में सीम के 2000 से अधिक पंजीकृत सदस्य हैं। इकाई प्रमुख संजय त्यागी ने बताया कि प्लांट में अपनी ऊर्जा दक्षता को प्राप्त करने हेतु एक विशेष समिति बनाई गई है जो अपनी दैनिक गतिविधियों के अतिरिक्त ऊर्जा संचयन हेतु अपनी अनुशंसाएं प्रदान करती हैं। जिनमें प्लांट की विभिन्न प्रक्रियाओं में ऊर्जा हेतु मुख्यतः अधिक से अधिक वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग पर ज़ोर दिया जाता है। इन्हीं अनुशंसाओं को प्रक्रियाओं में लागू कर ऊर्जा दक्षता के लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। साथ ही इकाई के सभी कर्मचारी भी अपने क्षेत्रों में निजी रूप से ऊर्जा संचयन हेतु प्रयासरत रहते हैं। त्यागी ने पुरस्कार को प्रत्येक कर्मचारी की जीत मानकर सभी को बधाई प्रेषित की एवं सीम प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

जागरूक खबरें

सांथा में भी खुलेगा पशु चिकित्सालय -हुडला

महुवा @ जागरूक जनता। सांथा ग्राम पंचायत वासियों को विधायक ओम हुडला ने सौगात देते हुए पशु औषधालय को क्रमोन्नत करवाया है। यहां अब पशु चिकित्सक के साथ अन्य स्टाफ की भी सेवाएं ग्रामीणों को अपने पशुओं के लिए जल्द मिल सकेंगी। गौरतलब है कि पिछले दिनों महुआ विधायक ओम प्रकाश हुडला ने मुख्यमंत्री और पशुपालन मंत्री से सांथा में मौजूद पशु औषधालय को क्रमोन्नत करने की मांग की थी, जिस पर सरकार द्वारा सहानुभूति पूर्व विचार करते हुए सांथा औषधालय को पशु चिकित्सालय में घोषित कर दिया है। हुड़ला ने कहा कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करना उनका प्राथमिक एजेंडा है। उन्होंने लोगों से वर्तमान परिपेक्ष को देखते हुए आग्रह किया कि कोरोना कि दूसरी लहर अब लगभग खत्म हो चुकी है हमारे विधानसभा क्षेत्र में अब कोरोना के नए मामले नहीं आ रहे हैं पर हमें व आपको आवश्यकता विशेषज्ञों की राय को मानने की हैं हम सभी को बाजार में सार्वजनिक स्थानों पर जाते समय कोरोना प्रोटोकॉल की पालन करने की आवश्यकता है जिससे हमारा क्षेत्र को कोरोना की तीसरी लहर से बचाया जा सके।

बीजेपी पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ने किया पौधारोपण

सांचौर @ जागरूक जनता। भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा जालोर की पूर्व जिलाध्यक्ष शांता विश्नोई ने उपखंड क्षेत्र का दौरा कर क्षेत्र के चौरा निवासी शांता चौधरी पंचायत समिति सदस्य के निवास स्थान पर अलग-अलग प्रजाति के औषधियें पौधे लगाएं गये। इस पंचायत समिति सदस्य चौधरी ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते देशभर में आई ऑक्सीजन की भारी किल्लत से कई लोगों को जान गंवानी पड़ी है। इसलिए भविष्य को ध्यान में रखते हुए अधिकाधिक पौधारोपण करना चाहिए। इस मौके डॉ शीला विश्नोई, पूर्व उपसरपंच तीजा देवी चौधरी व हेमराज चौधरी आदि मौजूद थे।

बहन को ससुराल लेने गए भाई के साथ मारपीट

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। जिले के मंगलवाड़ थाना क्षेत्र में सोमवार रात्रि को ससुराल पक्ष ने बहन को लेने गए भाई से मारपीट करने से 1 बच्चे सहित 4 जने घायल हो गए। जिन्हें सामान्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पीड़ित बंसीलाल पिता बाबूलाल बावरी निवासी हीराजी का खेड़ा भादसोड़ा ने बताया कि सोमवार को वह अपनी पत्नी व माता-पिता से साथ अपनी बहन संतोषी को लेने ससुराल मंगलवाड़ थाना के छिपा का खेड़ा में लेने गया। आपसी बातचीत होने के बाद लौटते समय संतोषी के ससुर चेनराम उसका भाई बाबर,भगत,शांति व कब्बू ने लठ से हमला कर घायल कर दिया। जिससे उन्हें श्री सांवरियाजी ज़िला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पीड़ित ने मंगलवाड़ थाना में रिपोर्ट दी है। वहीं संतोषी का पति पुलिस हिरासत में है।

पूर्व राज्य मंत्री चुन्नीलाल धाकड़ के निधन पर शहर कांग्रेस कमेटी शोक व्यक्त किया

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। पूर्व मंत्री,बेंगू के पूर्व विधायक व भाजपा के वरिष्ठ नेता चुन्नीलाल धाकड़ के निधन पर शहर कांग्रेस कमेटी ने शोक जताया हैं। शहर कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता राजेश सोनी ने बताया कि एआईसीसी सदस्य पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश मूंदड़ा, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष त्रिलोक चंद जाट, नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा, पूर्व पालिका अध्यक्ष रमेशनाथ योगी, नगर परिषद उपसभापति कैलाश पंवार, पूर्व प्रधान पुष्पा जाट, सरपंच अध्यक्ष संघ रविराज सिंह, पूर्व जिला परिषद सदस्य मोहन सिंह भाटी, पूर्व युवक कांग्रेस प्रदेश महासचिव अभिमन्यु सिंह जाड़ावत सहित कांग्रेस पदाधिकारियों ने पूर्व विधायक व राज्य मंत्री चुन्नीलाल धाकड़ के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। शोक व्यक्त करते हुए एआईसीसी सदस्य पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने कहा, कि स्वर्गीय चुन्नीलाल धाकड़ किसानों के सच्चे हितैषी थे। उनका लालन-पालन कांग्रेस संस्कृति के अनुरूप हुआ बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए थे। जीवन भर उन्होंने खादी पहनी वह बहुत ही अच्छे नेता थे। उनके निधन पर गहरी शोक संवेदनाएं उनके परिवार के साथ है।

भाजपा युवा मोर्चा देहात के जोधपुर जिला अध्यक्ष का पीपाड़ शहर में हुआ स्वागत

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त जोधपुर देहात दक्षिण के जिला अध्यक्ष अरविंद बर्रा के पीपाड़ शहर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के द्वारा दुपट्टा, माल्यार्पण व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में कोरोना से हुए अकाल निधन पर सभी लोगो के लिए दो मिनिट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। जिला अध्यक्ष ने उपस्थित कार्यकर्ताओ को आपसी मतभेद भूलाकर दल की एकजुटता के लिए कार्य करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने इस कोरोना महामारी के दौरान जिले के असहाय लोगों की हर प्रकार से सहायता करने की आवश्यकता बताई। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष रामकिशोर भूतड़ा, पूर्व पालिकाध्यक्ष महेंद्र सिंह कच्छावाह, चिमनाराम टाक, पूर्व जिला उपाध्यक्ष दुलीचंद सोनी, मंडल महामंत्री आदित्य कच्छावाह द्वारा मुंह मीठा करवाया गया। स्वागत कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष बंसीलाल जीनगर, मंडल प्रवक्ता दिनेश सोलंकी, आईटी सेल संयोजक जीतू सैनी, मीडिया प्रभारी अरविंद सोनेल, मंडल मंत्री गजेंद्र सिंह राजपुरोहित, जितेंद्र प्रजापत, पार्षद कैलाश सेन, धर्मेंद्र सोनी, पार्षद प्रतिनिधि अतुल कच्छावाह, कल्याण सिंह टाक, खिवराज जीनगर, वरिष्ठ नेता जयनारायण जांगिड़, सुरेश चौहान, सचिन मुथा, रामनिवास कच्छावाह, सुरेश जीनगर, पवन सोलंकी सहित कई कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए।

भवन मानचित्र समिति (बी.पी.) की बैठक

8 मीटर तक हाईट के प्रकरणों का निस्तारण अब जोन स्तर पर

जयपुर @ जागरूक जनता। जेडीए में भवन मानचित्र समिति (बिल्डिंग प्लान) की बैठक आयोजित की गई। जेडीए आयुक्त गौरव गोयल की अध्यक्षता में हुई बैठक में कम साईज के भूखण्डों में स्टील्ट सहित 18 मीटर तक हाईट के प्रकरणों का निस्तारण जोन स्तर पर किए जाने का नीतिगत निर्णय लिया गया। वहीं बैठक में रामचंद्रपुरा में बोम्बे हॉस्पिटल की लीज, पूर्णग्रहण शुल्क जमा कर भवन निर्माण अवधि बढाने का निर्णय लिया गया। बैठक में भूखण्ड संख्या 3, इंदिरा प्लेस, मालवीय नगर, भूखण्ड संख्या बी 1-2 अशोक वाटिका और वैशाली नगर योजना में डाकघर के संशोधित भवन मानचित्रों का अनुमोदन किया गया। भूखण्ड संख्या ए-2 पृथ्वीराज रोड, सी-स्कीम जयपुर पर निर्मित गुप हाउसिंग के पूर्णता प्रमाण पत्र का अनुमोदन किया गया। वहीं भूखण्ड संख्या 1 ग्राम मोहनपुरा तहसील सांगानेर इस्कॉन टेम्पल रोड के प्रस्तावित ग्रुप हाउसिंग के भवन मानचित्रों को निरस्त किया गया। खसरा नं. 3063 से 3065, 3068 एवं 3065/4548 ग्राम खो नागोरियान पर प्रस्तावित भवन की निर्माण स्वीकृति न दी जाकर भवन मानचित्र जारी किए जाने का निर्णय लिया गया, जिसकी सूचना सरकार को भी भिजवाई जाएगी।

डेयरी संघ की सुरक्षा में चूक

13 लीटर दूध चोरी करते दो को अध्यक्ष ने पकड़ा, पुलिस ने किया गिरफ़्तार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ प्रतापगढ़ सहकारी डेयरी संघ परिसर से दूध की थैलियां चुरा कर ले जाते खुद डेयरी अध्यक्ष बदरीलाल जाट जगपुरा ने दो व्यक्तियों को रंगे हाथ पकड़ा । जिस पर सदर थाना पुलिस ने दोनों को गिरफ़्तार किया है।

जानकारी अनुसार चित्तौड़गढ़ प्रतापगढ़ दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ मके लंबे समय से दूध की थैलियों व अन्य चीजों की चोरियां होने की संबंधित शिकायतें डेयरी अध्यक्ष बद्रीलाल जाट जगपुरा को मिल रही थी। जिस पर सोमवार रात्रि 11 बजे वे प्लांट के गेट के पास एक गुप्त स्थान पर नजर बनाए रखे बैठे रहे। इस दौरान रात्रि 2 बजे के लगभग 4 मोटरसाइकिल सवार गेट से बाहर आते दिखाई दिए। इनमें से एक के पास एक सफेद रंग का कट्टा था। शक होने पर डेयरी अध्यक्ष बद्री लाल ने मोटरसाइकिल सवारों को रुकवाने का इशारा किया। अचानक से डेयरी अध्यक्ष को देखकर मोटरसाइकिल सवार और सिक्योरिटी कार्ड घबरा गए जिस पर तीन मोटरसाइकिल सवार बाइक रफ्तार बढ़ा कर भाग गए और एक मोटरसाइकिल सवार पकड़ा गया। जिस पर दो जने सवार थे। इतने में मोटरसाइकिल सवार ने सफेद रंग का कट्टा आस की झाड़ियों में फेंक दिया। जिसमें 26 गोल्ड दूध की थैलियां बरामद हुई, जिसमें 13 लीटर दूध था,जिसपर चोरी होने का खुलासा हुआ। सूचना पर सदरथाना पुलिस मौके पर पहुंची और चोरी के आरोप में ठुकरावा निवासी नारायण गुर्जर और किशन गुर्जर को हिरासत में लिया है। दोनों ही डेयरी संघ में लोडर ऑपरेटर का कार्य करते हैं। वही डेयरी अध्यक्ष ने सुरक्षाकर्मियों की कथित मिलीभगत का भी अंदेशा जताया है। जब कोई प्लांट के अंदर से बाहर जाता है तो उसकी जांच होनी चाहिए, की वह क्या सामान लेकर जा रहा है। लेकिन सुरक्षा में चूक हुई या मिलीभगत कहें। इसमें कोई दो राय नहीं, इन छोटी-मोटी चोरियों से डेयरी संघ को लाखों की चपत लग रही है। गौरतलब है कि गत वर्षों में भी डेयरी से जाने वाले दूध के टैंकरों में से सेंकडो लीटर दूध पार हो रहा था। जिस पर एक बार सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई की थी।

कोविशील्ड के टीकाकरण पासपोर्ट मंजूरी पर बोला EU, अप्रूवल के लिए नहीं मिला कोई आवेदन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ की ओर से भारतीय वैक्सीन कोविशील्ड टीका लगवाने वाले लोगों ग्रीन पास न देने के मामले ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। यूरोपीय संघ ने मंगलवार को कहा है कि यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी को टीकाकरण पासपोर्ट में कोविशील्ड की मंजूरी के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है। साथ यह भी कहा है कि जब भी आवेदन प्राप्त होगा तो वह पूरी प्रकिया के साथ इसकी जांच करेंगी।

कोविशील्ड लगवाने वाले भारतीयों को यूरोप की यात्रा करने के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यूरोपीय संघ के चिकित्सा नियामक निकाय, यूरोपीय मेडिसिन एजेंसी ने चार टीकों को मंजूरी दी है, जिसमें एस्ट्राजेनेका का टीका शामिल हैं, इसमें सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्मित वैक्सीन कोविशील्ड को मंजूरी नहीं मिली है। इसने कहा कि महामारी के कारण भारत सहित कई देशों से यूरोपीय संघ की गैर-जरूरी यात्रा पर अस्थायी प्रतिबंध हैं। यूरोपीय संघ ने कल अपने एक बयान में कहा था कि यूरोपीय चिकित्सा एजेंसी (ईएमए) को अनुमोदन के लिए ऐसा कोई अनुरोध नहीं मिला है। जब ऐसा अनुरोध मिलेगा तो वह अपनी प्रक्रिया के अनुसार उसकी जांच करेंगे। कोविशील्ड बनाने वाली सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने सरकार से यूरोपीय संघ के टीकाकरण पासपोर्ट में वैक्सीन को शामिल करने के मुद्दे को उठाने का अनुरोध किया था।

भाजपा युवा मोर्चा देहांत के जोधपुर जिला अध्यक्ष चौधरी का ABVP संगठन ने किया स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ABVP पीपाड़ शहर ईकाई द्वारा भारतीय जनता युवा मोर्चा जोधपुर देहात दक्षिण जिला अध्यक्ष अरविंद चौधरी का प्रथम बार पीपाड़ आगमन पर साफा और माल्यार्पण कर मुंह मीठा कर व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया । जोधपुर से पीपाड़ मार्ग बाकलिया, रिया, जवासिया फाटक, मूंदड़ा सर्किल, सब्जी मंडी, रवि सेंड स्टोन सिलारी रोड, विभिन्न स्थानों पर चौधरी का कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया । नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि वह उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह खरे उतरेंगे। कहा कि पार्टी ने उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, वह उसका पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। इस दौरान छात्र नेता अजय सिंह टाक, सीताराम टाक, भवानीसिंह कच्छावाह, पीयूष शर्मा, सीपी मारोटिया,रामकिशोर टाक, मनीष टाक, लक्ष्मण परिहार, महेन्द्र सिलारी, चेनाराम गहलोत, बंशीलाल टाक, विष्णु गहलोत, मनीष कच्छावाह, सचिन मुथा सहित सभी विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

सरूण्ड गाँव के ग्रामीणों ने किया पुलिस टीम का अभिनन्दन

शासन-प्रशासन में आमजन का भरोसा जरूरी-यादव

सरूण्ड स्थित माता के मंदिर में चोरी की वारदात का विगत दिनों पुलिस ने किया था खुलासा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती सरूण्ड गाँव में स्थित श्री सरूण्ड माता मंदिर में विगत 24 व 25 दिसम्बर की मध्य रात्रि को हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए सरूण्ड थाना पुलिस ने विगत दिनों चोरी के मुल्जिमों को गिरफ्तार कर घटनाक्रम का खुलासा किया था।वहीं मंदिर में चोरी किये गये छत्र,मुकुट व नकद राशि बरामद करते हुए चोरी का माल खरीदने वाले सुनार को भी गिरफ्तार कर लिया था।

उल्लेखनीय है कि मंदिर में हुई चोरी की घटना के बाद से ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश व रोष का माहौल था।साथ ही सरूण्ड थाना पुलिस भी लगातार मुल्जिमों की तलाश में जुटी हुई थी।घटनाक्रम के खुलासे से प्रसन्नचित ग्रामीणों द्वारा क्षेत्रीय विधायक एवं राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव के मुख्य आतिथ्य में सरूण्ड थाना पुलिस टीम व अधिकारियों का स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।इस मौके पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यमंत्री यादव ने कहा कि आमजन का शासन एवं प्रशासन पर भरोसा होना बेहद आवश्यक है,क्योंकि इससे जहाँ राज्य सरकार राजकीय व्यवस्थाओं का आसानी से निर्वहन कर पाती है,वहीं विकास कार्यों में भी प्रत्येक वर्ग,जाति व समाज के लोगों को साथ लेकर चल पाती है।वहीं उन्होंने कहा कि पुलिस टीम ने बेहद मेहनत व साहस के साथ घटनाक्रम का पर्दाफाश किया है।जिसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने डीएसपी दिनेश कुमार यादव,सरूण्ड थानाधिकारी सवाई सिंह सहित मामले का खुलासा करने वाली पुलिस टीम के सदस्यों का माला व साफा पहनाकर अभिनन्दन करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि सुभाष मीणा ने की।इस मौके पर जिला पार्षद प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता एडवोकेट उदयसिंह तँवर ने स्वागत भाषण देते हुए ग्राम पंचायत के पेयजल, राजकीय विद्यालय के विकास, चिकित्सा व्यवस्था सहित अन्य अभाव-अभियोग गिनवाये। जिनका राज्यमंत्री यादव ने उचित निराकरण का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों की ओर से राज्यमंत्री यादव का भी माला व साफा पहनाकर नागरिक अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डीएसपी दिनेश कुमार यादव एवं थानाधिकारी सवाई सिंह ने ग्रामीणों की ओर से मिले सहयोग का आभार व्यक्त करते हुए पुलिस में विश्वास के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित किया।इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री सरूण्ड माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया।कार्यक्रम में अतिथियों ने श्री सरूण्ड माता का आशीर्वाद ग्रहण किया। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान भामाशाह विजय एवं विशाल यादव ने अपनी ओर से ग्राम सरूण्ड एवं नारेहड़ा में सीसीटीवी कैमरे लगवाये जाने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन अध्यापक रणवीर सिंह शेखावत ने किया।

इस मौके पर विराट यादव, विक्रम लीडर, हीरा यादव, मंदिर महन्त घनश्याम पुजारी, पूर्व सरपंच रामनारायण विजय, ओमप्रकाश जाँगिड़,उप सरपंच रामप्रताप सैनी,बार एशोसिएशन के उपाध्यक्ष एडवोकेट उदय सिंह तँवर, पंसस देशराज सिंह, पूर्व उप सरपंच लीलाराम सैनी,हीरा सिंह, कैप्टन ज्ञानेन्द्र सिंह, सुबेदार प्रहलाद सिंह, वार्ड पंच राजेन्द्र आर्य, सुरेन्द्र सिंह, पेपसिंह,वार्ड पंच देबु सिंह व संजय सिंह सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

पटवारियों का आंदोलन जारी मांगी इच्छा मृत्यु

पटवार संघ ने राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पटवार संघ उपशाखा सांचौर के पटवारियों ने अपनी मांगों के निराकरण हेतु सौंपा ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सांचौर। राजस्थान पटवार संघ के प्रदेश स्तरीय चल रहे आंदोलन के चलते पटवार संघ उपशाखा सांचौर के पटवारियों ने संघ के आह्वान पर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर इच्छा मृत्यु की अनुमति देने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया कि 20 अप्रैल 2018 को संगठन के साथ हुए समझौते को लागू नहीं करने को लेकर रोषस्वरूप इच्छा मृत्यु की मांग की गई साथ ही बताया कि संगठन पिछले 19 माह से गांधीवादी तरीके से अपनी तीन सूत्री मांगों के निराकरण के लिए आंदोलन करता आ रहा है। जिसमें वेतन विसंगति एवं वेतन सुधार ग्रेड पे 3600 करने, एसीपी योजना अंतर्गत सेवा अवधि पूर्ण करने पर चयनित वेतनमान का लाभ देते हुए पदोन्नति पद का वेतनमान दिया जाने व नो वर्क नो पे आदेश निरस्त करने संगठन के साथ पूर्व में हुए समझौते पर खरे उतरने एवं संगठन द्वारा समय-समय पर प्रेषित ज्ञापनों का सकारात्मक निस्तारण सहित तीन सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान उपशाखा के पटवारी मौजूद थे।

15 जनवरी से अतिरिक्त पटवार मंडलों का बहिष्कार आज दिन तक जारी

संगठन के जिलाध्यक्ष कैलाश डऊकिया ने बताया की वर्तमान में जालोर जिले में कुल 325 पटवारी पद है जिसमें से 185 पटवारी ही कार्यरत है। शेष पटवारी पद रिक्त है जिनका रिकॉर्ड तहसील कार्यालय में जमा है। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर 15 जनवरी से अतिरिक्त पटवार मंडलो का बहिष्कार निरंतर जारी है।

पटवारियों की हड़ताल से किसान परेशान

किसान पटवार कार्यालयों के लगातार चक्कर लगा रहे हैं।लेकिन वहां पटवारी नहीं होने के कारण उनका काम नहीं हो रहा है। हड़ताल के कारण किसी काश्तकार को गिरदावरी तक नहीं मिल पा रही है। सरकारी योजनाओं के लिए जरूरी कार्य के लिए किसान? मजदूर व विद्यार्थी पटवार कार्य पहुंचते हैं लेकिन कार्यालय पर ताला लगा हुआ रहता है जिससे उनको भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

गिरदावर संघ भी दे चुका है नैतिक समर्थन

पटवारियों की हड़ताल को गिरदावरो ने नैतिक समर्थन दे रखा है जिसके कारण सरकार के आदेश के बावजूद पटवारियों के कार्यों को गिरदावर नहीं कर रहे हैं।

राजस्थान पटवार संघ पिछले 19 माह से अपनी तीन सूत्री वाजिब मांगो को लेकर गांधीवादी तरीके से आन्दोलरत है। लेकिन अपने आप को गांधीवादी मानने वाली ढोंगी सरकार हमारी मांगो पर ध्यान नही दे रही।यदि सरकार ने हमारी मांगो पर ध्यान नही दिया तो आगामी दिनों में आन्दोलन को ओर उग्र किया जाएगा।

- कैलाश डऊकिया, जिलाध्यक्ष राज. पटवार संघ जालोर

ब्राह्मण संगठनों ने की बी डी कल्ला से मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सोसायटी आफ बाह्मण एक्जूकेटिवस् राजस्थान (सोबर) के अध्यक्ष डॉ शिवगौतम की अगुवाई में बाह्मणो के प्रमुख संगठनों ने विप्र कल्याण बोर्ड का गठन, पुजारी को आर्थिक मानदेय देने एवं मन्दिर माफी की जमीन पर बाहुबलीयो और भूमाफियाओ का कब्जा हटाने की मांगो को लेकर बी डी कल्ला से भेंट कर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से उक्त तीनो मांगे पूरी कराने के लिए अपने स्तर पर कार्यवाही कराने के लिए निवेदन किया। मंत्री बीडी कल्ला ने माना कि कोराना काल में हर वर्ग को सरकारी मदद मिली है लेकिन सनातन धर्म के प्रहरी गरीब पुजारीयों को कोई सहयोग नही मिला। मै अपने स्तर पर पूरी कोशिश करूँगा कि पुजारीयो को आर्थिक सहायता मिले। इसी तरह मन्दिर माफी की जमीन कब्जा मुक्त के लिए कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने विप्र कल्याण बोर्ड के गठन पर कहा कि जब भी अन्य बोर्ड गठन होंगे, मेरी पूरी कोशिश होगी कि विप्र कल्याण बोर्ड बने। प्रतिनिधि मण्डल में सोबर के अध्यक्ष डा शिव गौतम, सर्व बाह्मण महा सभा के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा, राजस्थान बाह्मण मंच के अध्यक्ष बनबारी लाल शर्मा बीकानेर, सोबर के महासचिव ई आर सी शर्मा, डायरेक्टर सुशील दोतोलिया, महन्त पुरुषोत्तम भारती आदि प्रतिनिधि उपस्थिति थे।

राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) की मासिक बैठक आयोजित

कोटपूतली @ जागरूक जनता। राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) उपशाखा कोटपूतली की मासिक बैठक का आयोजन कस्बे के राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मोरीजावाला धर्मशाला में प्रधानाचार्य महेश चंद निर्मल एवं किशोरी लाल वर्मा की संयुक्त अध्यक्षता में किया गया। बैठक में तहसील कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से विस्तार करते हुए सभी क्षेत्रों एवं वर्गों के लोगों को उचित प्रतिनिधित्व देते हुए सदस्यता अभियान पर विचार विमर्श किया गया। वहीं कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए निजी शिक्षण संस्थाओं से सजना कुमावत,रमेश कुमार सराधना,कैलाश आर्य आदि को शामिल किया गया। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि बैठक के दौरान जिला प्रतिनिधि श्रीराम लहकरा, ब्लॉक अध्यक्ष मनोज कुमार सिरोहीवाल, रामसिंह गोठवाल, ताराचंद महरड़ा, ओमप्रकाश हांसीवाल, सुरेन्द्र सिंह, अतुल आर्य, ओमप्रकाश निमोरिया,हँसराज वर्मा, रामकुमार कटारिया, पूरणमल आर्य सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

स्वच्छता सेवा दल ने मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों को किया सैनेटाईज

कोटपूतली @ जागरूक जनता। स्वच्छता सेवा दल टीम द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों को कोरोना महामारी से बचाव के लिए सोडियम हाइपोक्लोराईड से सैनेटाईज किया जा रहा है। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत को स्वच्छता सेवा दल के संयोजक प्रवीण बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना की नई गाईडलाईन में मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों को खोलने की अनुमति मिल गई है,जिसको देखते हुए कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए टीम द्वारा सभी धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों को सोडियम हाईपोक्लोराईड का छिड़काव कर सैनेटाईज किया जा रहा है।ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके। छिड़काव के दौरान स्वच्छता सेवा दल के कमलेश प्रजापति,गिरवर शर्मा,दयाराम कुमावत, विकास जांगिड़,प्रशांत अग्रवाल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुकन्या समृद्धि योजना

खाते खोलने के लिए डाकघरों में अभियान शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय डाक घर विभाग ने सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खोलने के लिए शहर की सभी डाकघरों में विशेष अभियान शुरू कर दिया है। डाक विभाग के अनुसार इस योजना का मुख्य उद्देश्य है कि बेटियों की शिक्षा एवं विवाह के लिए उनके संरक्षक को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सके। जयपुर नगर मंडल डाकघर प्रवर अधीक्षक प्रियंका गुप्ता ने बताया कि इस योजना में न्यूत्तम 250 रुपए की राशि से 10 वर्ष तक की बालिकाओं का खाता खुलवाया सकते है, जिसे बालिका के संरक्षक के माध्यम से खोला जाता है। वहीं इस खाते में प्रत्येक वित्तिय वर्ष में कम से कम 250 रुपए एवं अधिकतम 1.50 लाख रुपए जमा करवा सकते है। बालिका की उच्च शिक्षा के खर्च के लिए खाते की परिपक्वता से पहले भी नियमानुसार खाते से निकासी की जा सकती है। जमा की गई राशि का आयकर में छूट प्राप्त की जा सकती है। कोरोना बचाव के तहत डाक घर में खाता खुलवाने के लिए मास्क पहनकर आना अनिवार्य है।

सीवरेज की समस्या के समाधान की मांग पर उपखंड अधिकारी सहित आयुक्त को दिया ज्ञापन

सीवरेज लाइन से छलक रहा पानी, सड़कें खराब, लोग परेशान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। शहर में स्वच्छता कार्य को लेकर करोड़ों रुपए लागत से नई सीवरेज लाइन बिछाई गई, लेकिन इसका रखरखाव सही नहीं करने से यह शहरवासियों के लिए आफत बन गई है। सीवरेज का पानी हौदियों से उफन कर सड़कों पर बहने से आवागमन को लेकर हर दिन राहगीरों, वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती है। दूषित वातावरण से शहर का सौन्दर्यकरण प्रभावित होता है। शहर के वार्ड नंबर 6, बजरंग कॉलोनी बाय पास मार्ग पर सीवरेज की उफनते मेन होल, रहवासी गलियों में गन्दे पानी को पसरे हुए करीबन 20 दिन हो चुके है पर इसका स्थाई समाधान नहीं हो पाया है। वार्डवासियों ने बताया कि पार्षद ममता रैगर, नगरपरिषद सभापति सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को बताया जिस दौरान चार दिन पूर्व नगरपरिषद के कर्मचारी समस्या के निदान के लिए मौके पर आए फिर भी स्थाई हल नहीं निकल सका, अब भी समस्या क स्थाई हल नहीं निकलता है तो वार्ड वासी मजबूरन जन आंदोलन करना पड़ेगा जिसके जिम्मेदार नगरपरिषद प्रशासन होगा।

सड़कों पर पसरे गन्दे पानी से आमजन का सुख-चैन छीन गया था। सीवरेज निर्माण में करोड़ों रुपए लागत से शहर के कई भागों में नई सीवरेज बिछाई गई, लेकिन कार्यकारी एंजेसी के इसका संचालन सही नहीं करने से फिर से परेशानी खड़ी हो गई है। शहर के कई भागों में दूसरे-तीसरे दिन सीवरेज हौदियों से पानी छलककर सड़कों पर बहता है। इस पर सड़कों पर दूषित पानी के भराव पर आवागमन में हर दिन बड़ी संख्या में राहगीरों, वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती है। दूषित पानी के भराव से फैलने वाली दुर्गंध पर रहवासियों को अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। लंबे समय से शहर में यह स्थिति बनी हुई है, लेकिन सीवरेज लाइन के समुचित रखरखाव के जिम्मेदार नगर परिषद के अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। इससे आमजन परेशान है।गौरतलब है कि शहर में गंदे पानी की निकासी को लेकर करोड़ो रुपए खर्च कर सीवरेज लाइन का कार्य करवाया गया। लोगों ने उम्मीद संजोई कि अब तो शहर को गंदगी से राहत मिलेगी, लेकिन इसका उल्टा हो रहा है। यहां सीवरेज का गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है और गंदगी बढ़ती जा रही है। समस्या के समाधान को लेकर नगरपरिषद प्रशासन गंभीर नजर नहीं आ रहा। ज्ञापन देने के दौरान नारायण माली, सुरेश माली, लक्ष्मी नारायण सिंघल, मुकेश गुप्ता, राजेंद्र कुमार गर्ग, शक्ति नारायण सिंघल व अन्य वार्डवासी भी उपस्थित रहे।

हमारे वार्ड मे पिछले 20 दिनों से ये समस्या है इसकी वजह से मच्छरों का भी काफी प्रकोप झेलना पड़ रहा है, गन्दे पानी की वजह से सड़के तालाबों में तब्दील हो गई है

- लक्ष्मीनारायण सिंघल

सीवरेज के उफनते हौदियो से पानी का पसरना हमारे लिए काफी पीड़ादायक है घर से बाहर निकलते ही इसके बदबूदार हवा से पूरा माहौल खराब हो रहा इसका जल्द स्थाई समाधान किया जाए।

- मुकेश गुप्ता

जयपुर जिले के बाँधों को यमुना नदी के स्त्रोत से जोड़ने की क्षेत्रवासियों की माँग

बुचारा बाँध जल संवर्धन समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार शर्मा एवं एसडीएम सुनीता मीणा को सौंपा ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। आने वाले समय में जयपुर देहात सहित सीमावर्ती सीकर एवं अलवर जिले में उत्पन्न होने वाले जल संकट को देखते हुए बुचारा बाँध जल संवर्धन समिति के सदस्यों ने समिति संयोजक सुरेश चंद कसाना के नेतृत्व में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम एसडीएम सुनीता मीणा एवं तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा को सात सुत्रीय ज्ञापन सौंपा।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि ज्ञापन में सुरेश चंद सहित कल्याणपुरा सरपंच प्रतिनिधि घीसाराम हवलदार, कांग्रेस नेता मालीराम कम्पाउन्डर, एडवोकेट राजेन्द्र रहीसा, जगराम,पार्षद प्रतिनिधि मुखिया पायला, मनोहर लाल,कैलाश चंद, दाताराम बावता, राम करण यादव, रामसिंह, रामौतार, उमराव, नवीन आदि ने जयपुर देहात के सूखे बाँधों को यमुना नदी से जोड़कर पुनः भरने की माँग की है। ज्ञापन में लिखा कि जयपुर देहात सहित आसपास के जिलों में जल स्त्रोतों में पानी की आवक ना होने से जल स्तर बेहद नीचे चला गया है। जिससे कृषि एवं पशुपालन में भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही बेरोजगारी का संकट भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। उक्त समस्या के समाधान के लिए वर्षाकालीन नदियों को लिंक नहर द्वारा चौंमू के पास स्थित गढ़ टकनेत रिजर्व से भरा जा सकता है। जिससे गढ़ टकनेत की 22 हजार बीघा जमीन पर पानी का स्टोरेज हो सकेगा। उक्त गढ़ टकनेत रिजर्व को हरियाणा सीमा तक 50 किमी की नहर से जोड़ा जा सकता है। गढ़ टकनेत की ऊंचाई ज्यादा होने से यहाँ छोड़े जाने वाले पानी की वजह से 6 बड़े बाँधों सहित 20 से अधिक जल स्त्रोतों एवं क्षेत्र के बुचारा व बनाड़ी बाँध में वर्ष भर के लिए पानी एकत्रित हो जायेगा एवं क्षेत्र की साहबी व सोता नदी में जल स्तर बढ़ने से क्षेत्र के पेयजल संकट का भी समाधान हो सकेगा। इस बाबत वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव के समय भी कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में आश्वासन दिया था।ज्ञापन में राज्य सरकार से इस बाबत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट केन्द्र सरकार को भिजवाने जाने की माँग की गई है।ताकि राष्ट्रीय जल विकास प्राधिकरण रिपोर्ट का अध्ययन करके योजना को मूर्त रूप प्रदान कर सकें। उल्लेखनीय है कि इस बाबत विगत दिनों ग्राम कल्याणपुरा खुर्द में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी हुआ था।

श्री श्याम अस्पताल में ऑक्सीजन प्लान्ट का हुआ शुभारम्भ

आपसी सहयोग, एकजुटता से करें विपदा का मुकाबला-राज्यमंत्री यादव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटपूतली। कस्बे के राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित श्री श्याम हॉस्पिटल में हॉस्पिटल प्रशासन द्वारा नवनिर्मित ऑक्सीजन प्लांट का क्षेत्रीय विधायक एवं राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव द्वारा बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर यादव ने फीता काटकर व मशीन का बटन दबाकर प्लांट का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यमंत्री यादव ने कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी पिछले 100 वर्षों के समय में पहली ऐसी महामारी है जिसने पूरे विश्व में तबाही मचाई है।एक सदी से मानव सभ्यता ने ऐसे किसी संकट का सामना नहीं किया।जिसने पूरे विश्व को समान रूप से परेशान किया हो। कोरोना महामारी का ऐसा ही प्रभाव हमारे देश पर भी देखने को मिला है एवं जिससे देशवासियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है।वहीं राज्यमंत्री यादव ने कहा कि इस प्रकार की आपदा व विपदा से निपटने के लिए केवल सरकार के प्रयास ही काफी नहीं होते हैं बल्कि निजी क्षेत्रों का सहयोग भी समान रूप से आवश्यक है।उन्होंने कहा कि हम आपसी सहयोग व एकजुटता के साथ ही किसी भी विपदा से मुकाबला कर सकते हैं।हालांकि कोरोना महामारी से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा भी भरसक प्रयास किये गये हैं।जिसके चलते कस्बा स्थित राजकीय अस्पताल में भी तीसरे ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण शुरू होने वाला है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिकाध्यक्ष पुष्पा सैनी द्वारा की गई।विशिष्ट अतिथि के रूप में एडीएम जगदीश आर्य,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष छीत्तरमल सैनी, एडवोकेट दुर्गा प्रसाद सैनी,शिक्षाविद एडवोकेट अशोक बंसल ने भी विचार व्यक्त किये।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस मौके पर अति विशिष्ठ अतिथि के रूप में बानसूर विधायक शकुन्तला रावत एवं विराटनगर विधायक इन्द्राज गुर्जर ने भी ऑक्सीजन प्लांट का अवलोकन करते हुए हॉस्पिटल प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।वहीं अस्पताल के निदेशक डॉ.मनोज गुप्ता व डॉ.निधि गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर के फलस्वरूप उक्त प्लांट का निर्माण सम्भव हो सका है।इस दौरान विराट यादव,विक्रम लीडर सहित हॉस्पिटल प्रशासन के सदस्य एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

धर्मस्थलों पर कोविड गाइडलाइन की पालना सुनिश्चित की जावें - कलक्टर

जालौर @ जागरूक जनता। जिले में धार्मिक स्थलों को खोले जाने के संबंध में जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में कोविड-19 त्रिस्तरीय जन अनुशासन-3 के अनुसरण में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कलक्टर ने धार्मिक स्थलों को खोले जाने के संबंध में राज्य सरकार के नवीनतम निर्देशों की जानकारी देते हुए उनकी पालना सुनिश्चित करने की बात कही। जिन धार्मिक स्थलों पर स्थानीय निवासियों के साथ अन्य जिलों एवं राज्यों से दर्शनार्थ एवं पूजा-अर्चना हेतु दर्शनार्थी आते है उनको खोले जाने से पूर्व गठित कमेटी द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जायेगा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए पर्याप्त सुरक्षात्मक उपाय धार्मिक स्थल प्रबंधन द्वारा कर लिये गये है। धार्मिक स्थलों पर आवागमन करने वाले व्यक्तियों द्वारा वैक्सीन की कम से कम एक डोज लगवाने के पश्चात् ही आवागमन सुनिश्चित करते हुए प्रातः 6 बजे से सायं 4 बजे तक धार्मिक स्थल खोले जा सकेंगे। धार्मिक स्थल पर सोशल डिस्टेंसिंग की पालना, थर्मल स्क्रीनिंग, सेनेटाइजर का उपयोग सहित कोरोना प्रोटोकॉल की पालना किये जाने के निर्देश दिये। धार्मिक स्थल पर फूल, प्रसाद, चादर व अन्य पूजा सामग्री ले जाने एवं घण्टी बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। जिला पुलिस अधीक्षक श्यामसिंह ने कहा कि आरती को ऑनलाइन देखने हेतु प्रोत्साहित किया जावे एवं जहां तक संभव हो, धार्मिक स्थल पर भीड़ नहीं जुटे। धार्मिक आयोजनों एवं जुलूसों की अनुमति नहीं होगी। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर छगनलाल गोयल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु, डिप्टी सीएमएचओ डॉ.एसके चौहान सहित विभिन्न धर्मस्थलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अनियमितता पाये जाने पर उर्वरक दुकानों के बिक्री अधिकार पत्र निलंबित

जालोर @ जागरूक जनता। जिले की चितलवाना तहसील में ईफको कंपनी के यूरिया एवं डीएपी उर्वरक की कालाबाजारी की शिकायत प्राप्त होने पर जांच की गई जिसमें अनियमितता पाये जाने पर संबंधित दुकानों के बिक्री अधिकार पत्र को तत्काल प्रभाव से 10 दिनों के लिए निलम्बित किया गया है। कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ.आर.बी.सिंह ने बताया कि जिले की चितलवाना तहसील में ईफको कंपनी के यूरिया एवं डीएपी उर्वरक की कालाबाजारी की प्राप्त शिकायत पर उर्वरक निरीक्षक मनोहरलाल विश्नोई एवं कृषि अधिकारी पौध संरक्षण कार्यालय सहायक निदेशक कृषि विस्तार भीनमाल द्वारा जांच की गई जिसमें मैसर्स राम कृषि भंडार चितलवाना द्वारा स्टॉक रजिस्टर संधारण एवं पोस मशीन संचालन में अनियमितता बरतना पाया गया। इसी प्रकार मैसर्स श्रीराम खाद बीज भंडार सिवाडा द्वारा दुकान बंद कर दिये जाने के कारण जांच में अपेक्षित सहयोग नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि उर्वरक निरीक्षक की अनुशंषा पर मैसर्स राम कृषि भंडार चितलवाना का उर्वरक बिक्री अधिकार संख्या-1751 ए एवं मैसर्स श्री राम खाद बीज भंडार सिवाडा का बिक्री अधिकार संख्या-2024 उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 सपठित आवश्यक नियम 1955 में प्रदत्त शक्तियों के तहत उक्त दुकानों के बिक्री अधिकार पत्र तत्काल प्रभाव से 10 दिनों के लिए निलम्बित किये गये है। इन फर्मों से प्राप्त जवाब के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

महंगाई भत्ता कार्मिकों का अधिकार-डिगार

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान समग्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर उदय सिंह डिंगार ने महंगाई भत्ते को कार्मिकों का सेवा नियम अंतर्गत अधिकार जताते हुए प्रधानमंत्री एवं राज्य के मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किए हैं । समग्र शिक्षक संघ के प्रदेश मुख्य महामत्री हरिश्चन्द्र प्रजापति एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष ललित मोहन शर्मा ने बताया कि कर्मचारियों को महंगाई भत्ता पाने का उनका सेवा नियम अंतर्गत अधिकार है । उन्होंने बताया कि कार्मिकों के महंगाई भत्ते की 3 किस्ते बकाया है जो कि क्रमशः जनवरी 2020, जुलाई 2020, एवं जनवरी 2021 पहले से ही बकाया चल रही है और इधर जुलाई 2021 से उनकी चौथी महंगाई भत्ते की किस्त भी बकाया होने जा रही है। परंतु अत्यंत खेद का विषय है कि कार्मिकों का उनके बकाया महंगाई भत्ते का भुगतान नहीं किया जा रहा है ,जोकि कार्मिकों के सेवा नियम अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का हनन भी है । उन्होंने बताया कि पूर्व में कोरोना महामारी के मद्देनजर महंगाई भत्ता रोका गया था परंतु अब धीरे-धीरे परिस्थितियां सामान्य हो रही है एवं राजकोष में भी वृद्धि हुई है । अतः कार्मिकों का बकाया महंगाई भत्ता तत्काल ही माह जुलाई से चारों किस्ते जोड़ कर नकद दिया जाना चाहिए साथ ही उनके पूर्व के बकाया महंगाई भत्ते का एरिया राशि का भी नियमानुसार भुगतान कर न्याय प्रदान किए जाने की मांग की है ।।

एक पेड़ लगाना, सौ गायों के दान के समान- केन्द्रीय मंत्री शेखावत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। भारतीय जनता पार्टी जोधपुर शहर की ओर से सम्राट अशोक उद्यान के पास सुबह एक परिवार एक वृक्ष कार्यक्रम के तहत पौध वितरण कार्यक्रम रखा गया मुख्य अतिथि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री भारत सरकार गजेंद्र सिंह शेखावत हाथों से जोधपुर शहर के आम जन को विभिन्न किस्मों के औषधीय, छायादार, फूलदार, फलदार पौधों का वितरण कर कहा कि जीवनयापन के लिए शुद्ध हवा व ऑक्सीजन के लिए पेड़ पौधे बहुत जरूरी हैं। केवल इतना ही नहीं भारतीय संस्कृति में एक पेड़ लगाना, सौ गायों का दान देने के समान माना गया है। जोधपुर वासियों में पर्यावरण जागरूकता की कमी नहीं है। हर वर्ग और आयु के लोग पौधारोपण को लेकर उत्साहित हैं। नागरिकों को पौधे प्रदान करते हुए बातचीत से यह और भी स्पष्ट हुआ कि जागरूकता लगातार बढ़ रही है। आम जनमानस में हरित पर्यावरण के प्रति जवाबदेही का विकास हुआ है। विशेषकर युवा और किशोर आगे बढ़कर हरियाली बढ़ाने में हाथ बंटा रहे हैं। भाजपा का वृक्ष वितरण कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जनभागीदारी बढ़ाने का उद्देश्य रखता है। इस मौके पर महापौर दक्षिण वनिता सेठ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में भी वृक्षारोपण को अति पुण्यदायी माना गया है। शास्त्रों में लिखा गया है कि एक पेड़ लगाने से एक यज्ञ के बराबर पुण्य मिलता है। पद्म पुराण में तो यहां तक लिखा है कि जलाशय (तालाब/बावड़ी) के निकट पीपल का पेड़ लगाने से व्यक्ति को सैंकड़ों यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है। वृक्ष वितरण के दौरान नगर निगम दक्षिण उपमहापौर किशन लड्ढा, उद्योगपति नरेश सुराणा, विजय राजोरिया,पीपाड़ शहर से समाज सेवी मेहराम गहलोत, निष्कर्ष क्लासेज डायरेक्टर जितेंद्र कच्छावाह नानण, शिक्षाविद दिनेश भाटी, कैलाश भाटी, विजेंद्र सैनी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहें।

नवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का होगा एक लाख रुपए का बीमाधन

सरकारी स्कूलों के बच्चों का होगा दुर्घटना बीमा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार प्रदेश के सरकारी स्कूलों के बच्चों का पांच से दस रुपए में दुर्घटना बीमा करेगी। यह प्रीमियम राशि विद्यार्थियों को देनी होगी और इस राशि से प्रति छात्र एक लाख रुपए का बीमधन कवर होगा। शिक्षा विभाग ने इस सबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं, जिसके मुताबिक प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत नवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को इसका फायदा मिल सकेगा। इस दुर्घटना जोखिम को वहन करने के उद्देश्य से विद्यालय की ओर से प्रति छात्र दस रुपए और प्रति छात्रा पांच रुपए में हर साल एक लाख रुपए बीमाधन के आधार पर विद्यार्थी सुरक्षा दुर्घटना बीमा पॉलिसी कवरेज उपलब्ध करवाएगा।

यह होगी जमा

शिक्षा विभाग के मुताबिबक शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए एक मुश्त विद्यालय की ओर से अपने स्तर पर शिक्षा,खेलकूद, कला संस्कृति, सामान्य शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा अन्य राजस्व मद से जमा करवाई जाएगी।

डीईओ को दिए निर्देश

माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक सौरभ स्वामी ने राज्य के सभी माध्यमिक जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह प्रदेश के अधीनस्थ समस्त राजकीय माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय के संस्था प्रधान यह अंशदान राशि वसूल कर विभाग के राजस्व मद से जमा करवा कर चालान की प्रति संस्था प्रधान अपने रिकॉर्ड में सुरक्षित रखें।

'ट्रांसक्यूटेनियस बिलिरुबीनोमीटर'

नवजातों को दर्द से मिलेगी निजात, बिना खून निकाले 1 मिनट में होगी पीलिया की जांच

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जेके लोन, महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट, जनाना अस्पताल चांदपोल, गणगौरी, जयपुरिया समेत मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पताल और जिला अस्पतालों में अब एक मिनट में 'ट्रांसक्यूटेनियस बिलिरुबीनोमीटर' से बच्चों में पीलिया की जांच हो सकेगी। इसके लिए नवजात का खून नहीं निकालना होगा। बैटरी से संचालित ट्रांसक्यूटेनियस बिलीरुबीनो मीटर एक डिवाइस है। इसे नवजात की चमड़ी पर रखने से पीलिया का लेवल को जांचा जा सकता है। एसएमएस के प्राचार्य डॉ.सुधीर भंडारी के अनुसार जेके लोन अस्पताल में उपकरण के शोध यूरोपियन जरनल ऑफ पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित हो चुका है। सरकार ने आरएमएससीएल को 40 मशीन खरीदने का आर्डर दिया है।

अभी नवजातों के पीलिया के लिए खून की जांच रिपोर्ट आने में 6 से 8 घंटे लगते हैं। प्री-मेच्योर और पूरे समय लेकर जन्मे बच्चों में ट्रांसक्यूटेनियस बिलीरुबीनो मीटर से पीलिया की जांच सही पाई गई। शोध जेके लोन में 2017 से 2019 तक 100 बच्चों पर हुआ। अध्ययन अंतरराष्ट्रीय स्तर के यूरोपियन जरनल ऑफ पीडियाट्रिक्स में जून-21 में छप चुका है। शोध डॉ.सुनील गोठवाल, डॉ.नीलम सिंह, डॉ.सीतारमन, डॉ.रमेश चौधरी ने किया है।

पद्मिनी आर्ष कन्या गुरूकुल के संचालन समिति की बैठक सम्पन्न

चितौड़गढ़ @ जागरूक जनता। चितौड़गढ़ के प्रतापनगर स्थित पद्मिनी आर्ष कन्या गुरूकुल के संचालन समिति की बैठक समिति अध्यक्ष विक्रम सिंह आंजना की अध्यक्षता एवं ग्राम सेवा आश्रम न्यास के अध्यक्ष डॉ. सोमदेव शास्त्री के सानिध्य में आयोजित हुई। पद्मिनी आर्ष कन्या गुरूकुल के प्रधान देवेन्द्र सिंह शेखावत ने सभी का स्वागत किया।

मंत्री सरला गुप्ता के अनुसार आयोजित इस बैठक में गुरूकुल के बेहतर संचालन के लिए विचार विमर्ष किया गया जिसमें भविष्य को ध्यान में रखकर नक्षे में यज्ञषाला, गौषाला, पुस्तकालय, कार्यालय, विद्यालय भवन, छात्रावास, खेल मैदान, गुरूकुल वाटिका, सभा भवन आदि का ध्यान रखा जायेगा। समिति कोषाध्यक्ष कुंजीलाल पाटीदार ने गुरूकुल के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा आचार्या नर्मदा ने गुरूकुल में अध्ययनरत बालिकाओं के षिक्षा सम्बन्धित जानकारी प्रदान की। अध्ययनरत बालिकाओं ने ईष्वर स्तुति प्रार्थना उपासना मंत्र, दैनिक हवन मंत्र, व्याकरण सूत्र, पंतजलि योग सूत्र, नीति श्लोक आदि की मौखिक अभिव्यक्तियां दी। बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार चालू सत्र में कक्षा 4 उत्तीर्ण बालिकाओं को प्रवेष दिया जायेगा।

ग्राम सेवा आश्रम न्यास के अध्यक्ष सोमदेव शास्त्री, गुरूकुल संचालन समिति अध्यक्ष विक्रम सिंह आंजना ने बिजली व्यवस्था हेतु सोलर प्लेट लगाने के लिए एक-एक लाख की दान राषि प्रदान की। उदयपुर के सत्यप्रिय शास्त्री, देवराज सिंह, राजकुमार एवं सरला गुप्ता, भगवती शास्त्री, निम्बाहेडा के रतनलाल राजौरा, राधेष्याम धाकड आदि ने प्रतिमाह गुरूकुल को सहयोग राषि भेजने की घोषणा की। दयानन्द आश्रम बॉसवाडा के संचालक एवं कन्या गुरूकुल चितौड़गढ़ से जुडे जीववर्धन शास्त्री ने सभी का आभार प्रदर्षित किया। बैठक में चितौड़गढ़ सहित नैनोरा, छोटीसादडी, निम्बाहेडा, बॉसवाडा, मन्दसौर एवं उदयपुर से आए कन्या गुरूकुल के सदस्यों ने भाग लिया।

दावत-ए-इस्लामी हिन्द का वृक्षारोपण अभियान कल से

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। पेड़अल्लाह की एक बडी नेमत है। लेकिन इस बड़ी उपहार की आज हमारे देश उपेक्षा की जा रही है। देश की बढ़ती आबादी में इमरातों के निर्माण और उद्योग धंधों में नई वस्तुओं के सृजन के दौरान जो वृक्ष काटे जा रहे हैं इस की भरपाई न के बराबर हो रही है। जिससे वातावरण प्रदुषित हो रहा है। अगर आप चाहते हैं कि वातावरण स्वच्छ हो और हम प्राकृतिक के शुद्ध हवा में सांस लें तो दावत-ए-इस्लामी हिन्द के वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लें। वास्तव में यह अभियान देश की भलाई और खुदा के दिये गए इस अनमोल उपहार के साथ साथ मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है।

पौधे लगाना अल्लाह के रसूल पैगम्बर मोहम्मद साहब की सुन्नत है। सलमान फारसी रजि अल्लाहो तआला अन्हो को गुलामी से आजाद कराने के लिए अल्लाह के रसूल पैगम्बर मोहम्मद साहब और सहाबा ऐ किराम ने तीन सौ खजुर के पेड लगाए। हदीस मुबारक में भी पौधे लगाने की अहमियत बयान की गई हैं । बुखारी शरीफ में है '' जो मुसलमान वृक्ष लगाए या फसल बोये फिर इसमें जो पक्षी या इंसान या चैपाए खाए तो वह इस की तरफ से सदका (दान) में गिना जाएगा। और मसनद इमाम अहमद में है जिसने कोई वृक्ष लगाए और उसकी हिफाजत और देखभाल की और यहां तक कि वो फल देने लगा तो इस में से खाया जाने वाला हर फल अल्लाह पाक के नजदीक इसे लगाने वाले कि के लिए सदका (दान) है। और दुसरी जगह मसनद इमाम अहमद में यह कहा गया है कि जिसने किसी जुल्म और अत्याचार के बगैर कोई घर बनाया या जुल्म व अत्याचार के बगैर कोई वृक्ष लगाया जब तक अल्लाह पाक के मखलुक (प्राणी) में से कोई एक भी इस में से लाभ उठाता रहेगा इस के लगाने वाले को सवाब (पुण्य) की प्राप्ति होती रहेगी। वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार वृक्षारोपण के बहुत फायदे हैं। पेड-पौधे कार्बन डाय ऑक्साईड लेते हैं और ऑक्सीजन छोडते हैं। ऑक्सीजन मानवीय जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके बगैर इंसान जिंदा नहीं रह सकता। कोविड-19 वैष्विक महामारी ने इसकी महत्वपूर्णता अनिवार्यता से सभी की आंखें खोल दी है। अल्लाह पाक ने पेड-पौधों को इंसान की सेवा के लिए लगाया हुआ है। यह प्रदुषित हवा लेकर अपनी शुद्ध हवा हमें देते हैं। तापमान को बढ़ने नहीं देते हैं। पेड पौधे की बहुतायात से वातावरण ठंडा और स्वच्छ रहता है। दावत -ए-इस्लामी हिन्द की शाखा एफजीआरएफ के तहत 0 1 जुलाई 2021 से लेकर 07 जुलाई 2021 तक वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम चलाया जाएगा । दावते इस्लामी हिन्द ने तमाम लोगों से इस कार्यक्रम में हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने और कम से कम एक वृक्ष लगाने और देश के वातावरण को स्वच्छ बनाने की अपील की है।